खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 07 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-275

निर्वाचन आयोग ने की बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा

बिहार में विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी। 243 विधानसभा सीटों के लिए बिहार में पहली बार दो चरण में ही चुनाव निपट जाएंगे। निर्वाचन आयोग की घोषणा के मुताबिक 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आ जाएंगे। बिहार में चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की तीन सदस्यीय टीम बिहार में चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रविवार को दिल्ली लौट आई। इस बार तीन के बदले दो चरणों में मतदान कराने का निर्णय प्रवासी बिहारियों की छठ के बाद वापसी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया। छठ के बाद पहले चरण में उत्तरी और मध्य जिलों को शामिल करने से मतदाता भागीदारी बढ़ सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बिहार के विधानसभा चुनावों में 17 नए नियम-प्रावधान लागू करने की जानकारी दी थी।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरण में होंगे। छह नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा और 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। 14 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। अनुसूचित जाति के लिए 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीटें आरक्षित हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक 90,712 मतदान केंद्र होंगे। इनमें 76,801 ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे और 13,911 शहरों में होंगे। मतदान केंद्रों को सौ फीसदी वेब कास्टिंग होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसत 818 मतदाता होंगे।

साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरण में हुए थे। जबकि 2015 के विधानसभा चुनाव पांच चरण में हुए थे। उससे पहले 2010 के विधानसभा चुनाव छह चरण में हुए थे। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 71 सीटों पर मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 94 और तीसरे चरण में 78 सीटों पर चुनाव हुआ था। वहीं, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 49, दूसरे चरण में 32, तीसरे चरण में 50, चौथे चरण में 55 और पांचवें में 57 सीटों पर मतदान हुआ था। बिहार में कुल 243 विधानसभा सीटें हैं।

2010 के विधानसभा चुनाव में छह चरणों में मतदान हुआ था। इनमें पहले चरण में 47 जिलों, दूसरे चरण में 45 जिलों, तीसरे चरण में 48 सीटों, चौथे चरण में 42 सीटों, पांचवें चरण में 35 सीटों और छठे चरण में 26 सीटों पर मतदान हुआ था।

▶10पर

कुल सीटें 243 | बिहार विधानसभा चुनाव 2025 | बहुमत 122

बिहार में बज गया चुनावी बिगुल

	पहला चरण	दूसरा चरण
अधिसूचना	10 अक्टूबर	13 अक्टूबर
नामांकन की आखिरी तारीख	17 अक्टूबर	20 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच	18 अक्टूबर	21 अक्टूबर
नाम वापसी की आखिरी तारीख	20 अक्टूबर	23 अक्टूबर
मतदान	6 नवंबर	11 नवंबर

पहली बार केवल दो चरणों में पूरा किया जाएगा मतदान

14 नवंबर को घोषित होंगे परिणाम, आचार संहिता लागू

दिल्ली को काठमांडू और ढाका बनाने की साजिश

जेन-जेड के नाम पर 'ब्रेन-डेड' नेताओं की करतूत

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली को भी काठमांडू और ढाका बनाने की साजिश पूरे परवान पर है। जेन-जेड के नाम पर 'ब्रेन-डेड' नेताओं की करतूतें देश के सामने उजागर हो रही हैं। इस कुचक्र को अंजाम देने के लिए भारत की देश-विरोधी शक्तियां विदेशों में बैठे भारत-विरोधी तत्वों के साथ मिल कर तैयारियां कर रहे हैं। कुछ नेता लगातार विदेशों का दौरा भी कर रहे हैं। इन तैयारियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। बरेली की तरह देश के कुछ अन्य इलाकों में इसका ट्रायल किया गया, लेकिन उसे वहीं कुचल दिया गया। अब खास तौर पर दिल्ली को निशाना बनाने की साजिश है। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस ब्रांच, ऑपरेशन यूनिट और दिल्ली सुरक्षा बल समेत तीन यूनिट को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम नेपाल के प्रदर्शनों के पैटर्न का गहन अध्ययन कर रहे हैं, जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने मोबिलाइजेशन में अहम भूमिका निभाई। पुलिस कमिश्नर ने एक विस्तार आपातकालीन योजना बनाने को कहा है, जिसमें पूर्वानुमानित खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, भीड़ प्रबंधन रणनीतियों और ऑनलाइन गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के तरीकों पर जोर दिया गया है।

राजधानी दिल्ली के चप्पे चप्पे पर निगरानी

दिल्ली के पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा ने इंटेलिजेंस ब्रांच, ऑपरेशंस यूनिट और दिल्ली आर्म्ड पुलिस के साथ एक बैठक की, जिसमें नेपाल के हालात पर चर्चा हुई। तीनों इकाइयों के तीन विशेष पुलिस आयुक्तों को एक आकस्मिक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया गया है। जिला पुलिस इकाइयों, साइबर सेल और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिल कर समन्वित तैयारी की जा रही है। इस योजना के तहत प्रारंभिक तौर पर सीमावर्ती गतिविधियों की कड़ी निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन सर्विलांस का व्यापक उपयोग, सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहों का तथ्यात्मक खंडन और कहीं पर हो रहे बड़े जमावड़ों की स्थिति में अर्धसैनिक बलों के साथ तेज समन्वय जैसी रणनीतियां तैयार की जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर से बिहार पहुंची सीआरपीएफ की 71 कंपनियां

निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देंगे केंद्रीय बलों के जवान

बिहार पहुंचे केंद्रीय बलों के 50,000 जवान

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बिहार में विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की फिलहाल 500 कंपनियों को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों की अधिकांश कंपनियां, रविवार को बिहार में पहुंच चुकी हैं। अब इन्हें स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देने के लिए केंद्रीय बलों के जो 50,000 जवान बिहार पहुंचे हैं, उनमें सीआरपीएफ की वे 71 कंपनियां भी शामिल हैं, जिन्हें विशेष तौर पर जम्मू-कश्मीर से बुलाया गया है। चुनावी ड्यूटी पर मोर्चा संभालने वाले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी और आईटीबीपी भी शामिल हैं। बिहार में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए सीआरपीएफ की 118 कंपनियों को तैनात किया गया है। इनमें से 71 कंपनियां, जम्मू-कश्मीर से बुलाई गई हैं। चुनाव में किसी तरह की कोई हिंसा न हो, इसके लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधानसभा चुनाव के संवेदनशील बूथों पर कोई अप्रिय घटना न हो और बिना किसी भय के लोग चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकें, इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अर्धसैनिक बलों को भारी संख्या में बिहार के लिए रवाना किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बिहार में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। ▶10पर

उड्डयन क्षेत्र के लिए चौकन्ना रहने के संकेत

पायलट संघ ने की विमानों की गहन जांच की मांग

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पायलट संघ (फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स) ने एयर इंडिया के अमृतसर-बर्मिंघम बोइंग 787 विमान में अचानक रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) सक्रिय होने के बाद देशभर के सभी 787 विमानों के इलेक्ट्रिकल सिस्टम की जांच की मांग की है। यह घटना 4 अक्टूबर को हुई थी, विमान सुरक्षित लैंड हुआ। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने रविवार को अहम कदम उठाते हुए सिविल एविएशन महानिदेशक (डीजीसीए) से देश में सभी बोइंग 787 विमानों के इलेक्ट्रिकल सिस्टम की पूरी तरह जांच कराने की मांग की है। यह मांग मुख्य रूप से एयर इंडिया के अमृतसर से बर्मिंघम जा रहे बोइंग 787 विमान में अचानक आपातकालीन पावर सिस्टम (रैम एयर टर्बाइन- आरएटी) के खुद-ब-खुद खुल जाने के बाद आई है।

एयर इंडिया के मुताबिक, अक्टूबर चार को विमान के बर्मिंघम में लैंडिंग के दौरान आरएटी स्वतः ही 500 फुट की ऊंचाई पर चालू हो गया, लेकिन विमान सुरक्षित लैंड कर गया। मामले में पायलट संघ ने कहा कि विमान के एयरक्राफ्ट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम ने बस पावर कंट्रोल यूनिट (बीपीसीयू) में खराबी पाई है, जिससे आरएटी के खुलने की संभावना है। बीपीसीयू विमान के इलेक्ट्रिकल सिस्टम को नियंत्रित करता है और आरएटी तब खुलता है जब इंजन या इलेक्ट्रिकल/हाइड्रोलिक सिस्टम फेल हो जाए। यह पंखे की मदद से आपातकालीन पावर जनरेट करता है। डीजीसीए ने इस घटना की गहन जांच करने की बात कही है। आरएटी विमान में तब अपने आप काम करता है जब दोनो इंजन बंद हो जाएं या इलेक्ट्रॉनिक या हाइड्रोलिक सिस्टम में पूरी तरह से खराबी आ जाए। यह विंड स्पीड का इस्तेमाल कर आपातकालीन पावर जनरेट करता है।

संघ ने डीजीसीए को लिखा आवश्यक पत्र

मामले में डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विमान लैंडिंग के समय 400 फुट की ऊंचाई पर आरएटी एक्टिव हुआ, लेकिन पायलट ने कोई समस्या रिपोर्ट नहीं की। बोइंग के निर्देशानुसार जांच और रखरखाव किए गए, जिसमें कोई खराबी नहीं मिली। विमान को अब सेवा के लिए मंजूरी दे दी गई है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में एअर इंडिया के एक बोइंग 787 विमान एआई-171 की अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान के दौरान दुर्घटना हो गई थी, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। उस दुर्घटना की जांच कर रही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने पाया था कि विमान के इंजन फ्यूल कंट्रोल स्विच अनजाने में बंद हो गए थे। मामले में एफआईपी ने कहा है कि डीजीसीए ने अब तक बोइंग 787 के सिर्फ ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की है, जबकि पूरे इलेक्ट्रिकल सिस्टम की जांच जरूरी है। ▶10पर

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी मामले में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो द्वारा दाखिल याचिका पर आज सुनवाई की। इस याचिका में वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तत्काल कोई फैसला सुनाने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजनिया की पीठ के अब इस मामले में 14 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

गीतांजलि की तरफ से इस मामले में वकील कपिल सिब्बल कोर्ट के सामने पेश हुए। उन्होंने जजों से कहा कि परिवार को सोनम को हिरासत में रखे जाने की वजह नहीं बताई गई है। उधर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र की तरफ से दलील देते हुए कहा कि हिरासत में रखे गए व्यक्ति (सोनम वांगचुक) को हिरासत की वजहें बताई गई हैं और उनकी पत्नी को इससे जुड़ी प्रति देने पर विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को लद्दाख में हुए प्रदर्शन के दो दिन बाद एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। यह प्रदर्शन लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर किया गया था, जिसमें चार लोगों की मौत और करीब 90 लोग घायल हुए थे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 23^0

हिंद महासागर में भारतीय नौसेना का साझा अभ्यास

भारत और ब्रिटेन की नौसेनाओं ने किया अभ्यास

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने ब्रिटिश नेवी के साथ मिल कर हिंद महासागर में युद्धाभ्यास शुरू किया। चार दिनों तक चलने वाले इस अभ्यास को कोंकण-प्रैक्टिस नाम दिया गया है। इसका मकसद दोनों देशों की नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाना है। यह पहली बार है जब ब्रिटेन और भारत के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ने साथ में अभ्यास किया है और इस दौरान पनडुब्बी और विमान भी शामिल हुए। ब्रिटेन की कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) ने पश्चिमी हिंद महासागर में भारतीय नौसेना के साथ कोंकण अभ्यास शुरू किया है। ब्रिटिश सीएसजी का नेतृत्व एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कर रहा है। वर्ष 2004 से प्रत्येक दो साल में यह अभ्यास होता आ रहा है। लेकिन यह पहली बार है जब ब्रिटिश और भारतीय कैरियर स्ट्राइक ग्रुप संयुक्त समुद्री अभ्यास कर रहे हैं। ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप अभी ऑपरेशन हाईमास्ट नाम से आठ महीने के मिशन पर है। भारतीय नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का नेतृत्व आईएनएस विक्रांत कर रहा है। यह चार दिवसीय जटिल समुद्री अभ्यास है, जिसमें दोनों सेनाओं की पनडुब्बी और विभिन्न विमान शामिल होंगे। ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का नेतृत्व एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कर रहा है, जो क्वीन एलिजाबेथ श्रेणी का 65 हजार टन का सबसे बड़ा सतह पोत है, जिसे ब्रिटेन ने बनाया है। इसके साथ ही इस अभ्यास में टाइप 45 डेस्ट्रॉयर एचएमएस डॉन्टलेस, टाइप 23 फ्रिगेट एचएमएस रिचमंड, रॉयल फ्लीट असिस्टेंट जहाज और सहयोगी देशों के जहाज शामिल हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में एफ-35बी लाइटनिंग विमान और मर्लिन व वाइल्ड कैट हेलिकॉप्टर भी शामिल हैं। ऑपरेशन हाईमास्ट एक बहुराष्ट्रीय मिशन है, जिसका नेतृत्व ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप करता है। इस मिशन से ब्रिटेन के सशस्त्र बलों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी तैनाती का अवसर मिलता है। ▶10पर

12 अन्य देशों के नौसैनिक पोत भी शामिल

नाथ संप्रदाय के मंदिर इस्लामिक कट्टरपंथियों के निशाने पर

गिरनार पर्वत पर गोरखनाथ मंदिर में तोड़-फोड़

जूनागढ़, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रवैये को लेकर अब इस्लामिक कट्टरपंथी नाथ संप्रदाय के मंदिरों को निशाना बना रहे हैं। योगी आदित्यनाथ नाथ संप्रदाय के मूल पीठ गोरक्षपीठ के पीठाधीश हैं। गुजरात के जूनागढ़ में गिरनार पर्वत स्थित गोरखनाथ मंदिर में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने मूर्ति और मंदिर में तोड़-फोड़ की। संगमरमर की मूर्ति का सिर टूट गया और कांच का दरवाजा भी क्षतिग्रस्त हुआ। घटना से भक्तों में भारी आक्रोश है। गिरनार की पहाड़ी पर शनिवार की रात हुई इस घटना का पता चलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और वे सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। उपद्रवियों ने नाथ संप्रदाय के संस्थापक की संगमरमर की मूर्ति का सिर तोड़ दिया और मंदिर के कांच के दरवाजे व अन्य वस्तुओं को नुकसान पहुंचाया है। जूनागढ़ के एसपी सुबोध ओडेद्रा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद अपराध शाखा, विशेष अभियान समूह और भवनाथ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

भक्तों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

गिरनार पर्वत को रेवटक पर्वत भी कहा जाता है। इसके ऊपर जैन और हिंदू मंदिर हैं।

▶10पर

ट्रंप प्रशासन ने नहीं माना संघीय अदालत का फैसला नेशनल गार्ड के 200 जवान पोर्टलैंड में तैनात

वाशिगटन, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन ने एक संघीय न्यायाधीश का फैसला नहीं माना। प्रशासन ने फैसले को दरकिनार करते हुए ओरेगन के पोर्टलैंट में कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड के 200 सैनिकों को भेजा है। इस पर गवर्नर टीना कोटेक ने रविवार को कहा कि उन्हें पता है कि कैलिफोर्निया से 101 सैनिक रातों-रात विमान से ओरेगन पहुंच गए हैं। और भी सैनिक आने वाले हैं। उन्हें संघीय सरकार से कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने की घोषणा की है। ओरेगन कैपिटल क्रानिकल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कोटेक ने कहा कि यह कदम, कल एक संघीय न्यायाधीश के फैसले को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर उठाया गया प्रतीत होता है। तथ्य नहीं बदले हैं। ओरेगन में सैन्य हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। पोर्टलैंड में कोई विद्रोह नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। ओरेगन हमारा घर है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने एक ई-मेल में कहा कि ट्रंप ने हिंसा, दंगों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर हमलों के बाद पोर्टलैंड में संघीय संपत्ति की रक्षा के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को पोर्टलैंड और देश भर के शहरों को तबाह करने वाले अपराधियों के विरोध में खड़ा होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि शनिवार दोपहर बाद संघीय न्यायाधीश कैरिन इमरगुट ने 18 अक्टूबर तक सैनिकों को ओरेगन भेजने पर अस्थायी रोक लगा दी थी। इस पर संघीय सरकार के वकीलों ने तुरंत एक नोटिस दायर किया और कहा कि वे इमरगुट के अस्थायी आदेश के खिलाफ नौवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में अपील करेंगे। इमरगुट ने लिखा, यह संवैधानिक कानून वाला देश है, मार्शल लॉ वाला नहीं। प्रतिवादियों ने कई तर्क दिए हैं, जिन्हें अगर स्वीकार कर लिया जाता है तो नागरिक और सैन्य संघीय शक्ति के बीच की रेखा धुंधली हो सकती है। यह इस देश के लिए हानिकारक है।

ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने रविवार को संकेत दिया कि राज्य कैलिफोर्निया या अन्य किसी भी स्थान से सैनिकों की तैनाती को रोकने के लिए फिर से मुकदमा करने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

मैरी ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची को मिलेगा चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। वर्ष 2025 के लिए चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की सोमवार को घोषणा कर दी गयी।

इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को यह पुरस्कार मिला है। तीनों को पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस (परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता) से संबंधित खोज के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम का ऐलान किया। इन तीनों को 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में 10.3 करोड़ रुपये, गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र पुरस्कार के तौर दिया जाएगा। ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची ने इम्यून सिस्टम के सुरक्षा गार्ड यानी रेगुलेटरी टी-सेल्स की पहचान की, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि इम्यून सेल हमारे अपने शरीर पर हमला न करें। इसके आधार पर कैंसर और ऑटोइम्यून रोगों के इलाज खोजे जा रहे हैं। इसके अलावा इन खोजों की मदद से अंग प्रत्यारोपण में भी मदद मिल रही है। दरअसल, हमारा इम्यून सिस्टम हर दिन हजारों-लाखों सूक्ष्मजीवों से हमारी रक्षा करता है। ये सभी सूक्ष्मजीव अलग-अलग दिखते हैं। कई ने तो अपने आप को मानव कोशिकाओं जैसा दिखाने की क्षमता विकसित कर ली है, जिससे इम्यून सिस्टम को यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि हमला किस पर करना है और किसकी रक्षा करनी है। चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) की खोज के लिए प्रदान किया गया था। चिकित्सा के क्षेत्र में भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक हरगोविंद खुराना को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। उन्हें 1968 में यह पुरस्कार मिला था।

मैक्रों के करीबी रोलां लेस्क्यूर फ्रांस के नए वित्त मंत्री नियुक्त

पेरिस। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने रविवार को नई सरकार की घोषणा की, जिसमें

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के करीबी सहयोगी रोलां लेस्क्यूर को देश का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया गया। नई कैबिनेट में पिछले सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री अपने पदों पर बने रहे हैं। 58 वर्षीय लेस्क्यूर ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत सोशलिस्ट पार्टी से की थी और 2017 में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वे मैक्रों के पहले समर्थकों में से थे। उनकी नियुक्ति को वामपंथियों को साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि 2026 के बजट पर संसद में सरकार को तीन धड़ों सेंट्रिस्ट, वामपंथ और अति-दक्षिणपंथ के बीच समझौता करना होगा। पूर्व वित्त मंत्री ब्रूनो ले मेर को इस बार रक्षा मंत्रालय सौंपा गया है। विपक्ष ने नई टीम की आलोचना करते हुए इसे बैरू की सरकार बिना बैरू बताया, वहीं मरीन ले पेन ने इसे फ्रांस को कर्ज में डुबोने वाले व्यक्ति की वापसी कहा। लेस्क्यूर को अब नाजुक बजटीय वार्ताओं में समाजवादियों का समर्थन या कम-से-कम उनका तटस्थ रुख हासिल करना होगा, साथ ही मैक्रों की प्रो-बिजनेस नीति को भी बनाए रखना होगा।

लगातार बारिश के कारण नेपाल के प्रमुख 11 राजमार्ग अवरुद्ध

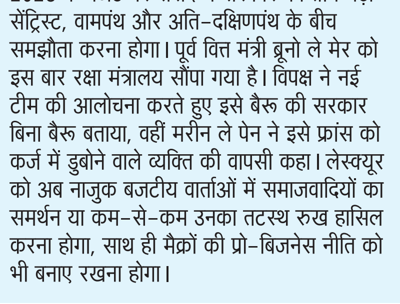

काठमांडू। बाढ़ और भूस्खलन ने नेपाल के प्रमुख राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। सोमवार को बारिश रुकने के बाद भी करीब 11 राजमार्गों के अवरुद्ध होने की जानकारी दी गई है। सबसे अधिक अवरुद्ध सड़क कोशी और बागमती प्रांतों में है जहां 19 सड़क खंडों को पूरी तरह से बंद किया गया है। सड़क विभाग ने सार्वजनिक सूचना में इन क्षेत्रों में कई जगह पर भूस्खलन होने की आशंका को देखते हुए सड़कमार्ग बंद किए जाने की जानकारी दी है। अधिकारियों के अनुसार, कोशी में आठ और बागमती में 11 सड़क खंड को पूरी तरह से ब्लॉक किया गया है। इन सड़क खंडों से यात्रा करने वाले यात्रियों और वाहनों को वैकल्पिक मार्ग प्रयोग करने का सुझाव दिया गया है। शुक्रवार और शनिवार को लगातार बारिश ने देश भर के अधिकांश प्रमुख राजमार्गों को बाधित कर दिया है। नेपाल पुलिस के अनुसार पूर्व में मेची राजमार्ग से मिड-हिल और बीपी राजमार्ग तक, कई प्रमुख सड़क खंडों को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया गया है। पुलिस ने पुष्टि की कि मदन भंडारी राजमार्ग पर यातायात आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है और यह एकतरफा प्रणाली में काम कर रहा है। वर्तमान में, कोशी, सिद्धिचरन, मेची, मिड-हिल, पासंग ल्हामू, अरानिको, बीपी, कांति लोकपथ और कुलेखानी-सिसनेरी-दक्षिणकाली-काठमांडू सड़क खंड भूस्खलन और लगातार बारिश के कारण बाढ़ के कारण बंद हैं।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, 6 लोग मारे गए

कीव,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस ने यूक्रेन में पांच अक्टूबर की रात बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने फेसबुक पर लिखा कि रूस ने ल्वीव, इवानो-फ्रैंकिवस्क, ज़ापोरिज्जिया, चेर्निहिव, सूमी, खार्किव, खेरसॉन, ओडेसा और किरोवोहराद ओब्लास्ट को निशाना बनाकर लगभग 500 ड्रोन और 50 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इनमें किंजल बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं।

रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने हमलों की विभीषिका का जिक्र करते हुए अमेरिका और यूरोप से रूस को आकाश में युद्धविराम के लिए मजबूर करने का आह्वान किया। ज़ेलेंस्की ने कहा, इस हवाई आतंक को किसी भी तरह से निरर्थक बनाने के लिए अधिक सुरक्षा और सभी रक्षा समझौतों का पालन कराना जरूरी है। आकाश में एकतरफा युद्धविराम संभव है और यह वास्तविक कूटनीति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। दोपहर में राष्ट्र के नाम संबोधन में, जेलेंस्की ने कहा कि रूस पश्चिम पर हंस रहा है क्योंकि उसके सहयोगी इस हमले का कड़ा जवाब देने में नाकाम रहे हैं। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने एक्स पर लिखा कि रूस अपने असफल ग्रीष्मकालीन हमले को छिपाने के लिए यूक्रेनी नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, यूक्रेन की वायु रक्षा ने 478 लक्ष्यों को मार गिराया, जबकि आठ मिसाइलों और 57 ड्रोनों ने 20 स्थानों पर हमले किए। लविव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मैक्सिम कोजित्स्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि लविव ओब्लास्ट में चार लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। लविव क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय ने बताया कि चारों मृतक एक ही परिवार के थे, जिनमें एक 15 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के पूर्ण आक्रमण की शुरुआत के बाद से यह इस क्षेत्र पर सबसे बड़ा हमला है, जिसमें 140 ड्रोन और 23 क्रूज़ मिसाइलें दागी गईं। मेयर एंड्री सदोवी ने टेलीग्राम पर लिखा कि लविव शहर पर मिसाइल और ड्रोन हमले के दौरान एक औद्योगिक पार्क में आग लग गई। सदोवी ने कहा कि लविव के दो जिलों में बिजली नहीं है और हमले के कारण सार्वजनिक परिवहन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। गवर्नर इवान फेडोरोव ने टेलीग्राम पर लिखा कि जापोरिज्जिया शहर में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 घायल हो गए। फेडोरोव ने लिखा कि रूसी सेना ने जापोरिज्जिया में ड्रोन और हवाई बम दागे, जिससे एक औद्योगिक उद्यम और आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि एक प्रमुख ऊर्जा सुविधा भी क्षतिग्रस्त हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि सूमी और चेर्निहीव ओब्लास्ट में बिजली आपूर्ति अस्थिर बनी हुई है और हर घंटे बिजली कटौती का कार्यक्रम लागू है।

खबर है कि यूक्रेन और उसके यूरोपीय साझेदार हाल ही में हुए ड्रोन हमलों के बाद यूरोपीय संघ के पूर्वी हिस्से की सुरक्षा और यूक्रेन को अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करने में मदद करने के लिए एक ड्रोन दीवार वायु रक्षा योजना पर चर्चा कर रहे हैं। अगले दौर की वार्ता 15 अक्टूबर को ब्रुसेल्स में नाटो रक्षामंत्रियों की बैठक के दौरान होनी है। इसके बाद यूरोपीय संघ की भी बैठक होगी।

उधर, रूस की तास समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने पिछले 24 घंटों में डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की बस्तियों पर 10 हमले किए और कुल 11 गोला-बारूद दागे। इन घटनाओं में दो नागरिक बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए।

इजराइली हमलों में गाजा में 24 घंटों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा पट्टी। पिछले 24 घंटों में इजराइली सशस्त्र बलों के हमले कम से कम 65 फिलिस्तीनी मारे गए। इन हमलों में 153 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एन्क्लेव के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने टेलीग्राम चैनल पर दी। मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मारे गए गाजा निवासियों की कुल संख्या 67,139 तक पहुंच गई है और लगभग 170,000 घायल हुए हैं। रूस की समाचार एजेंसी तास के अनुसार, मंत्रालय ने यह भी बताया कि पिछले दिन भुखमरी से एक और मौत दर्ज की गई। भूख और कुपोषण से संबंधित जटिलताओं से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 460 हो गई है। इस संबंध में अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट में कहा गया कि इजराइली रक्षा बल युद्धविराम वार्ता जारी रहने के बावजूद फिलिस्तीनी क्षेत्र पर गोलाबारी कर रहे है। पिछले 48 घंटों में ही इजराइली वायु सेना ने पट्टी पर 130 से अधिक हवाई हमले किए हैं। इनमें इस क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र गाजा शहर और शरणार्थी शिविर भी शामिल हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव पर मिस्र की मध्यस्थता में हमास और इजराइल के बीच वार्ता शुरू होने वाली है। हमास का प्रतिनिधिमंडल मिस्र पहुंच चुका है। इस वार्ता पर पूरी दुनिया की निगाह टिकी हुई है।

पाक को फाइटर जेट इंजन देगा रूस, जानकार बोले - इससे भारत को होगा फायदा

मॉस्को,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हाल ही में खबरें आई की रूस पाकिस्तान को फाइटर जेट के इंजन देने जा रहा है तो दुनिया के कई देशों में हलचल शुरु हो गई। इधर भारत ने भी इस पर आपत्ति उठाई तो भाजपा विरोधी दल भी सवाल उठाने लगे। हालांकि यह भी सच है कि अभी तक अधिकृत तौर ऐसी कोई जानकारी नहीं है लेकिन रूसी जानकार दावा कर रहे हैं कि इससे भारत को ही फायदा होगा और उसे इसका विरोध नहीं करना चाहिए। रूसी रक्षा विशेषज्ञों ने इस कथित डील को भारत के लिए लाभदायक बताकर सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। उनका कहना है कि अगर रूस, पाकिस्तान को जेएफ-17 में लगाने के लिए आरडी-93 इंजन देता है, तो इससे भारत को फायदा होगा।

इस मामले पर एक विशेषज्ञ ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस मुद्दे को लेकर मॉस्को ने भारत को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मास्को ने नई दिल्ली को यह विश्वास दिलाया कि आरडी-93 सौदा बिना किसी तकनीकी हस्तांतरण (टीओटी) के पूरी तरह से व्यावसायिक है, जबकि भारत को तकनीकी हस्तांतरण (टीओटी) के तहत कहीं बेहतर आरडी-33 इंजन का लाइसेंस दिया गया है। इधर, एजेंसी से बात करते हुए मॉस्को के प्रिमाकोव इंस्टीट्यूट में दक्षिण-पूर्व एशिया में नई चुनौतियों के प्रोफेसर प्योत्र तोपीचकानोव ने इस डील को लेकर भारत सरकार की तरफ से की गई आलोचना को भी गलत ठहराया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यहां आलोचना उचित है। अगर रूस द्वारा जेएफ-17 के लिए इंजन उपलब्ध कराने की खबरें सही हैं, तो इससे भारत को वास्तव में दो तरह से लाभ होगा। उन्होंने कहा, सबसे पहले, यह दर्शाता है कि चीन और पाकिस्तान अभी तक रूसी इंजन को बदलने में कामयाब नहीं हुए हैं। दूसरे, नया विमान भारत के लिए परिचित और अनुमानित होगा, खासकर इसलिए क्योंकि दोनों एक ही इंजन साझा करते हैं और भारत ने मई 2025 के संकट (ऑपरेशन सिंदूर) के दौरान जेएफ-17 का उपयोग को देखा है। तोपीचकानोव ने कहा कि यह चीन में निर्मित जेएफ-17 फाइटर जेट के लिए दोनों देश रूसी आरडी-93 इंजन पर आश्रित हैं। जब भी मॉस्को की तरफ से पाकिस्तान को इन जेट इंजन को देने की बात आई है।

फ्रीजर में फंस गई महिला, डिलीवरी बॉय की सजगता ने बचाई जान

हुनान। चीन में एक डिलीवरी बॉय की सजगता और हिम्मत ने इंसानियत की मिसाल पेश की है। हुनान प्रांत में हुई इस घटना में उसने न सिर्फ एक महिला की जान बचाई बल्कि वह मालामाल भी हो गया। दरअसल, एक कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स कंपनी की मालकिन चेन अपनी ही कंपनी के फ्रीजर में फंस गईं और मौत के करीब पहुंच गईं थी। तभी वहां से गुजर रहे डिलीवरी बॉय लियू जू ने उसकी मदद की पुकार सुनी और बहादुरी दिखाते हुए उसकी जान बचा ली। महिला ने डिलीवरी बॉय को अपनी कंपनी के शेयर देकर किया मालामाल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चेन नाम की महिला फ्रीजर में सामान की छंटाई कर रही थी। उसने सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हुए दरवाज़ा पूरी तरह खोलकर काम करना शुरू किया, लेकिन अचानक दरवाज़ा लॉक हो गया और बैकअप स्विच भी काम नहीं आया। समस्या और गंभीर तब हो गई जब महिला गर्मियों के कपड़े पहने हुए थी और उसके पास फोन भी नहीं था। करीब 20 वर्ग मीटर के फ्रीजर का तापमान माइनस 20 डिग्री था। कुछ ही मिनटों में उसकी हालत बिगड़ने लगी। उसने शोर मचाकर मदद मांगी, मगर सुनने वाला कोई नहीं था।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट का वाशक के पटक इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा सड़क पर कब्जा

क्वेटा,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने वाशक के पटक इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा सड़क पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा वाशक जिले के ही बिस्माह इलाके में हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तान सेना के काफिले पर हमला किया है। अधिकारियों ने हमले में एक अधिकारी की मौत और एक वरिष्ठ अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

रिपोर्ट के अनुसार, फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि बीएलएफ की गुप्तचर शाखा ने पांच अक्टूबर को सुबह करीब 9:00 बजे वाशक के पटक इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा सड़क पर कब्जा कर लिया। इस दौरान पाकिस्तान की सेना ने भारी हथियारों से हमला किया। इस लड़ाई मे चार जवान मारे गए, जबकि एक अधिकारी समेत दो जवान घायल हो गए। सड़क पर कब्जा करने के बाद लड़ाके सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। प्रवक्ता ने कहा कि फ्रंट चार सैन्यकर्मियों की हत्या और दो अधिकारियों के घायल होने की जिम्मेदारी स्वीकार करता है।

वाशक जिले के ही बिस्माह इलाके की घटना के संदर्भ में प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने काफिले को निशाना बनाने के लिए स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। इलाके में काफी देर तक गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें सुनाई देती रहीं। अधिकारियों ने हमले में एक अधिकारी की मौत और एक वरिष्ठ अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है, हालांकि अपुष्ट स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक हो सकती है। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर हमले बढ़े हैं।

मिस्र के साथ ट्रंप के प्रस्ताव पर शर्म अल शेख में हमास और इजराइल के बीच वार्ता

काहिरा,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा युद्धविराम के प्रस्ताव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को शर्म अल शेख पहुंच चुका है। हमास और इजराइल दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्धविराम योजना के पहले चरण के क्रियान्वयन पर बातचीत करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में हमास और इजराइल के बीच कैदियों की अदला-बदली की व्यवस्था और हमास के हथियार सौंपने की प्रक्रिया शामिल होने की उम्मीद है। हमास के नेताओं से चर्चा के बाद मिस्र एक इजराइली प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अलग बैठक करेगा। दोनों वार्ताओं के परिणाम मध्य पूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को उनके मिस्र पहुंचने पर बताए जाएंगे। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों के बीच सोमवार को बातचीत होगी।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल मिस्र भेजा है। इजराइल के सामरिक मामलों के मंत्री और नेतन्याहू के करीबी सहयोगी रॉन डर्मर के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप स्थित शर्म अल शेख में वार्ता करेगा। हमास और इजराइल लगभग 24 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने और गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए 48 लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे। इस युद्ध में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा तबाह हो चुका है। गाजा पट्टी में अकाल पड़ा है।

इजराइल ने शनिवार को कहा कि उसने गाजा शहर पर कब्जा करने के लिए सभी सैन्य आक्रामक अभियान रोक दिए हैं और अपनी सेना को केवल रक्षात्मक अभियानों पर लगा दिया है। हालांकि, इससे पहले इजराइल के सैन्य प्रमुख इयाल जमीर ने उत्तरी गाजा पट्टी का दौरा किया और चेतावनी दी कि अगर आगामी अप्रत्यक्ष युद्धविराम वार्ता विफल हो जाती है तो सैन्य अभियान फिर से शुरू हो जाएंगे। जमीर ने नेत्जारिम कॉरिडोर के सबसे पश्चिमी बिंदु का दौरा किया। यह इजराइली सेना द्वारा उत्तरी और दक्षिणी गाजा को अलग करने के लिए स्थापित एक विभाजन रेखा है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने भी चेतावनी दी कि अगर हमास ने गाजा पट्टी में बंधकों को रिहा करने से इनकार कर दिया, तो गाजा पर इजराइली हमला तेज हो जाएगा। कैट्ज ने यरुशलम में शहीद सैनिकों के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, यदि हमास बंधकों को रिहा करने से इनकार करता है तो आरपार का युद्ध होगा। कैट्ज ने कहा कि इजराइली की सेना गाजा शहर के मध्य में सक्रिय है और किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। इस बीच मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब और कतर ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित युद्धविराम योजना की दिशा में हमास के कदमों का स्वागत किया। बयान के अनुसार, इन देशों के विदेशमंत्रियों ने गाजा में युद्ध समाप्त करने, सभी बंधकों, चाहे वे जीवित हों या मृत को रिहा करने और कार्यान्वयन तंत्र पर तत्काल बातचीत शुरू करने के ट्रंप के प्रस्ताव के संबंध में हमास द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया।

कश्मीर के पर्यटन में फिर से आ रही है तेजी

गुलमर्ग में मौसम की पहली बर्फबारी से पर्यटक आनंद में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 अक्टूबर।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में सोमवार को मौसम की हुई पहली बर्फबारी ने पर्यटकों को आनंद में ला दिया। बर्फबारी ने कंगमडोर के मनोरम घास के मैदान को मनमोहक सफेद चादर से ढंक दिया। सुबह-सुबह शुरू हुई हल्की से मध्यम बर्फबारी ने इस क्षेत्र में सर्दियों की शुरुआत का संकेत दिया।

गुलमर्ग के चीड़ के जंगलों, छतों और हरी-भरी ढलानों पर बर्फ की चादर बिछी हुई थी, जिसने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षित किया। घाटी के शीतकालीन वंडरलैंड में तब्दील होते ही पर्यटक तस्वीरें खींचते, बर्फ के आदमी बनाते और गर्म चाय और नाश्ते का आनंद लेते देखे गए। देश-विदेश से आए पर्यटकों ने गुलमर्ग में पहली बर्फबारी देखकर खुशी जताई। एक उत्साहित पर्यटक ने कहा कि पहली बार बर्फ देखना किसी सपने के सच होने जैसा है। गुलमर्ग जादुई लग रहा है। स्थानीय गाइड, होटल व्यवसायी और टट्टू मालिकों ने भी बर्फबारी का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सर्दियों के जल्दी आने से ज्यादा पर्यटक आएंगे और स्की सीजन से पहले स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

कंगमडोर और अफरावत चोटियों को जोड़ने वाली एशिया की सबसे ऊंची केबल कार गुलमर्ग गोंडोला मुख्य आकर्षण रही। गुलमर्ग जाने वाली सभी सड़कें खुली हैं, लेकिन फिसलन भरे रास्तों के कारण वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी गई है। शुरुआती बर्फबारी ने सर्दियों के मौसम के जीवंत होने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं, और साहसिक खेल संचालक आने वाले हफ्तों में स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग गतिविधियों की तैयारी कर रहे हैं। साल की पहली बर्फबारी के साथ, गुलमर्ग ने एक बार फिर कश्मीर का मुकुट होने का अपना खिताब पक्का कर लिया है, जहां हर बर्फ का टुकड़ा प्रकृति की कविता और हिमालय के आकर्षण में चार चांद लगा देता है।

गुरेज घाटी का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले राजदान दर्रे में सोमवार को फिर से बर्फबारी हुई, जिससे तापमान में अचानक गिरावट आई और उत्तरी कश्मीर के ऊंचे इलाकों में सर्दी का आगमन जल्दी हो गया। हल्की बर्फबारी के बावजूद, राजदान टॉप की पहाड़ी ढलानें सफेद रंग से रंग गईं, जिससे इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लग गए और साथ ही आने वाले कड़ाके की ठंड के मौसम की शुरुआत का संकेत भी मिला।

इस तरह कश्मीर के पर्यटन में फिर से तेजी आ रही है। पिछले दो महीनों के भीतर कश्मीर आने वाले विदेशी और देसी पर्यटकों की संख्या के देखते हुए ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो महीनों में 3,000 से ज्यादा देसी पर्यटक कश्मीर पहुंच चुके हैं। विदेशी पर्यटक एक बार फिर घाटी के दर्शनीय स्थलों, जैसे गुलमर्ग, पहलगाम, और शालीमार, निशात और चश्मा शाही जैसे मुगल उद्यानों के अलावा अन्य लोकप्रिय स्थलों की सैर कर रहे हैं। इस साल जनवरी से जून के दौरान 19,570 विदेशी पर्यटकों ने और इसी अवधि में 95 लाख से ज्यादा देसी पर्यटकों ने कश्मीर का भ्रमण किया।

टी राजा सिंह के खिलाफ फिर दर्ज हुई एफआईआर

प्रखर हिंदूवादी होने का भुगत रहे खामियाजा

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हैदराबाद के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ फिर मामला दर्ज किया गया है। राजा सिंह प्रखर हिंदूवादी होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। राजा सिंह पर फिर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मध्य प्रदेश के एक कार्यक्रम में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की थी।

हैदराबाद पुलिस का कहना है कि टी राजा सिंह की आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद शनिवार को शालीबंदा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

शिकायत के आधार पर राजा सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राजा सिंह प्रखर हिंदू नेता के रूप में देशभर में जाने जाते हैं। उन्हें अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। राजा सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर गोशामहल विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। गोशामहल क्षेत्र एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के संसदीय क्षेत्र में आता है। वकील से नेता बने राजा सिंह हरिसेवा उदासीन आश्रम परिसर में दुर्गा शक्ति अखाड़ा के नौवें स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए राजस्थान के भीलवाड़ा में थे। राजा सिंह ने कहा कि उन्होंने आंतरिक नेतृत्व की गलतियों के कारण पार्टी छोड़ी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि भविष्य में चुनावी मुकाबलों में उनकी रुचि नहीं है।

राजा सिंह ने कहा, अब मेरा लक्ष्य अपने भारत के हिंदुओं को सुरक्षित रखना है, जिसके लिए मैं अपनी बहनों और बेटियों की रक्षा के लिए हर राज्य में जाता हूं और हिंदू राष्ट्र के लिए हिंदू युवाओं को इकट्ठा करता हूं। तीन साल में मेरा विधायक कार्यकाल समाप्त होने के बाद मैं राजनीति छोड़ दूंगा और प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों का प्रचार जारी रखूंगा।

अग्रोहा धाम में विशाल वार्षिक मेला का मंगलवार को शुभारंभ

सिरसा, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अग्रोहा धाम में विशाल वार्षिक मेला 7 अक्तूबर को आयोजित किया जाएगा। इस मेले में हरियाणा पंजाब राजस्थान दिल्ली चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु पहुंचेंगे ।

उपरोक्त जानकारी देते हुए अग्रोहा विकास ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष अंजनी कनोडिया, जिलाध्यक्ष पुरुषोतम गोयल, प्रधान अनिल सर्राफ, महासचिव अश्वनी बंसल ने संयुक्त रूप से बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मुख्य संरक्षक अग्रोहा धाम डा. सुभाष चंद्रा व राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंगदास गर्ग शिरकत करेंगे। वहीं शुभ आशीर्वाद देने के लिए परम पूज्य महामंडलेश्वर महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी पहुंचेंगे। भजन सम्राट कन्हैया मित्तल अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

अंता विधानसभा उपचुनाव 11 नवम्बर को

21 अक्टूबर नामांकन की अंतिम तिथि

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग ने बारां जिले के विधानसभा क्षेत्र अंता (क्रमांक 193) में उपचुनाव की घोषणा कर दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अंता विधानसभा क्षेत्र में 11 नवम्बर 2025 (मंगलवार) को मतदान संपन्न होगा तथा 14 नवम्बर 2025 को मतगणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। 21 अक्टूबर 2025 नामांकन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 23 अक्टूबर को की जाएगी तथा 27 अक्टूबर 2025 तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे।

महाजन ने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। सभी राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं नागरिकों से आचार संहिता की पूर्ण पालना करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमें 1 लाख 16 हजार 405 पुरुष एवं 1 लाख 11 हजार 154 महिला और 4 अन्य मतदाता नामांकित है जो विधानसभा क्षेत्र में स्थापित 268 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

सनातन का अपमान नहीं सहेंगे कहते हुए वकील ने सीजेआई गवई पर की जूता फेंकने की कोशिश, आरोपी हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना तब घटी जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा मामलों की सुनवाई कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, वकील मंच के पास गया और अपना जूता निकालकर जज पर फेंकने की कोशिश की। हालाँकि, अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और वकील को बाहर निकाल दिया। बाहर निकलते समय वकील को यह कहते सुना गया कि सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा।

उन्होंने कहा इस सब से विचलित न हों। हम विचलित नहीं हैं। ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। यह घटना संभवतः खजुराहो में भगवान विष्णु की सात फुट ऊँची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना से संबंधित एक पूर्व मामले में मुख्य न्यायाधीश गवई की टिप्पणियों से प्रेरित थी। उस मामले को खारिज करते हुए उन्होंने कहा था जाओ और देवता से ही कुछ करने को कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो अभी जाकर प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और भारतीय पुरा-तत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अनुमति वगैरह देनी होगी।

इस टिप्पणी से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया था और कई लोगों ने मुख्य न्यायाधीश पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया था। दो दिन बाद खुली अदालत में इस विवाद पर बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि उनका कोई अनादर करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ... यह सब सोशल मीडिया पर हुआ। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश का समर्थन करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर अक्सर घटनाओं पर प्रतिक्रियाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है।

न्यायमूर्ति गवई पर हमला निंदनीय, इस तरह के कृत्य की समाज में कोई जगह नहीं : मोदी

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हमले को निंदनीय करार देते हुए कहा है कि इस तरह के कृत्यों की भारतीय समाज में कोई जगह नहीं है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बी आर गवई जी से बात की। सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले से हर भारतीय क्षुब्ध है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है।

मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाना संविधान पर हमला : सोनिया

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर उच्चतम न्यायालय परिसर में हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे संविधान पर हमला करार दिया है। श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां एक वक्तव्य में कहा भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर उच्चतम न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। उन्होंने न्यायमूर्ति गवई को नेक इंसान बताते हुए कहा कि वह बहुत सरल और दयालु स्वभाव के इंसान हैं, लेकिन उन पर हुमले के विरोध में राष्ट्र को पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ उनके साथ खड़ा होना चाहिए। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय में सोमवार सुबह एक असामान्य घटनाक्रम में वकील की पोशाक पहने एक व्यक्ति ने अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायमूर्ति गवई पर कथित रूप से कोई वस्तु फेंकने की कोशिश की।

अमृतसर पुलिस ने दो आतंकियों को किया गिरफ्तार

आईएसआई कनेक्शन का खुलासा

अमृतसर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चार हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं।

यह ग्रेनेड ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे गए थे। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी मनिंदर सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस ने बीते दिन एक ऑपरेशन के तहत रविंदर उर्फ रवि नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उसकी तलाशी के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए। पूछताछ में रविंदर ने खुलासा किया कि उसका साथी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी उर्फ मिल्खा भी इस साजिश में शामिल है।

इसके बाद पुलिस ने हरप्रीत को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से दो और हैंड ग्रेनेड मिले। एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि दोनों आरोपी आईएसआई से जुड़े विदेशी हैंडलरों के संपर्क में थे। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से ग्रेनेड की खेप भेजी गई थी, जिसे दोनों आरोपियों ने प्राप्त कर अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षित ठिकाने पर छिपा रखा था। योजना यह थी कि आगे इन्हें कुछ खास टारगेट्स दिए जाएंगे, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से यह साजिश सफल नहीं हो सकी।

उन्होंने आगे कहा कि यह ऑपरेशन त्यौहारों से पहले पंजाब में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश थी, जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया। एसएसपी मनिंदर सिंह ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क, विदेशी हैंडलरों और स्थानीय सहयोगियों की पहचान के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें (एसआईटी) गठित की गई हैं।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अमृतसर और आसपास के इलाकों में लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं, पंजाब पुलिस का कहना है कि पंजाब पुलिस प्रदेश में किसी भी आतंकी गतिविधि को सफल नहीं होने देगी। अमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

मुर्मू ने प्रदान किये राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 2022-23 के लिए माई भारत -राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किये।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 1993-94 में स्थापित यह पुरस्कार, समाज सेवा, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले देश के प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार मेरा भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से है और जिसका उद्देश्य स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। यह योजना 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी समारोह के दौरान शुरू की गई थी।

तमिलनाडु की पहचान पर हमला, स्टालिन बोले-

हिंदी थोपने और आरएसएस की मनुस्मृति सोच के खिलाफ है ये लड़ाई

चेन्नई, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को राज्यपाल आरएन रवि पर पलटवार करते हुए उन कई लड़ाइयों का ज़िक्र किया जो राज्य लड़ रहा है, संघीय अधिकारों की रक्षा से लेकर सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा तक। राज्यपाल रवि ने पहले टिप्पणी की थी कि उन्होंने राज्य भर की दीवारों पर 'तमिलनाडु पोरादुम' (तमिलनाडु लड़ेगा) जैसे नारे लिखे देखे थे और सवाल किया था। किससे लड़ें? कोई भी तमिलनाडु के खिलाफ नहीं लड़ रहा है। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि तमिलनाडु किसके खिलाफ लड़ रहा है? स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य अहंकार, कट्टरता और षड्यंत्रों के खिलाफ लड़ता है जो शिक्षा, समानता और लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। स्टालिन ने एक विस्तृत बयान में कहा कि यह उस अहंकार के खिलाफ है जो कहता है कि शिक्षा के लिए धन तभी दिया जाएगा जब हिंदी को स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने केंद्र पर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाले संस्थानों में हिंदी थोपने और अंधविश्वास फैलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को दबाने वाली लोकतंत्र-विरोधी ताकतों और संविधान की गरिमा को ठेस पहुँचाने वालों से लड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने राज्यपाल के अधिकारों के अतिक्रमण के खिलाफ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बार-बार अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। स्टालिन ने आगे आरोप लगाया कि धार्मिक कट्टरता से भरे चालाक समूह भारत की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने तमिलनाडु के उद्योगों और नौकरियों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करने के प्रयासों की चेतावनी दी। उन्होंने आरएसएस समर्थित दबंग कट्टरपंथियों पर भारतीय लोगों की एकता को तोड़ने और मनुस्मृति को फिर से स्थापित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने एनईईटी, परिसीमन और तिरुवल्लुवर तथा कीलाडी उत्खनन जैसे सांस्कृतिक प्रतीकों के कथित भगवाकरण जैसे मुद्दों का भी उदाहरण दिया, जिनका तमिलनाडु लगातार विरोध कर रहा है।

मंगलवार, 07 अक्टूबर, 2025
हैदराबाद
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जॉनर में - चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा - उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं।

अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन-बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने मानवता की सेवा में लगे लोगों से मिलकर जताई खुशी, कहा

आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं

बॉलीवुड और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक विशेष आयोजन में हिस्सा लिया, जिसकी झलक उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों में वह अपने पति और आयोजन में मौजूद लोगों के साथ नजर आ रही हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, इस आयोजन में मुझे प्राथमुसा के साथ काम करने वाले उन अद्भुत लोगों से मिलने का मौका मिला, जो मानवता की सेवा में लगे हैं। इस अनुभव ने मेरे दिल को सुकून दिया।

अभिनेत्री ने आयोजन की मेजबानी करने वाली रुकमणी और उनकी टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां हर दिन नई चुनौतियां आती हैं, आप जैसे लोग जो उम्मीद और मानवता पर भरोसा रखते हैं, हमें बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं।

प्रियंका ने सभी से हर दिन बेहतर करने की अपील की।

तस्वीरों में प्रियंका आयोजन की चमक-दमक और गर्मजोशी के बीच बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं।

इसी के साथ ही अभिनेत्री ने एक मजेदार वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें निक जोनस उनके बाल खोलने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं, जबकि प्रियंका इस पल को रिकॉर्ड करते हुए हंस रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस 'सिटाडेल-2', 'द ब्लफ', 'जजमेंट डे', और 'एसएसएमबी 29' में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी, और उम्मीदें जताई जा रही हैं कि प्रियंका 'कृष 4' में भी दिख सकती हैं।

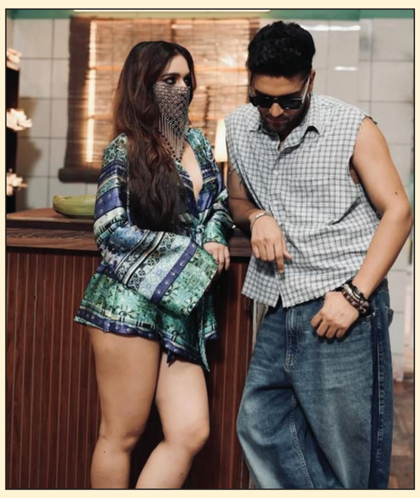

गुरु रंधावा का नया गाना 'पैन इंडिया' रिलीज, 'पार्टी एंथम' ने मचाई धूम

मशहूर पंजाबी सिंगर और रैपर गुरु रंधावा का गाना 'पैन इंडिया' सोमवार को रिलीज हो गया है। इस बात की जानकारी खुद सिंगर ने एक पोस्ट के जरिए दी। गुरु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर कर फैंस को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'पैन इंडिया' रिलीज हो गया है और इस बार पहले कहीं ज्यादा धमाल मचाने आया है जैसे कभी नहीं लगा। गाने को सीधा स्ट्रीम करें। हम पूरी इंडस्ट्री में धमाल मचाने आए हैं। आहसी ने बहुत बढ़िया काम किया है। टी-सीरीज के बैनर तले रिलीज हुआ यह गाना गुरु रंधावा की आवाज और गुरजीत गिल के बोल का शानदार मेल है। गाने की कोरियोग्राफी यश कदम ने की है, जिसने इस ट्रैक को और भी आकर्षक बना दिया।

'पैन इंडिया' का म्यूजिक, लिरिक्स और विजुअल्स का मिश्रण इसे एक परफेक्ट पार्टी एंथम बनाता है, जो न सिर्फ पंजाबी म्यूजिक प्रेमियों, बल्कि पूरे देश के संगीत फैंस को झूमने पर मजबूर कर देगा। गाने में आहसी नाम की डांसर के सिजलिंग डांस मूव्स और स्टाइलिश अंदाज ने सबका ध्यान खींचा है। उनके शानदार डांस स्टेप्स गाने को एक नए स्तर पर ले गए हैं। दूसरी ओर, गुरु रंधावा अपने चिर-परिचित स्टाइलिश लुक में नजर आए, जो फैंस को खूब भा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गाने में गुरु के साथ डांसर आहसी की पहचान छिपाई गई है। वहीं, इंस्टाग्राम पर भी उसका नाम बस अहसी है। डांस वीडियो में भी उन्होंने चेहरे पर मास्क पहना हुआ है, जिसने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस गाने की तारीफ के साथ-साथ इस डांसर की पहचान जानने के लिए भी बेताब हैं।

शनाया कपूर ने नहीं ली खुशी के साथ सेल्फी में दिलचस्पी

अभिनेत्री खुशी कपूर ने बताई मजेदार वजह

बॉलीवुड अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है। इसमें वह अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं, लेकिन मजेदार बात यह है कि शनाया इस फोटो में कोई दिलचस्पी लेती दिखाई नहीं दी, इसलिए यह फोटो खराब हो गई। खुशी कपूर ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करके बताया कि उनकी सबसे करीबी दोस्त शनाया कपूर ने ऐसा क्यों किया। इस मजेदार बातचीत की शुरुआत शनाया कपूर के इंस्टाग्राम पोस्ट से हुई। शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक समारोह की तीन तस्वीरें शेयर कीं। पहली दो तस्वीरों में शनाया अपनी मां महीप कपूर और भाई जहान कपूर के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

आखिरी तस्वीर में शनाया कैमरे से नजरें हटाते दिखाई दीं, जबकि खुशी उनके बगल में एक परफेक्ट पोज देते हुए मुस्कुरा रही हैं।

इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए खुशी कपूर ने बताया कि क्यों शनाया कपूर ने सेल्फी खराब कर दी। उन्होंने लिखा, तुम्हें मेरे साथ फोटो खिंचवाने से अधिक अपना डोसा खाने में दिलचस्पी है।

इस फोटो को खुशी कपूर ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भी शेयर किया है। दोनों बहुत अच्छी दोस्त हैं। अक्सर उन्हें कई पार्टीज में साथ हैंगआउट करते स्पॉट किया गया है।

फिल्मों की बात करें तो शनाया कपूर बहुत जल्द फिल्म 'तू या मै' में अभिनेता आदर्श गौरव के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। यह एक रोमांस और सर्वाइवल थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म को आनंद एल. राय, हिमांशु शर्मा, विनोद भानुशाली और कमलेश भानुशाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 के वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म का टीजर कुछ समय पहले मेकर्स ने शेयर करते हुए इस बात की जानकारी लोगों के साथ साझा की थी। फिल्म में गौरव और शनाया सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा, उनके पास 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा की एक फिल्म भी है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी, फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

शनाया कपूर को पिछली बार फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में देखा गया था। इसमें विक्रांत मैसी भी उनके साथ थे।

वहीं खुशी कपूर को पिछली बार फिल्म 'नादानियां' में देखा गया था। इसमें इब्राहिम अली खान, महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे सितारे थे।

मेरे लिए फैशन वह है जो आरामदायक हो : दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई में इन दिनों बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यंका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यंका ने कहा, 'नहीं, मैं ब्रैंड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीजें लेना पसंद करती हूं, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूं, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो।

उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यंका ने बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हां, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे वह सादा हो या शानदार।

दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं।

दिव्यांका को टीवी सीरियल 'बनू मैं तेरी दुल्हन' से प्रसिद्धि मिली। इसके बाद वो सीरियल 'ये है मोहब्बतें' में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में बस गईं। यह भारतीय टीवी सीरियल्स के लोकप्रिय पात्रों में से एक है। फैंस उन्हें प्यार से 'इशिमा' भी कहते हैं, जो शो में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी उन्हें कहकर बुलाती है।

दिव्यांका ने 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह कपल अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को फिटनेस और कपल गोल्स की प्रेरणा देता दिखाई देता है। यह कपल टीवी जगत की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

कल से 5 नवंबर तक चलेगा कार्तिक मास

कार्तिक मास में तुलसी और आंवले की पूजा से बढ़ती है समृद्धि

इस साल कार्तिक का महीना 8 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा। पुराणों में इस महीने को बहुत खास बताया गया है। हिन्दी पंचांग का आठवां महीना कार्तिक तीज-त्योहार के लिहाज से बहुत खास है। इस महीने में धन तेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ पूजा, देवउठनी एकादशी जैसे बड़े तीज-त्योहार रहते हैं। ये माह 5 नवंबर तक रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक मास में गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी, धनवंतरि, गोवर्धन पर्वत, छठ माता, सूर्य देव के साथ ही कार्तिकेय स्वामी की भी पूजा जरूर करनी चाहिए। कार्तिक मास सेहत के लिए बहुत ही खास माना गया है। इस महीने में शरद ऋतु शुरू होती है। दो बदलते मौसम के बीच का समय होने से इन दिनों सेहत संबंधी परेशानी भी होने लगती है। इसलिए कार्तिक मास में पूरा डेली रूटीन बदलने की बात ग्रंथों में कही गई है। इनमें खाने-पीने और सोने से जुड़े जरूरी नियम कहे गए है। जिनको अपनाने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र भी बढ़ती है। मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। इन दिनों में नदी स्नान की परंपरा है। काफी लोग नदी में दीपदान भी करते हैं। कार्तिक महीने का नाम कार्तिकेय स्वामी के नाम पर पड़ा है। इसके बारे में भगवान नारायण ने ब्रह्मा को, ब्रह्मा ने नारद जी को और उन्होंने महाराज पृथु को कार्तिक मास के बारे में बताया है। इस पवित्र महीने में 7 नियम प्रधान माने गए हैं, जिन्हें करने से शुभ फल मिलते हैं और हर मनोकामना पूरी हो सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दीपदान से कभी न खत्म होने वाला पुण्य

कार्तिक मास में सबसे खास काम दीपदान करना होता है। इस महीने में मंदिर, तुलसी, आंवले का पेड़, नदी, पोखर, कुए, बावड़ी और तालाब के किनारे दीपदान किया जाता है। इससे कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

खान-पान दें ध्यान

अभी ठंड शुरू हो जाएगी। इन दिनों में खान-पान में ऐसी चीजें शामिल करें, जो शरीर को ठंड से लड़ने की ताकत देती है। गर्म केसर वाला दूध पीएं। मौसमी फल खाएं। साथ ही, इस महीने में पहनावे पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे कपड़े पहनें, जिनसे शरीर पर बाहरी ठंड का जरूरत से अधिक असर न हो, वर्ना सर्दी-जुकाम जैसी मौसमी बीमारी हो सकती है। पुराणों में ये भी जिक्र है कि कार्तिक मास में जमीन पर सोना चाहिए। ऐसा करने से आलस्य और शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही इन दिनों में फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। तेल मालिश भी नहीं करना चाहिए। इन सब बातों का ध्यान रखने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र बढ़ती है। कार्तिक महीने में भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करने से बीमारियां दूर रहती हैं। उम्र भी बढ़ती है। इस पवित्र महीने में सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ या पवित्र नदियों के पानी में नहाना चाहिए। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से तीर्थ स्नान का पुण्य मिल जाता है। इस तरह नहाने से बीमारियां तो दूर होती हैं, जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप भी खत्म हो जाते हैं।

प्रकट हुए थे औषधियों के देवता

अश्विन महीने की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा पर देवताओं के वैद्य अश्विनी कुमारों और अमृत देने वाले चंद्रमा की पूजा होती है। ताकि कार्तिक महीने में सेहत संबंधी परेशानी न हो। इसके 12 दिन बाद औषधियों के जनक यानी धन्वंतरि की पूजा का दिन होता है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत का कलश और औषधियां लेकर प्रकट हुए थे। इनकी पूजा से आरोग्य और लंबी उम्र मिलती है।

संयम से बढ़ती है इच्छा शक्ति

कार्तिक मास के दौरान कम बोलना चाहिए। मन पर संयम रखें। किसी की बुराई न करें और विवादों से भी बचें। इन दिनों में ब्रह्मचर्य के नियम मानने चाहिए। ऐसा करने से इच्छा शक्ति मजबूत होती है और अंदरूनी ताकत बढ़ती है। कार्तिक महीने में सूर्योदय से पहले उठकर खाली पेट पानी के साथ तुलसी के कुछ पत्ते निगल लिए जाएं तो पूरे साल बीमारियों से बच सकते हैं। इन दिनों पित्त बहुत बढ़ता है। इसलिए कार्तिक महीने के दौरान बैंगन, मठ्ठा, करेला, फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। इनके अलावा जमीकंद यानी मूली, गाजर, गराडू, शकरकंद और अन्य तरह के कंद मूल खाना सेहत के लिए अच्छा रहता है।

नदी स्नान करने की है परंपरा

कार्तिक महीने में पवित्र नदियों में स्नान और दीप दान करने की परंपरा है। इसकी शुरुआत शरद पूर्णिमा से होती है। इसी वजह से कार्तिक माह में देशभर की सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी लोग पहुंचते हैं। स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। स्नान घाट पर ही जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करें।

जप और ध्यान के लिए कार्तिक मास

रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। जप करते हुए ध्यान करें। जिन लोगों का मन अशांत रहता है, उन लोगों को कार्तिक मास में जप और ध्यान जरूर करना चाहिए। ये समय जप और ध्यान के लिए वरदान की तरह है। इन दिनों में मौसम ऐसा रहता है, जिससे मन जल्दी एकाग्र हो जाता है और जप-ध्यान करने से अशांति दूर हो जाती है।

ध्यान करने के लिए किसी शांत और पवित्र स्थान का चयन करना चाहिए। इस माह में किया गया पूजा-पाठ साधक को पापों से मुक्ति प्रदान करता है। कार्तिक महीने में किसी पवित्र नदी में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करना शुभफलदायक होता है। यह स्नान अविवाहित या विवाहित महिलाएं समान रूप से कर सकती हैं। अगर आप पवित्र नदी तक जाने में असमर्थ हैं, तो घर पर स्नान के जल में गंगा जल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता है। कार्तिक मास में भगवान विष्णु के शालग्राम रूप की पूजा करने से महापुण्य मिलता है। इस महीने में तुलसी और आंवले के पेड़ की पूजा भी करने की परंपरा है। ऐसा करने से सुख-समृद्धि और आरोग्य मिलता है।

जरूर करें दान-पुण्य

इस महीने से शीत ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में जरूरतमंद लोगों को कंबल और ऊनी वस्त्रों का दान जरूर करें। कार्तिक मास में जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, ऊनी कपड़े का दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल करें। गायों के लिए धन का दान करें। इस महीने तुलसी, अन्न, गाय और आंवले का पौधा दान करने का विशेष महत्व होता है। जो देवालय में, नदी के किनारे, सड़क पर या जहां सोते हैं वहां पर दीपदान करता है उसे सर्वतोमुखी लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। यानी हर तरफ से लक्ष्मी की कृपा मिलती है। जो मंदिर में दीप जलाता है उसे विष्णु लोक में जगह मिलती है। जो दुर्गम जगह दीप दान करता है वह कभी नरक में नहीं जाता, ऐसी मान्यता है। इस महीने में केले के फल का तथा कंबल का दान अत्यंत श्रेष्ठ है। सुबह जल्दी भगवान विष्णु की पूजा और रात्रि में आकाश दीप का दान करना चाहिए।

कार्तिक मास में हुआ था तारकासुर वध

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस महीने में शिव पुत्र कार्तिकेय ने दैत्य तारकासुर का वध किया था। कथा के अनुसार तारकासुर, वज्रांग दैत्य का पुत्र और असुरों का राजा था। देवताओं को जीतने के लिए उसने शिवजी की तपस्या की। उसने असुरों पर आधिपत्य और खुद के शिवपुत्र के अलावा अन्य किसी से न मारे जा सकने का महादेव का वरदान मांगा था। देवताओं ने ब्रह्मा जी को बताया कि तारकासुर का अंत शिव पुत्र से ही होगा। देवताओं ने शिव-पार्वती का विवाह करवाया और उनसे कार्तिकेय (स्कंद) की उत्पत्ति हुई। स्कंद को देवताओं ने अपना सेनापति बनाया और लड़ाई में तारकासुर मारा हुआ। स्कंद पुराण के अनुसार शिव पुत्र कार्तिकेय का पालन कृतिकाओं ने किया इसलिए उनका कार्तिकेय नाम पड़ गया।

10 अक्टूबर 2025- करवा चौथ
13 अक्टूबर 2025 - अहोई अष्टमी
17 अक्टूबर 2025 - रमा एकादशी/गोवत्स द्वादशी
18 अक्टूबर 2025 - धनतेरस/यम प्रीत्यर्थ दीपदान
19 अक्टूबर 2025-हनुमान जयंती
20 अक्टूबर 2025 - नरक चतुर्दशी
20 अक्तूबर 205- दीपावली
21 अक्टूबर 2025- कार्तिक अमावस्या
22 अक्टूबर 2025 - अन्नकूट व गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर 2025 - भाई दूज (यम द्वितीया)
27 अक्टूबर 2025 - छठ महापर्व
31 अक्टूबर 2025 - अक्षय कूष्माण्ड नवमी
1 नवंबर 2025 - देवउठनी एकादशी
5 नवंबर 2025 - कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली

गुरु-चंद्रमा बना रहे गजकेसरी राजयोग, कर्क मीन सहित अन्य राशियों को होगा धन लाभ

आज यानी 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार को गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। गजकेसरी राजयोग के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को धन, संपत्ति और मान-सम्मान प्राप्त होता है। यह योग कर्क, वृश्चिक और मीन राशियों के लिए विशेष लाभदायक रहता है। कर्क राशि के जातकों का पारिवारिक माहौल पक्ष में रहेगा और आर्थिक मामलों में स्थिरता देखने को मिलेगी। जबकि वृश्चिक वालों को इस दौरान मुनाफे के अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, मीन राशि वालों के अटके हुए काम पूरे होंगे।

मेष : काम प्रभावित हो सकता है

मेष राशि के जातकों के लिए यह परीक्षा का समय चल रहा है। इसलिए आपको अपने कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आज जरूरत है। दिन भर आलस का माहौल बना रह सकता है, जिससे काम प्रभावित हो सकता है। किसी छोटी-मोटी परेशानी की वजह से आपका मूड बिगाड़ सकता है। शाम के समय घर के सदस्यों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। अनावश्यक विवादों से खुद को दूर रखने की कोशिश करें और अपने गुस्से पर कंट्रोल रखें।

वृष : कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं

आज के दिन वृष राशि के जातक अपने काम में काफी व्यस्त रह सकते है। कामकाज में व्यस्तता के बावजूद शाम तक कुछ अच्छी खबरें मिल सकती है। प्रोफेशनल मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की कोशिश करें। इससे भविष्य में होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में आज फायदा होता दिख रहा है। ऑफिस में मेहनत का फल मिलने की संभावना है। आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ रहेगा और पुराने कार्यों से लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन : मेहनत का फल मिलेगा

मिथुन राशि के जातकों का आज का दिन उत्साह और रोमांच से भरा रहने वाला है। दोपहर तक कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए यह समय ध्यान केंद्रित करने का है। मेहनत का फल मिलता हुआ दिख रहा है। व्यापारियों के लिए अपने व्यापार में नई तकनीक अपनाना लाभदायक साबित होगा। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए भी दिन शुभ है।

कर्क : आर्थिक मामलों में स्थिरता रहेगी

आज का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए खास साबित हो सकता है। आज आपके लिए बेहतर होगा कि किसी एक ही प्रोजेक्ट पर मन लगाकर काम करें। जोखिम वाले कामों से आज के दिन दूरी बनाकर रखें। परिवार का माहौल आपके पक्ष में रहेगा और आपके विरोधी आज शांत रहेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से लाभ मिल सकता है।

सिंह : करियर में प्रगति के संकेत

सिंह राशि वालों का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी नए प्रोजेक्ट या आइडिया पर काम करना आपके लिए लाभकारी साबित होगा। रिश्तेदारों से साथ लंबे समय से चल रहे मतभेद को खत्म करने का ये सही समय है। दोस्तों के साथ समय गुजारने से आपको लाभ हो सकता है। वहीं, परिवार में कुछ मतभेद भी उभरते दिख रहे हैं। ऐसे में आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है। करियर के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं।

कन्या : पुरानी परेशानियां कम होंगी

आज कन्या राशि के लोगों का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। दिल की बजाय आज आपको अपने दिमाग से काम लेने की जरूरत है। सोच समझकर लिए गए फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आपके जीवन में चल रही पुरानी परेशानियां धीरे-धीरे कम होंगी। दूसरों की मदद करने से आपको लाभ हो सकता है। आज ईमानदारी से किया गया हर काम फलदायी साबित होगा। कोई नया अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा।

तुला : सेहत के प्रति लापरवाही न करें

तुला राशि के जातकों को आज दिन की शुरुआत में ही कोई शुभ समाचार मिल सकता है। ऑफिस में टीम के सहयोग से कार्यों में तेजी आएगी। हालांकि, व्यापार और लेनदेन के मामलों में आपको सतर्क रहना होगा। सेहत के प्रति लापरवाही न करें। प्रेम संबंधों के लिए दिन शुभ रहेगा और जीवनसाथी के साथ रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। आज के दिन आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक : मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा

आज का दिन वृश्चिक राशि वालों का मेहनत और उपलब्धियों से भरा रहने वाला। सुबह के समय काम का दबाव झेलना पड़ सकता है। हालांकि, देर शाम तक मुनाफे के अवसर भी आपको प्राप्त होंगे। सामाजिक आयोजनों में भी शामिल होने का मौका मिल सकता है। किसी पार्टी या समारोह में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपके पुराने कार्यों से भी राहत मिल सकती है। मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा।

धनु : छोटे विवाद बड़े रूप ले सकते हैं

धनु राशि के जातकों का आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। ऑफिस में अनावश्यक बहस से दूर रहने में ही आपकी भलाई है। कार्यक्षेत्र में छोटे विवाद बड़े रूप ले सकते हैं। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी हो सकती हैं। आज के दिन किसी किसी प्रकार की जीत मिलने की संभावना है। फाइनेंस संबंधी मामलों में अनुभवी लोगों की सलाह लाभ का कारण बनेगी।

मकर : व्यवहार पर नियंत्रण रखें

आज मकर राशि के जातकों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आपको अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा। छोटी सी बात पर विवाद खड़ा हो सकता है। आज के दिन आपके कामकाज में स्थिति मजबूत रहेगी और व्यापार में लाभ की संभावना है। विवाह या प्रेम संबंधों में सामंजस्य बढ़ेगा। आज कई काम एक साथ पूरे करने का मौका मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और आर्थिक मामलों में स्थिरता देखने को मिलेगी।

कुंभ : सामाजिक संबंध मजबूत होंगे

आज के दिन टीमवर्क से जुड़े कामों को करने से आपको सफलता मिलेगी। ऑफिस में साथियों के सहयोग से काम समय पर पूरे होंगे। बातचीत से कोई नया व्यावसायिक विचार सामने आ सकता है। इस दौरान सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। दोस्तों के लिए गिफ्ट खरीदते समय बजट का ध्यान रखें। किसी यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन : पुराने काम धीरे-धीरे पूरे होंगे

मीन राशि के जातकों का आज का दिन धीमी गति से आगे बढ़ेगा। धैर्य और निरंतर प्रयास से आपको सफलता मिलेगी। लंबे समय से अटके कुछ पुराने काम अब धीरे-धीरे पूरे होंगे। आज के दिन आपको अपने खर्चों पर कंट्रोल करना होगा। घर पर परिवार के साथ समय बिताना आपके लिए बेहतर रहेगा।

विवाह रेखा आपकी शादी के बारे में खोलती है ये बड़े राज

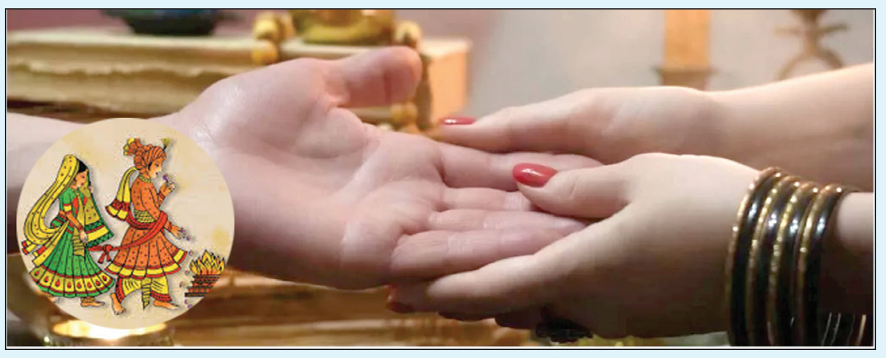

ज्योतिषशास्त्र के प्रकार ही हस्तरेखा शास्त्र का भी बेहद खास महत्व होता है। इसमें मनुष्य की हाथ की रेखाओं और पर्वतों को देखकर उसके स्वभाव, जीवन व भविष्य के बारे में जाना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र में हृदय रेखा, भाग्य रेखा, जीवन रेखा आदि का वर्णन मिलता है। इन्हीं में से एक है विवाह रेखा जिसे देखकर आप अपनी शादी के बारे में कई बड़ी बातें जान सकते हैं। यह रेखा हथेली में छोटी उंगली के नीचे और हृदय रेखा के ऊपर मौजूद होती है। इससे शादी के बारे में मनुष्य को कई छोटे-बड़े संकेत मिल सकते हैं।

लंबी और सीधी विवाह रेखा का रहस्य

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली पर एक लंबी और सीधी विवाह रेखा के मौजूद होने का अर्थ होता है कि विवाह के बाद आपके रिश्ते में तालमेल बना रह सकता है। विवाह रेखा का गहरा होना इस बात का संकेत होता है कि आपका वैवाहिक जीवन खुशहाली और प्रेम से भरपूर रहेगा। साथ ही, आपको भरोसेमंद और सहयोगी जीवनसाथी मिलेगा। शादी के बाद आप दोनों ही रिश्ते को हमेशा अटूट और मजबूत बनाए रखने के लिए प्रयास करते हैं। साथ ही, हर चुनौती का एक साथ सामना कर सकते हैं।

ऐसी विवाह रेखा वाले शादी को लेकर रहते हैं सतर्क

माना जाता है कि जिन लोगों के हाथ पर विवाह रेखा ज्यादा लंबी नहीं होती है वे अपनी शादी और रिश्तों को लेकर सोच-समझकर फैसला लेना पसंद करते हैं। ऐसे लोग काफी संयमित और सतर्क रहते हैं। इन्हें अपने रिश्तों और विवाह में फैसले जल्दबाजी में लेना पसंद नहीं होता है। छोटी विवाह रेखा यह भी संकेत देती है कि आपके लाइफ में रोमांस और सहानुभूति की भावना थोड़ी कम हो सकती है।

ऐसी लाइन होने पर शादी होती है सफल

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर हथेली पर केवल एक विवाह रेखा गहरी बनी हुई हो, तो यह संकेत देती है कि आपको एक वफादार जीवनसाथी मिलेगा और आप उनके साथ हमेशा खुश रहेंगे। इस रेखा का अर्थ माना जाता है कि आपका विवाह सफल रहेगा और लंबे समय तक चलेगा। ऐसे लोगों को जीवनसाथी बहुत साथ देना वाला मिलता है और शादी के बाद इनका रिश्ता हमेशा मजबूत भी बना रह सकता है।

बाधाओं और कठिनाइयों को दर्शाती है ऐसी विवाह रेखा

अगर किसी व्यक्ति के हाथ पर विवाह रेखा टूटी हुई हो तो यह संकेत देती है कि आपको वैवाहिक जीवन में कुछ कठिनाइयों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ अक्सर मतभेद हो सकते हैं। ऐसे में रिश्ता मजबूत बनाए रखने के लिए दोनों को ही प्रयास करने पड़ सकते हैं। टूटी हुई रेखा यह भी संकेत देती है कि चुनौतियों के साथ-साथ खुशनुमा पल भी आपके जीवन में आते रह सकते हैं।

ऐसी रेखा होने पर वैवाहिक जीवन रहता है सुखी

हथेली पर विवाह रेखा अगर ऊपर की तरफ मुड़ी हुई हो तो यह संकेत देती है कि आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहने वाला है। साथ ही, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनता है और दोनों के जीवन में सदैव सकरात्मकता बनी रहती है। आप दोनों ही एक दूसरे का सहयोग और समर्थन करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसी विवाह रेखा एक सफल शादी का संकेत देती है।

हथेली में दो विवाह रेखा होने का मतलब

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर हथेली में दो विवाह रेखा एक बराबर लंबाई वाली मौजूद हों तो यह संकेत देती है कि आपका किसी के साथ बेहद गहरा रिश्ता बन सकता है। लेकिन किसी कारणवश विवाह नहीं हो पाता। ऐसे में कुछ समय बाद किसी और से शादी करनी पड़ सकती है। यह रेखा शादी से जुड़े केवल कुछ संकेत देती है। सटीकता के लिए हस्तरेखा शास्त्र में कई और चीजों को भी देखा जाता है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निर्माता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के लिए आपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीड़ितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए। अन्यथा, ऐसी हर त्रासदी जन-विश्वास को कमजोर करती है- जो किसी भी दवा में सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन–स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है।

कुछ अलग

जीवन परिवर्तन और सामाजिक चेतना के प्रेरक प्रसंग

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि का जीवन रूपांतरण की एक ऐसी मिसाल है, जो हर किसी को पौरुष के बल पर स्वयं को किसी भी हद तक ऊपर उठाने की प्रेरणा देता है। पहले उनका नाम रत्नाकर था। किंतु एक दिव्य प्रेरणा के चलते उन्होंने ईश्वर की तपस्या का कठिन मार्ग अपनाया और अपने समूचे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया। उनका यह बदलाव दुनिया के हर इंसान के लिए सहज प्रेरणा है कि मनुष्य अपने कर्मों और दृढ़ मान्यताओं से स्वयं में किसी हद तक सुधार कर सकता है। रामायण के रचयिता, संस्कृत साहित्य के आदिकवि वाल्मीकि वह महारथी हैं, जिन्होंने हिंदू धर्म और संस्कृति को कर्तव्य, नैतिकता, अनुशासन और आदर्श की शिक्षाएं दी हैं। उनका जन्मदिन या प्रकट दिवस धार्मिक के साथ-साथ बहुत अधिक सामाजिक महत्व भी रखता है।

देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में 6 गुना अधिक

अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई

डा. जयंती लाल भंडारी

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी दुनिया में भारत के अरबपतियों की संख्या भी सबसे तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर यद्यपि दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक अक्टूबर को प्रकाशित एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 9.55 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं, जबकि गौतम अडानी 8.15 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची के इतिहास में पहली बार कोई महिला शीर्ष तीन में जगह बनाने में कामयाब रही हैं।

यकीनन इस समय जहां एक ओर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी दुनिया में भारत के अरबपतियों की संख्या भी सबसे तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर यद्यपि दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक अक्टूबर को प्रकाशित एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 9.55 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं, जबकि गौतम अडानी 8.15 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची के इतिहास में पहली बार कोई महिला शीर्ष तीन में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। वह महिला हैं, रोशनी नादर मल्होत्रा। उनके और उनके परिवार की संपत्ति का आकार 2.84 लाख करोड़ रुपए है। यह महत्वपूर्ण बात है कि 2025 की सूची भारत के अरबपति समुदाय में विस्तार का प्रतीक है। देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में 6 गुना अधिक हैं। इस सूची के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। इस सूची में शामिल सभी लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपए है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। यह भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। यह बात महत्वपूर्ण है कि पिछले दो वर्षों में भारत में औसतन हर सप्ताह एक नया अरबपति बना है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपए की दर से संपत्ति अर्जित की है। ऐसे में भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हरसंभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा। पूरी दुनिया ने हाल ही में यह भी देखा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमेरिका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दिए हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों गरीब किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़ा रहा। यह भारत सरकार का गरीबों के रोजगार हित में बड़ा कदम है। निःसंदेह भारत में गरीबी में कमी लाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जाने से गरीबी में बहुत तेजी से कमी आ रही है। पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में

पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं, उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढ़ाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है। साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रस्तुत करता है। खासतौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से मुफ्त खाद्यान्न वितरित करते हुए उनकी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत गरीबों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। गरीबों के सशक्तिकरण से संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है। इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब आर्थिक विकास और नई तकनीकों का उपयोग गरीबों के हित में किया जाना जरूरी है। अब कर सुधारों का लाभ गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार हैं। इन दिनों नए सुधारों और नई कर व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी। ऐसे में कई परिवारों को अपनी आजीविका कमाने और युवाओं के लिए नौकरी के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इससे देश के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी। चूंकि अब देश का लक्ष्य 2047 में आम आदमी की खुशहाली के साथ देश को विकसित भारत बनाना सुनिश्चित किया गया है, इस लक्ष्य को पाने के लिए कई बातों पर रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढ़ना होगा। हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा। यद्यपि इसी वर्ष 2025 में भारत 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोडक़र दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत की तुलना में लगभग 11.8 गुना अधिक है। ऐसे में अभी हमें देश में गांवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊंचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। निःसंदेह अब गरीबों के रोजगार और गरीबों की आमदनी बढ़ाने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को उनके लिए वरदान बनाना होगा। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए सीधे मदद और प्रक्रियाओं के माध्यम से मदद, दोनों ही डगर पर आगे बढ़ना होगा जिससे उनके व्यापक ढांचे में लचीलापन मिल सकेगा और उनके अनुपालन लागत में भी कमी आएगी। सरकार के द्वारा एमएसएमई के कारोबार करने को आसान बनाने और घरेलू खपत को बढ़ाने के तरीकों पर नए सिरे से आगे बढ़ना होगा। नई सप्लाई चेन और नए बाजारों की तलाश की जानी होगी। विदेशों में वेयरहाउसिंग की सुविधा और वैश्विक ब्रांडिंग पहल से भी एमएसएमई के निर्यात का बाजार बढ़ाना होगा।

देश दुनिया से

नियति के प्रवाह संग बहने से ही जीवन उत्सव

भारतीय जीवन दर्शन की परंपरा में जीवन की नश्वरता के यथार्थ को गंभीरता के साथ स्वीकार किया गया है। हमें बताया गया है कि यदि जन्म और मृत्यु पर जब हमारा नियंत्रण नहीं है तो इसके बीच घटने वाले घटनाक्रम पर दंभ कैसा? संत कबीर भी देह की क्षण भंगुरता को कुछ इन शब्दों में अभिव्यक्त करते हैं—'पानी केरा बुदबुदा अस मानुस की जात/ देखत ही छिप जाएगा, ज्यों तारा परभात॥ अर्थात् मनुष्य का जीवन पानी के बुलबुले की तरह है जो पल भर में बनता और नष्ट हो जाता है। यह देह भी उसी तरह क्षणभंगुर है। एक दिन वैसे ही विलीन हो जाएगी, जैसे सुबह होते ही आकाश के तारे छिप जाते हैं। इस दोहे के माध्यम से कबीर यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपने धन-दौलत और दूसरे भौतिक सुखों पर कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। जब शरीर ही अपना नहीं है और एक दिन नष्ट हो जाना है तो सांसारिक वस्तुओं और उपलब्धियों पर गर्व करना मूर्खता है। जीवन के अनुभवों से तपा हुआ निष्कर्ष है कि 'इंसान बहुत पैसा कमा व नाम कमा ले' ये सब बाहरी चीजें हैं। जो चीज बाहर से आती है वो छीनी जा सकती हैं। फिर उसका क्या गुमान? ये सोचकर सरलता आती है कि जो पाया है वो यहीं रह जाना है। विडंबना यही है कि इस शाश्वत को जानते हुए भी मनुष्य सदियों से अज्ञान की गलियों में भटक रहा है। 'नश्वरता' का बोध भारतीय चिंतन की गहन धारा में विद्यमान है। इसी चिंतन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन को इस प्रकार समझाया—'वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि। तथा शरीराणि विहाय जीर्णा-न्यन्यानि संयाति नवानि देही॥' अर्थात् जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर दूसरे नए वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही जीवात्मा पुराने शरीर को त्याग कर नए शरीर को ग्रहण करती है। यह श्लोक अस्तित्व की सबसे बड़ी सच्चाई है। जब इस शरीर को ही एक दिन पुराने वस्त्र की भांति त्यागना है, तो फिर इस वस्त्र पर लगे चमकीले सितारों-धन, कीर्ति, पद प्रतिष्ठा का क्या अहंकार करना। बाहरी उपलब्धियां तो क्षणभंगुर हैं जो शरीर रूपी वस्त्र के छूटने के साथ ही समाप्त हो जाती हैं। अगर नश्वरता का यह बोध हो जाए तो फिर अहंकार पिघल कर सहजता और सरलता में बदल जाता है। इस मायावी जगत में मनुष्य का सबसे बड़ा भ्रम 'मेरे' की भावना है। 'मेरा घर', 'मेरी गाड़ी', 'मेरा पद'—इस 'मेरा-तेरा' के भ्रम में फंसकर

मनुष्य जीवनपर्यंत परेशान रहता है। 'ईशावास्योपनिषद्' (शुक्ल यजुर्वेद) का पहला ही मंत्र इस 'मेरे' के भ्रम को तोड़ता है—

**'ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्॥'**

इस श्लोक में बताया गया है कि इस सम्पूर्ण जगत में जो कुछ भी चेतन या जड़ है, वह सब परमात्मा से ओत-प्रोत है। इसलिए मनुष्य को त्याग की भावना से उनका उपयोग और उपभोग करना चाहिए। किसी के धन की लालसा नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह वास्तव में किसी का नहीं। इस जगत में न तो कुछ अपना है और न ही स्थाई। यह मंत्र हमे 'स्वामी' होने के दंभ से मुक्त करता है और 'संरक्षक' होने की विनम्रता सिखाता है। सच्चाई यही है कि हम इस दुनिया में किसी वस्तु के मालिक नहीं, बस केवल संरक्षक हैं। यहां हमें कुछ समय के लिए कुछ चीजों का उपयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है, अगर एक बार यह दृष्टि विकसित हो गई तो व्यक्ति संग्रह की प्रवृत्ति को छोड़कर त्याग करना सीख जाता है। फलस्वरूप उसके व्यवहार में अहंकार के स्थान पर विनम्रता, कृतज्ञता, सहजता और सरलता आ जाती है। सहज और सरल जीवन जीने के लिए महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में दो महत्वपूर्ण सूत्र दिए हैं—एक अष्टांग योग में यम के अंतर्गत आने वाला 'अपरिग्रह' है और दूसरा नियम के अंतर्गत 'संतोष'। अपरिग्रह का अर्थ है—आवश्यकता से अधिक धन संग्रह न करना। अपरिग्रह हमे सिखाता है कि हम वस्तुओं के प्रति आसक्ति न रखें। यह एक गहन आंतरिक भाव है जो 'मेरे' के भ्रम पर सीधी चोट करता है। संतोष से व्यक्ति वर्तमान में जो है, जैसा भी है उसमे संतुष्ट रहता है। पतंजलि कहते हैं—'संतोषादनुत्तमः सुखलाभ।' अर्थात् संतोष से परमसुख की प्राप्ति होती है। अब चाहे गीता का निष्काम कर्म हो, उपनिषदों का त्याग भाव या पतंजलि का संतोष और अपरिग्रह। कुल मिलाकर देखें तो ये सभी सूत्र हमें एक ही दिशा में ले जाते हैं—'जीवन को अधिक सहजता से लेना।' यह गहन धार्मिक समझ अंग्रेजी की इस उक्ति में सिमट जाती है—'टेक लाइफ ईजी ऐज़ इट कम्स' अर्थात् जीवन को सहज भाव से जीना चाहिए। यानी वह जैसा भी है उसे उसी सहजता से स्वीकार कर लेना चाहिए। सहज भाव संतोष और स्वीकृति का शिखर होता है। इस भाव में न तो मन में कोई गांठ होती, न किसी से कोई शिकायत। बस जो भी हो रहा है उसके प्रति सहज साक्षी भाव होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हम इस संसार के विराट नाटक के एक पात्र मात्र हैं, इसलिए नियति के प्रवाह के साथ बहना सीखें। जब हम जीवन को सहज भाव से लेने लगते हैं तो हर क्षण एक उत्सव होता है। फिर अंतर्मन सहजता, सरलता से भर उठता है।

आप का नजरिया

तो भूटान से सीख लें

हिमाचल को बेहतर बनाने, आर्थिकी का परचम फहराने और विजन के लिए नए गेट खोलने के लिए कई तरह के प्रयोग होते रहे हैं। इसी दृष्टि से राज्य से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्राएं होती रहीं या इन्हीं के परिप्रेक्ष्य में नए कदम उठाए जा रहे हैं। पिछली जयराम सरकार का मिशन इन्वेस्टमेंट काफी घूमता रहा। मनाली-पालमपुर के शहरी विकास के लिए एक बार उच्च पदस्थ अधिकारी विदेश घूमते देखे गए, तो कमोबेश हर विभाग के पास विदेश से सीख कर आने का मसौदा हमेशा रहता है। ऐसे में हिमाचल को अगर कुछ नया करना हो तो कौन सा मॉडल अपनाना होगा। हमें दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मिली थीं, लेकिन राजनीति ने अपने कर कमलों से ऐसा सब कुछ किया कि यह तखल्लुस भी काम न आया। न अधिकारी चले, न अधिकार काम आए। कुछ बड़ी परियोजनाओं के संकल्प बने भी तो उनका हश्र मनाली स्की विलेज की तरह हो गया। ऐसे में हमारे नेताओं और अधिकारियों को भूटान का मॉडल अपनाना होगा। बेहतर होगा हिमाचल के मंत्री व अधिकारी भूटान से सीखें कि कैसे 38394 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैले इस देश ने खुद के परिचय को परचम बनाया। हिमाचल के 55658 वर्ग किमी. में से 37033 वर्ग किमी. वन क्षेत्र घटा चुका है। यह दीगर है कि भूटान में भी साठ फीसदी जंगल हैं, लेकिन इनके साये में पर्यटन उगता है। भूटान का नाम आते ही पर्यटन की मंजिलें स्वागत कक्ष में बदल जाती हैं। हम ऐसी ही अपनी खासियत को अनुशासनहीनता में खो रहे हैं या विकास की अफरातफरी में दिशाएं अलग और मंजिलें अलग देख रहे हैं। भूटान में सरकार और नागरिक एक ही आधार पर कत्तव्यपरायणता का उदाहरण बन जाते हैं, लेकिन हम यहां सियासी प्राथमिकताओं के कारण बिखर रहे हैं। भूटान की खासियत उसकी पहचान है यानी गंतव्य का नाम लेते ही अनुशासित आचरण, सधी हुई रूपरेखा और मकसद नजर आता है। संसाधनों का आबंटन और राष्ट्र की क्रियाशीलता का प्रकटीकरण जब जीवन की गुणवत्ता और खुशियों का आधार बढ़ा देता है, तब तरक्की के फलक स्थायी होते हैं। हमें तो यह पता नहीं कि हम उगाएं क्या और खाएं क्या। हिमाचल अगर बंजर होती जमीनों को बंदरों से बचा ले या किसान की आत्मनिर्भरता का अनुसंधान कृषि विश्वविद्यालय में कर ले, तो भी आर्थिकी का आत्मविश्वास बढ़ जाएगा। हम विकास के ढांचे को बड़ा करने के लिए विदेश के दौरे करते हैं, लेकिन यह गौर नहीं करते कि सार्वजनिक संपदा का सही इस्तेमाल कैसे करें। हम सामूहिक रूप से एक चरित्र नहीं हैं, हम पहचान में हिमाचली आचरण नहीं। हम बोलियों के मठाधीश, क्षेत्रवाद के मुरीद, ऊपरी पहुंच में शरीक और सियासत के फकीर बन कर जी रहे हैं। भूटान में ट्रैफिक नियंत्रण नहीं, ट्रैफिक नियमों पर चलने का अनुशासन जनता जानती है। नशे से दूर रहने की तरकीब भूटान जानता है, लेकिन हम तो आय बढ़ाने के लिए शराब के छबील लगाना जानते हैं। आश्चर्य होता है कि हिमाचल का पर्यटन अपनी राजधानी खोजता है या हम इसके मायनों को पांच करोड़ सैलानियों की आमद में देखते हैं। भूटान पर्यटन के प्रबंधन में अपनी संस्कृति, आचरण, पर्यावरण और अनुशासित परंपराओं को सीमित रखता है। हम कुख्यात कसोल और मलाणा क्रीम के सोशल मीडिया प्रचारक हो गए। हिमाचल में पर्यटन-परिवहन क्षेत्र में विकास का मानचित्र धीरे-धीरे माफिया के कब्जे में जा रहा है। प्रदेश की टैक्सियों की पार्किंग पर माननीय हाई कोर्ट को संज्ञान लेना पड़ता है या अवैध कब्जों तथा खनन के मामलों में वृद्धि के साथ-साथ नशे की गिरफ्त में फंसती पीढ़ी को बचाने के लिए सर्वप्रथम घर बचाना होगा। हम अपने भविष्य की नीतियां बनाने में तो माहिर हो सकते हैं, लेकिन उचित कार्यान्वयन के लिए ईमानदारी भूलते जा रहे हैं।

पिछली जयराम सरकार का मिशन इन्वेस्टमेंट काफी घूमता रहा। मनाली-पालमपुर के शहरी विकास के लिए एक बार उच्च पदस्थ अधिकारी विदेश घूमते देखे गए, तो कमोबेश हर विभाग के पास विदेश से सीख कर आने का मसौदा हमेशा रहता है। ऐसे में हिमाचल को अगर कुछ नया करना हो तो कौन सा मॉडल अपनाना होगा। हमें दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मिली थीं, लेकिन राजनीति ने अपने कर कमलों से ऐसा सब कुछ किया कि यह तखल्लुस भी काम न आया। न अधिकारी चले, न अधिकार काम आए। कुछ बड़ी परियोजनाओं के संकल्प बने भी तो उनका हश्र मनाली स्की विलेज की तरह हो गया। ऐसे में हमारे नेताओं और अधिकारियों को भूटान का मॉडल अपनाना होगा। बेहतर होगा हिमाचल के मंत्री व अधिकारी भूटान से सीखें कि कैसे 38394 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैले इस देश ने खुद के परिचय को परचम बनाया। हिमाचल के 55658 वर्ग किमी. में से 37033 वर्ग किमी. वन क्षेत्र घटा चुका है। यह दीगर है कि भूटान में भी साठ फीसदी जंगल हैं, लेकिन इनके साये में पर्यटन उगता है। भूटान का नाम आते ही पर्यटन की मंजिलें स्वागत कक्ष में बदल जाती हैं। हम ऐसी ही अपनी खासियत को अनुशासनहीनता में खो रहे हैं या विकास की अफरातफरी में दिशाएं अलग और मंजिलें अलग देख रहे हैं। भूटान में सरकार और नागरिक एक ही आधार पर कत्तव्यपरायणता का उदाहरण बन जाते हैं, लेकिन हम यहां सियासी प्राथमिकताओं के कारण बिखर रहे हैं।

दृष्टि कोण

लद्दाख का समाधान

लद्दाख पिछले कुछ वर्षों से कुछ मुद्दों को लेकर आंदोलित है। लद्दाख ने धारा 370 हटने की खुशी मनाई थी, क्योंकि वह कश्मीर के निजाम में उपेक्षित महसूस करता था। वहां के लोग केंद्र शासित प्रदेश की मांग कर रहे थे। नई व्यवस्था बनने से केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिल गया। खुशी मनाई गई, किंतु धीरे-धीरे समझ आने लगी कि बिना विधानसभा के केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा हमारी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाएगा, क्योंकि स्थानीय समझ के बिना और चुने हुए प्रतिनिधियों वाली विधानसभा के बिना यहां की जनापेक्षाओं को समझना और पूरा कर पाना संभव नहीं है। खासकर यहां की जमीनों को जो धारा 370 की वजह से खरीद-बिक्री से बाहरी हस्तक्षेप से सुरक्षा प्राप्त थी, उसके हट जाने से स्थानीय संसाधनों पर बाहरी कब्जे का खतरा पैदा हो गया। स्मरण रहे कि पहाड़ के लोग कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करते हैं और उनके लिए मुख्य धारा के धन्नासेठों से प्रतिस्पर्धा कर पाना संभव नहीं। इसलिए यदि खुले खेल की नौबत आती है तो स्थानीय लोग तात्कालिक लाभ के लालच में अपनी जमीनों और संसाधनों से वंचित हो जाएंगे। इस समझ के चलते ही चुनी हुई विधानसभा के साथ संविधान की छठी अनुसूची के प्रावधान लागू करने की मांग उठने लगी, जिसका सरकार की ओर से वादा भी किया गया था। विशालकाय सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा परियोजना के लिए 80 वर्ग किलोमीटर जमीन पांग क्षेत्र में अधिग्रहण की गई है। 21 मार्च 2003 में राज्यसभा में सूचना दी गई थी कि पांग, डबिंग और खरनाक में सौर, पवन ऊर्जा के लिए 250 वर्ग किलोमीटर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। 2070 मेगावाट जलविद्युत बनाने की भी योजना है। लद्दाख में बहुत से दुर्लभ खनिज भी उपलब्ध हैं जिनके दोहन के लिए मेगा सडक़ और रेल लिंक की योजनाएं हैं। कुछ खनन पट्टे दिए भी गए हैं। जाहिर है कि इतने बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट घरानों के माध्यम से होने वाले

परियोजना कार्यों में स्थानीय चुनी हुई सरकार न होने पर पर्यावरण को होने वाली हानि को कौन रोक सकेगा। जिन कॉर्पोरेट कंपनियों को अपने लाभ के अलावा कुछ भी जरूरी नहीं लगता, उनके भरोसे स्थानीय लोग इस संवेदनशील पर्यावरण को नहीं छोडऩा चाहते। छठी अनुसूची के प्रावधान लागू होने से स्थानीय व्यवस्था को विकास के लिए इन योजनाओं की मनमानी को रोकने के कुछ उपकरण उपलब्ध होंगे। यह तो देश हित में ही है कि स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करके विकास को पर्यावरण मित्र दिशा देने में मदद मिलेगी। वैकल्पिक तकनीकों के सुझाव भी मिल सकेंगे जिससे इन परियोजनाओं के पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। स्थानीय लोग कैसे इन कार्यों से आर्थिक रूप से भी लाभान्वित हो सकें, यह भी देखना संभव होगा। इसी के साथ कारगिल और लेह के लिए दो अलग-अलग लोकसभा सीटें, और नौकरियों में स्थानीय निवासियों को संरक्षण की मांग है। ये मांगें किसी भी हालत में संविधान के बाहर की नहीं हैं और अन्य कई राज्यों में इस तरह के संरक्षण स्थानीय आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े समुदायों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दिए गए हैं। लद्दाख में 90 से 95 प्रतिशत आबादी जनजातीय समुदायों की है जिनकी विशिष्ट संस्कृति है और आर्थिक-सामाजिक रूप से भी ये लोग कठिन जलवायु और अति संवेदनशील पारिस्थितिक हालत में रहने के कारण हाशिए पर रहने वाले लोग हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जी–वनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जी–वनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 07 अक्टूबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा प्रातः 09:18 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 01:28 तक
योग : ध्रुव प्रातः 09:31 तक
करण : बव प्रातः 09:18 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 01:28 तक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आश्विन पूर्णिमा पुण्य , गण्डमूल चालू है , पंचक रात्रि 01:28 तक, कार्तिक स्नान आरंभ , वाल्मिकी–पाराशर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में आग से छह मरीजों की मौत, पांच घायल

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रविवार देर रात आग लग जाने से दो महिलाओं सहित छह मरीजों की मौत हो गई जबकि पांच मरीज घायल हो गए।

अस्पताल के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार देर रात 11.20 बजे ट्रोमा एवं अस्थि रोग संस्थान के न्यूरोसर्जरी आईसीयू–एक में इलेक्ट्रिक शोर्ट सर्किट से आग लग गई। इससे आसीयू में धुंआ फैल गया। इस दौरान तत्काल इन मरीजों को ट्रोमा सेन्टर के अन्य आईसीयू में शिफ्ट किया गया लेकिन छह मरीजों ने दम तोड़ दिया जबकि पांच घायल हैं। मृतक मरीजों में पिंटू, दिलीप, श्रीनाथ, रुक्मणी, बहादुर एवं कुसुमा शामिल हैं। हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देर रात करीब ढाई बजे अस्तपाल पहुंचे और हालात का जायजा लिया और इस घटना पर गहरा दुख प्रकट किया और इसे दुःखद बताया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में

प्रशासन एंव चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल के अधिकारियों से जानकारी ली और पीड़ितों को त्वरित हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा, इलाज और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है और उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शर्मा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और जांच के लिए कमेटी की घोषणा की गई है। इसके लिए चिकित्सा विभाग के आयुक्त इक़बाल ख़ान की अध्यक्षता में कमेटी घटना की जांच करेगी और यह समिति इस हादसे से संबंधित सभी पहलुओं की जांच करके एक विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगी। इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपना दिल्ली जाने का दौरा भी स्थगित कर दिया और इस घटना पर पूरी नजर बनाये हुए हैं।

एसएमएस अधीक्षक डॉ. भाटी एवं ट्रोमा सेंटर के अधीक्षक डॉ. धाकड़ को पद से हटाया

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में आग की घटना के मामले में राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, ट्रोमा सेंटर के अधीक्षक डॉ. अनुराग धाकड को पद से हटा दिया है एवं एसएमएस में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, फायर सेफ्टी के लिए नियोजित एजेंसी एसके इलेक्ट्रिक कम्पनी की निविदा निरस्त करते हुए उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि ट्रोमा सेंटर में आग की घटना के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रात को 3 बजे ही अस्पताल पहुंचकर घटना का जायजा लिया था और प्रकरण में सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को पद से हटाने सहित निलंबन की यह कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने सवाई मानसिंह अस्पताल में अधीक्षक का कार्यभार डॉ. मृणाल जोशी को एवं ट्रोमा सेंटर के अधीक्षक का कार्यभार डॉ. बीएल यादव को दिया है। इससे पहले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचकर वहां लगी आग की घटना का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुःखुद है। उन्होंने हादसे के 6 मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

चिकित्सा मंत्री ने घटना स्थल पर जाकर वस्तु स्थिति का जायजा लिया और मामले की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों को सभी बिंदुओं पर गहन जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को क्षतिग्रस्त आईसीयू को जल्द से जल्द दुरूस्त करवाने और तब तक मरीजों को वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान मीडिया से बातचीत में चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे मामले की गहन जांच के लिए चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह कमेटी घटना के सभी पक्षों की गहनता से जांच करेगी। कमेटी की जांच रिपोर्ट में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मृतकों के आश्रितों को जल्द ही उचित मुआवजा दिया जाएगा। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सवाई मानसिंह अस्पताल एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में फायर सेफ्टी एवं अन्य सुरक्षा प्रबंध बेहतर करने के लिए जून माह में ही सीआईएसएफ को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे। यह रिपोर्ट भी शीघ्र प्राप्त हो जाएगी। इसके अनुसार पहले चरण में सवाई मानसिंह अस्पताल एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके बाद प्रदेशभर के अस्पतालों में सीआईएसएफ की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा व्यवस्थाएं सुदृढ़ की जाएंगी। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने आग लगने की घटना में हुई जनहानि पर जताया दुख

नई दिल्ली , 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीती रात जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेन्टर में आग लगने की घटना में हुयी जनहानि पर दुख जताया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने से हुई जान–माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। ईश्वर करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एमएसएस) अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रविवार देर रात आग लग जाने से सात मरीजों की मौत हो गई जबकि तीन–चार मरीज घायल हो गए थे।

खादी बोर्ड के दो अधिकारियों को हुई भ्रष्टाचार मामले में 3-3 साल की सज़ा

पानीपत, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, पानीपत के तत्कालीन कार्यकारी जिला प्रबंधक अनिल कुमार और कंप्यूटर ऑपरेटर विनय कुमार को भ्रष्टाचार के एक मामले में पानीपत न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए 3–3 साल के कारावास और 1–1 लाख रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई है। यह फैसला 4 अक्टूबर 2025 को सुनाया गया। दोनों आरोपियों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1) सहपठित 13(2) और भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत दंडित किया गया है। यह मामला 19 जुलाई 2022 को शुरू हुआ, जब शिकायतकर्ता ने एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो), करनाल में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता, जो खेती और डेयरी का काम करता है, ने खादी ग्रामीण उद्योग बोर्ड, जींद में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये के लोन के लिए आवेदन किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब वह लोन पास कराने के संबंध में जिला प्रबंधक अनिल कुमार से मिला, तो अनिल कुमार ने लोन पास करने के एवज में उससे 1,00,000/– रुपये नकद रिश्वत की मांग की थी। बार–बार अनुरोध करने पर, अनिल कुमार ने अंततः 20,000/– रुपये नकद रिश्वत लेने पर सहमति व्यक्त की और शिकायतकर्ता से कहा कि यह राशि कंप्यूटर ऑपरेटर विनय कुमार को देनी है। शिकायत मिलने पर, एसीबी, करनाल की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। टीम ने कंप्यूटर ऑपरेटर विनय कुमार को शिकायतकर्ता से 20,000/– रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। विनय कुमार ने यह राशि अनिल कुमार के कहने पर ली थी। इसके बाद, तत्कालीन कार्यकारी जिला प्रबंधक अनिल कुमार को भी इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल में मुकदमा संख्या 19/2022 (धारा 7 पीसी एक्ट, 1988 व 120बी भा.द.स. के तहत) दर्ज किया गया था। एसीबी, करनाल ने जांच पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों के विरुद्ध 13 सितंबर 2022 को पानीपत न्यायालय में चालान पेश किया था।

पशुधन भवन में शासन सचिव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

अधिकारियों को पूरी निष्ठा से काम करने के दिए निर्देश

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के पशुपालन, गोपालन और मत्स्य विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने विभाग में गुणात्मक परिवर्तन के लिए अधिकारियों को पूरी निष्ठा से काम करने के निर्देश दिए हैं। डॉ शर्मा सोमवार को पशुधन भवन में पशुपालन विभाग के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। डॉ शर्मा ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बजट घोषणाओं की क्रियान्विति सहित अन्य मुद्दों पर अधिकारियों से चर्चा की।

बैठक में संयुक्त सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ विकास शर्मा, डॉ ओमप्रकाश बुनकर, डॉ हेमंत पंत सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में शासन सचिव ने कहा कि विभाग के कार्यों में पिछले दिनों में काफी सुधार हुआ है। जिलों की संस्थाओं में अधिकारी कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थिति दे रहे हैं और संस्थाओं में काम होने लगा है। इसके लिए विभाग के सभी कार्मिक बधाई के पात्र हैं। अब हमें अपने अनुशासन, कर्मठता और तत्–परता से विभाग में गुणात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना है। और विभाग को विशेषज्ञ सेवाओं के रूप में स्थापित करते हुए अपनी अलग पहचान कायम करनी है। डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, नवीन एवं क्रमोन्नत पशु चिकित्सा उप केंद्रों के लिए पट्टा आवंटन तथा मोबाईल वेटरिनरी यूनिट की प्रगति की पर संतोष व्यक्त करते हुए और गति देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के तहत दवाईयों का क्रयादेश जल्द जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि पशुओं की सभी दवाईयां अस्पताल से ही देना सुनिश्चित करें। शासन सचिव ने संस्थानों को भेजे गए उपकरणों और फर्नीचर आदि के समुचित उपयोग का निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने टीकाकरण के लिए एक समुचित व्यवस्था बनाकर इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए।

पशुधन निरीक्षकों को दिए जा रहे कृत्रिम गर्भाधान संबंधी सुनियोजित प्रशिक्षण पर बल देते हुए डॉ शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के बाद उनके सैद्धान्तिक और प्रायोगिक परीक्षण और प्रमाणीकरण की भी पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने नव नियुक्त पशु परिचरों के भी प्रशिक्षण की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों में नकारा सामानों की नीलामी के कार्य में आने वाली बाधाओं को दूर करते हुए जल्द से जल्द इस कार्य को संपन्न करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि हिंगोनिया नेत्र चिकित्सालय के लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में नगर निगम को चिन्हित कर लिया गया है और जल्द ही उन्हें इसके लिए बजट आवंटित कर काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके अलावा बजट घो–षणा अनुरूप सभी काम तय समयावधि में पूरे करने के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। जिलों में पशु मेलों के आयोजन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। सेक्स सॉर्टेड सीमन के उत्पादन के लिए बस्सी में तीन मशीनें स्थापित हो चुकी हैं और नवंबर महीने से 15 हजार डोज प्रति महीने उपलब्ध हो सकेंगी।

इस अवसर पर विभाग के संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ ने स्वस्थ तन और मन के साथ टीम भावना और नियमों की पूरी जानकारी के साथ काम करने पर बल दिया। उन्होंने विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव जो कि वित्त विभाग के स्तर पर लंबित हैं को सूचीबद्ध किए जाने की आवश्यकता जताई।

नायब सैनी ने हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए जापान को दिया निमंत्रण

हरियाणा, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती देने के लिए जापान पहुंचे। प्रवासी भारतीय संगठन ने सैनी का स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा का एक प्रतिनिधिमंडल जापान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मिला। इस दौरान उन्होंने जापान के विदेशी मामलों के राज्य मंत्री मियाजी तकुमा के साथ अहम बैठक की।

बैठक में हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस मुलाकात में दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और तकनीकी सहयोग के नए अवसरों पर बात की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जापान को हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2026 में पार्टनर कंट्री बनने का आमंत्रण भी दिया। यह समिट हरियाणा में अप्रैल 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर के निवेशक और उद्योगपति हिस्सा लेंगे।

हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने जापान के उद्योग, वाणिज्य और ऊर्जा मंत्रालय (एमईआईटी) के राज्य मंत्री योगीचिरो कोगा से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मोबिलिटी, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचे और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के सहयोग के अवसरों की खोज की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, जापान सरकार के विदेश राज्य मंत्री मियाजी ताकुमा के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के अवसरों पर चर्चा की। मैंने उन्हें नवंबर 2025 में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव (जो हमारी शाश्वत सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है) में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मैंने अप्रैल 2026 में होने वाले हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदार देश के रूप में भाग लेने का भी निमंत्रण दिया।

हरियाणा के आधिकारिक सूचना विभाग ने भी इस यात्रा और बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की यह यात्रा हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संभल में हुई कल्कि महोत्सव–विकासोत्सव की शुरुआत

मंत्री गुलाब देवी ने किया शुभारंभ, हफ्तेभर चलेगा जलसा

बहजोई (संभल), 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संभल के बहजोई स्थित बड़ा मैदान सांस्कृतिक रंगों और उत्साह की लहरों से गूंज उठा। सोमवार को संभल कल्कि महोत्सव–विकासोत्सव की भव्य शुरुआत हुई।

राज्य मंत्री गुलाब देवी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर मौजूद अतिथियों के साथ उन्होंने विकास प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे दर्शकों की तालियां गूंज उठीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट का सही उपयोग करे। पढ़ाई के लिए समय निकालें और अच्छी संगति में रहें। जब युवा आगे बढ़ेंगे, तभी देश आगे बढ़ेगा।

इसके बाद कार्यक्रम में पहुंचे विकास मोहंती आकर्षण का केंद्र रहे। उन्हें देखते ही लोगों में उत्साह उमड़ पड़ा। उन्होंने युवाओं को प्रेरणादायक विचारों से संबोधित किया। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की योजनाओं और प्रोजेक्ट अलंकार पर प्रकाश डाला। इस दौरान भाजपा नेता परमेश्वर लाल सैनी, जिला अधिकारी, शिक्षक, छात्र–छात्राएं और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संभल कल्कि महोत्सव–विकासोत्सव 13 अक्टूबर तक चलेगा। हर दिन अलग थीम के साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार शाम छह बजे से भव्य सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत हुई।

7 अक्टूबर को राजस्थानी और पंजाबी संगीत संध्या होगी जिसमें जस्सी गिल और बब्बल राय धमाल मचाएंगे। 8 अक्टूबर को बॉलीवुड नाइट में गायिका मोनाली ठाकुर की प्रस्तुति रहेगी। 9 अक्टूबर को कवि सम्मेलन होगा, जिसमें डॉ. सौरभ कांत शर्मा और विनीत चौहान सहित कई कवि अपनी रचनाएं पेश करेंगे। 10 अक्टूबर को साधो बैंड की सूफी नाइट से महफिल सजेगी। 11 अक्टूबर को गोपाल मोहन भारद्वाज के भजन और कृष्ण नाटिका का आयोजन होगा। 12 अक्टूबर को हरियाणवी गायिका रुचिका जांगिड़ की संगीत संध्या होगी। 13 अक्टूबर को बॉलीवुड गायक बी प्राक अपनी प्रस्तुति देंगे।

महोत्सव से पहले रविवार को कलक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वागत गीत, मिनट–टू–मिनट कार्यक्रम, वीवीआईपी व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और सफाई की रूपरेखा तय की। इसके अलावा सोमवार सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक माध्यमिक शिक्षा में बदलता उत्तर प्रदेश व प्रोजेक्ट अलंकार पर संगोष्ठी हुई, जिसमें मंत्री गुलाब देवी मुख्य अतिथि रहीं।

बरेली बवाल : तौकीर रजा के एक और करीबी का बारातघर सील

सपा पार्षद के शोरूम पर भी हुई कार्रवाई

बरेली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबियों पर कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने सोमवार को सपा के पूर्व पार्षद वाजिद बेग के बरातघर को सील कर दिया। यह बरातघर फरीदपुर चौधरी में है। बीडीए अफसरों के मुताबिक अवैध तरीके से बरातघर का निर्माण कराया था। कई बार रोकने के बावजूद निर्माण नहीं रोका गया। इसलिए यह कार्रवाई की गई है।

वाजिद बेग सपा से पार्षद रह चुके हैं। मौलाना तौकीर के करीबी बताए गए हैं। उनके बरातघर पर सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सीओ पंकज श्रीवास्तव, बीडीए के अफसर और भारी पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए टीम ने बरातघर पर लगा ताला तोड़कर अपना ताला लगाकर सील लगा दी। नोटिस भी चस्पा किया गया है। चेतावनी दी गई है कि सील को क्षतिग्रस्त करने या हटाने पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बारातघर सील करने के बाद बीडीए की टीम अचानक कोहाड़ापीर पहुंच गई। टीम ने यहां सपा पार्षद मुन्ना का बाइक शोरूम सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान सपा पार्षद व कर्मचारी शोरूम में ही थे। उन्हें बाहर निकाल दिया गया। इस कार्रवाई को भी बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। इस पार्षद मुन्ना का कहना है कि वह बवाल के दिन कहीं गए भी नहीं थे। उनके नवासे का हाथ टूटा था। वही गया था। उसके बाद यहीं रहा। पार्षद ने बताया कि वह कैंसर पीड़ित है। मेरे यहां कैमरे लगे हैं। जो लोग शामिल रहे, उन पर कार्रवाई करें। मौलाना तौकीर की पार्टी अलग है, मेरी अलग विचारधारा अलग है।

शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद बीडीए अब तक मौलाना तौकीर के कई करीबियों की संपत्तियों को सील कर चुका है। पीलीभीत रोड पर आरिफ के फहम लान, फ्लोरा गार्डन और उसकी पत्नी का स्काईलार्क होटल, नरियावल स्थित शराफत के बरातघर को भी बीडीए सील कर चुका है। नौमहला मस्जिद के पास आरोपी नदीम की चार दुकानें भी सील की जा चुकी है। मौलाना को शरण देने वाले फरहत का मकान भी सील हो चुका है।

88 खराब पाइप जोड़कर बीएचयू हॉस्टल में बनाई नालियां

छात्रों ने किया रेन वाटर हार्वेस्टिंग का नायाब प्रयोग

वाराणसी, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीएचयू के छात्रों ने एक हॉस्टल में ऐसे सिस्टम तैयार किया है, जिसने यहां बारिश के बाद जलभराव नहीं होने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया।

बनारस में 187 मिमी बारिश के बाद बीएचयू में चारों ओर कमर तक जलभराव की समस्या देखने को मिली। वहीं, दूसरी ओर बीएचयू का एक हॉस्टल ऐसा भी था जिसके रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ने 10 मिनट भी हॉस्टल परिसर में पानी नहीं लगने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। इस हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ही ये सिस्टम तैयार किया है।

बीएचयू के सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉस्टल में नौ जगहों पर वाटर ड्रेन बनाए गए हैं, जिनकी गहराई 10–10 फीट तक है। इससे पानी धीरे–धीरे जमीन के अंदर चला जाता है। दशकों से बेकार पड़े 88 टेलीफोन पाइप को निकाला गया और कुछ पाइप की वेल्डिंग कराई और जमीन के अंदर नाली बनाकर कुल 19 चैंबर बनाए। इन सभी छोटे–छोटे चैंबर के सहारे सभी तरह की जल निकासी को मुख्य चेंबर के साथ जोड़ दिया गया। इसमें 12 वाटर कूलर फिल्टर भी लगाए गए हैं।

इस सिस्टम को हॉस्टल के प्रशासनिक संरक्षक डॉ. धीरेंद्र राय और उनके छात्रों की टीम ने तैयार किया है, जिसमें आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिक प्रो. वी कुमार की मदद ली गई है। हॉस्टल के वॉलीबॉल कोर्ट, दो बैडमिंटन कोर्ट, दर्जनों सीटिंग बेंच सहित परिसर में छोटे बड़े कुल नौ उद्यान में कहीं भी जलभराव नहीं था। इन सब काम को बिना किसी सरकारी वित्तीय मदद के छात्रों के साथ मिलकर किया गया।

डॉ. राय ने बताया कि यह सब हॉस्टलर्स और यहां के लोगों की वजह से संभव हो पाया है। छात्रावास के छात्रों और कर्मचारियों के साथ मिलकर पांच वर्ष पहले ही लैंडस्केपिंग, गार्डनिंग, प्लांटेशन और जलनिकासी पर बहुत कार्य किया। सात महीने तक काम चला। इसमें कुल 840 ट्रक मिट्टी और 7000 ईंटें लगीं। आईआईटी बीएचयू के प्रो. वी कुमार ने इस स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में मदद की थी। छुट्टी में सभी छात्र जुटते थे और इस काम को पूरा करते थे। ये काम सामूहिक और व्यक्तिगत प्रयासों से पूरा हुआ।

वाराणसी शहर में अब आसान हो जाएगा आवागमन

रोप–वे से चार किमी सफर के लिए लगेंगे 40 रुपए

वाराणसी, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वाराणसी शहर में अब आवागमन आसान हो जाएगा। शहर में रोप–वे की शुरुआत होने जा रही है। वाराणसी में रोप–वे के किराये का खाका भी तैयार कर लिया गया है। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक का किराया 40 रुपए होगा। चार स्टेशनों के बीच की दूरी करीब चार किलोमीटर है इसलिए प्रति किलोमीटर 10 रुपए किराया वसूलने का खाका तैयार किया गया है। इस सिलसिले में किराया निर्धारण कमेटी की लखनऊ में दो बार बैठक हो चुकी है। दूसरी तरफ, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पास बनाने का निर्णय लिया गया है।

रोप–वे का संचालन नए साल से होना है। इसके लिए यूपी एरियल एक्ट बनाया गया है। चार सदस्यीय किराया निर्धारण कमेटी का गठन हो गया है। इस कमेटी के अध्यक्ष प्रमुख सचिव शहरी विकास हैं। वीडीए उपाध्यक्ष, रोप–वे का निर्माण कराने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और यूपी मेट्रो कारपोरेशन के एक–एक अधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

किराया निर्धारण कमेटी की बैठक दो बार हो चुकी है। इसमें प्रति किलोमीटर किराया दस रुपए रखने पर सहमति बनी है। प्रस्तावित किराये पर जल्द ही शासन स्तर से मुहर लगेगी, फिर अंतिम प्रक्रिया पूरी की जाएगी। कमेटी रोप–वे का किराया ऑटो और ई रिक्शा से कम रखना चाहती है ताकि पर्यटकों के साथ ही स्थानीय नागरिक रोप–वे से सफर कर सकें। चार किलोमीटर के लिए ऑटो चालक 80–100 रुपए वसूलते हैं। ई रिक्शा चालक 60 से 70 रुपए लेते हैं। इसे देखते हुए ही रोप–वे का कुल किराया 40 रुपए रखने पर सहमति बनी है।

श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक महीने, तीन और छह महीने के साथ ही एक साल के पास बनाए जाएंगे। पास सस्ते होंगे जो दैनिक किराये से भी कम कीमत पर बनाए जाएंगे। इस पर किराया निर्धारण कमेटी की सहमति बन चुकी है। कमेटी के सदस्यों का कहना है कि कैंट रेलवे स्टेशन से रोजाना 95 हजार यात्रियों का आना–जाना होता है। इनमें से ज्यादातर यात्री काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गोदौलिया और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाते हैं।

रोप–वे निर्माण के पहले चरण में चार स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें से कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन बन गए हैं। ट्रायल भी चल रहा है। गोदौलिया स्टेशन का निर्माण चल रहा है। गोदौलिया स्टेशन का निर्माण नए साल में पूरा होगा। इसी बीच दूसरे चरण के लिए भी सर्वे शुरू हो गया है। दूसरे चरण में रोप–वे का विस्तार होना है। गोदौलिया से गंगा घाटों को जोड़ना है। रोप–वे के जरिये नमो घाट तक पहुंचा जा सकेगा। इसी तरह रामनगर तक का जुड़ाव रोप–वे से होगा।

उत्तर प्रदेश में आलू की हुई बंपर पैदावार

भाव गिरने से दोहरे घाटे में किसान

नेपाल की हिंसा और बिहार की बाढ़ से छाई मंदी

लखनऊ, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 1500 रुपए प्रति क्विंटल का आलू अब एक हजार रुपए में बिक रहा है। फिर भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसकी मूल वजह बंपर पैदावार है। नेपाल की अशांति से घटी मांग और बिहार में आई बाढ़ से भी भाव गिरे हैं। पंजाब और पश्चिम बंगाल के आलू ने आसपास के राज्यों पर कब्जा कर लिया। ऐसे में उत्तर प्रदेश का भंडारित 35 से 40 फीसदी आलू अभी भी शीतगृहों में बचा है।

देशभर में होने वाली कुल पैदावार का करीब 35 प्रतिशत आलू उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। वर्ष 2024–25 में करीब 245 लाख मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ। प्रदेश के 2207 शीतगृह में करीब 150 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण हुआ। आमतौर पर जुलाई के अंतिम सप्ताह से सितंबर माह में आलू निकासी की गति बढ़ जाती है। यही वजह है कि उद्यान विभाग ने 31 अक्टूबर तक शीतगृह खाली करने का निर्देश दिया है, लेकिन भाव और खपत कम होने की वजह से इस वर्ष आलू की निकासी नहीं हो पा रही है।

करीब 35 से 40 फीसदी आलू शीतगृह में पड़ा है। इसमें 15 फीसदी आलू बीज के रूप में प्रयोग होगा। फिर भी 20 से 30 फीसदी आलू मुसीबत बन सकता है। व्यापारी आलू निकासी नहीं होने की वजह बाजार में गिरावट बता रहे है। अप्रैल– मई माह में थोक में सफेद आलू का भाव करीब 1157 से 1173 रुपए प्रति क्विंटल था। जिन लोगों ने आलू शीतगृह में रख, उन्हें 250 रुपए शीतगृह भाड़ा, 100 रुपए का बोरा और पल्लेदारी व खेत से स्टोर तक पहुंचाने में करीब 100 रुपए प्रति क्विंटल अन्य खर्च करने पड़े। इस तरह शीतगृह में रखे आलू की कीमत करीब 1500 रुपए से अधिक पहुंच गई। इन दिनों थोक मंडियों में आलू 900 से 1100 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा है।

उत्तर प्रदेश की तरह पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश में भी आलू की बंपर पैदावार हुई। सातनपुर मंडी समिति के आलू कारोबारी रिंकू वर्मा बताते हैं कि पंजाब से बड़ी मात्रा में आलू पाकिस्तान जाता था। आगरा से भी कुछ आलू पाकिस्तान भेजा जाता था, लेकिन इस वर्ष नहीं गया। ऐसे में पंजाब का आलू राजस्थान और गुजरात के बाजार पर कब्जा कर लिया। उत्तर प्रदेश का आलू नेपाल भी नहीं जा पाया है। अकेले फर्रुखाबाद से 10 से 15 रैक आलू आसाम जाता था, इस बार दो–तीन रैक ही रवाना हो पाई। पश्चिम बंगाल का आलू बिहार और झारखंड में उत्तर प्रदेश की अपेक्षा करीब डेढ़ सौ रुपए प्रति क्विंटल सस्ता पहुंचा।

कैदियों को भगाने का प्लान बना रहे थे पुलिसकर्मी

गाजियाबाद के दो कांस्टेबल गिरफ्तार

गाजियाबाद, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजियाबाद में दो पुलिसकर्मियों को जेल से कैदियों को भागने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दोनों कांस्टेबलों को डासना जेल से दो कैदियों को भागने में मदद करने की कथित साजिश रचने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि वे खुद को कैदियों को अदालत की सुनवाई के लिए ले जाने वाले आधिकारिक ड्यूटी पर तैनात कर्मी बता रहे थे।

पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद पुलिस लाइन थाने में तैनात कांस्टेबल सचिन कुमार और राहुल कुमार शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक सफेद हैचबैक कार में डासना जेल पहुँचे।

यह उनकी निजी गाड़ी थी। अधिकारियों ने बताया कि वे वर्दी पहने हुए थे और उनके पास एक प्रोडक्शन वारंट जैसा कुछ था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें एक कैदी को नोएडा में अदालती सुनवाई के लिए ले जाने के लिए भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि जेल में प्रवेश करते ही दोनों कांस्टेबलों ने शुरू में केवल दो कैदियों– बिजेंद्र और वंश को ले जाने पर ज़ोर दिया जबकि वारंट में उस दिन पेशी के लिए 6 कैदियों की सूची थी। पुलिस ने बताया कि जब उन्हें बताया गया कि सभी 6 लोगों को एक साथ भेजा जाएगा तो आरोपी सिर्फ़ दो लोगों को ले जाने पर अड़े रहे। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत जांच से पता चला कि उस दिन गौतमबुद्ध नगर में कैदियों की पेशी के लिए गाजियाबाद पुलिस लाइन से कोई सरकारी गाड़ी या कर्मी मंज़ूर नहीं किया गया था। एसीपी कवि नगर भास्कर वर्मा ने कहा, वे उस दिन ड्यूटी पर नहीं थे और उनके साथ कोई सब–इंस्पेक्टर भी नहीं था जो अदालत की सुनवाई के लिए कैदियों को ले जाते समय अनिवार्य है।

किसी गड़बड़ी की आशंका होने पर, जिला जेल अधीक्षक ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स द्वारा की गई जांच में जल्द ही पुष्टि हो गई कि कांस्टेबलों को ऐसी कोई ड्यूटी नहीं सौंपी गई थी। पुलिस ने कहा कि कांस्टेबल कथित तौर पर पैसे के बदले कैदियों को भागने में मदद करने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने बताया कि जब यह अनियमितता सामने आई तो जेल अधीक्षक ने किसी भी कैदी को रिहा करने से इनकार कर दिया, जिसके कारण कांस्टेबल परिसर से भाग गए।

उसी शाम गाजियाबाद पुलिस लाइन के रिजर्व इंस्पेक्टर चंद्रमन सिंह ने कवि नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई और दोनों कांस्टेबलों को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने कहा, दोनों कांस्टेबलों के खिलाफ कैदियों को धोखे से ले जाने का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि भागने के लिए पैसे का सौदा किया गया था। पुलिस ने बताया कि राहुल कुमार पुलिस लाइन में जनगणना क्लर्क के पद पर तैनात थे जबकि सचिन कुमार रिजर्व बल में कार्यरत थे। उनकी गिरफ्तारी के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों ने आंतरिक जांच के लिए पुलिस लाइन का दौरा किया।

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन

वलसेन (त्रिनिदाद),06 अक्टूबर (एजेंसियां) । वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बर्नार्ड जूलियन का शनिवार को 75 वर्ष की उम्र में वलसेन (त्रिनिदाद) में निधन हो गया। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था।

जूलियन ने 1975 के पहले विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट पर 20 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 27 रन और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। वह बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी, बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और जीवंत फील्डिंग के लिए जाने जाते थे।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने उन्हें 1975 की विजेता टीम का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते थे। मैंने कभी उन्हें जिम्मेदारी से पीछे हटते नहीं देखा। वह एक सच्चे टीम खिलाड़ी थे, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था — बल्ले और गेंद दोनों से। वे एक बेहतरीन क्रिकेटर थे।

लॉर्ड्स में भी जूलियन ने यादगार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ 121 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली और अगले वर्ष उसी टीम के खिलाफ पांच विकेट भी हासिल किए।

लॉयड ने आगे कहा, हम सब उनका बहुत सम्मान करते थे। वे सभी के प्रिय थे। लॉर्ड्स में टेस्ट जीतने के बाद हमने लंबे समय तक दर्शकों के लिए ऑटोग्राफ दिए — वह हमारे लिए गर्व का पल था। जूलियन ने 1970 से 1977 तक इंग्लैंड की काउंटी टीम 'केंट' के लिए भी खेला। हालांकि, उनका करियर तब रुक गया जब उन्होंने 1982-83 में रंगभेद काल के दौरान दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली विद्रोही वेस्टइंडीज टीम में हिस्सा लिया। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, जब हम बर्नार्ड जूलियन को श्रद्धांजलि देते हैं, तो हमें समझ और समावेश की भावना के साथ उस दौर को भी याद करना चाहिए। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि उद्देश्यपूर्ण जीवन कभी समाप्त नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, बर्नार्ड जूलियन के परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट परिवार उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 प्रतियोगिता : हिमाचल टीम की घोषणा सुषमा वर्मा को कप्तान की जिम्मेदारी

धर्मशाला। बीसीसीआई महिला सीनियर (टी-20) एलीट टूर्नामेंट 2025-26 के लिए हिमाचल की महिला सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने महिला वरिष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर टीम की सोमवार को घोषणा कर दी है। टीम का जिम्मा वरिष्ठ खिलाड़ी एवं पूर्व में भारतीय टीम का हिस्सा रही सुषमा वर्मा को दिया गया है। चयनित टीम के खिलाड़ियों में नैंसी शर्मा चंबा, ज्योति ठाकुर कांगड़ा, प्रीती देवी कांगड़ा, सुष्मिता कुमारी किन्नौर, मोनिका कुल्लू, यमुना देवी कुल्लू, नीना चौधरी मंडी, निकिता मंडी, शिवानी मंडी, सोनल मंडी, देवांशी वर्मा शिमला, मनीषा शिमला, निकिता चौहान शिमला, प्राची चौहान शिमला, सुषमा वर्मा (कप्तान) शिमला, वासुवी फिश्टा शिमला शामिल हैं। इसके अलावा टीम में सहायक कर्मचारियों में योगिंदर पुरी कोच, प्रेम सिंह सहायक कोच, शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच, मनीषा फिजियो, वीना देवी प्रशिक्षक, आशुतोष पांडे वीडियो विश्लेषक, सोनाली ठाकुर मसाजर तथा शिव कपूर को बतौर प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

शंघाई मास्टर्स 2025: डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर

शंघाई। शंघाई मास्टर्स 2025 में मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को रविवार को नीदरलैंड्स के टैलन ग्रीकस्पूर के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में पैर की चोट के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। विश्व नंबर दो सिनर को तीसरे सेट के चौथे गेम के दौरान पैर में तकलीफ महसूस हुई। उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन स्कोर 6-7(3), 7-5, 3-2 के समय उन्होंने मुकाबला छोड़ दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिनर ने टाईब्रेक में शानदार खेल दिखाया और दो ऐस लगाकर शुरुआती बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में रोमांच और बढ़ गया। डच खिलाड़ी ग्रीकस्पूर ने दूसरे गेम में तीन ब्रेक प्वॉइंट बचाए और आखिरकार 11वें गेम में बैकहैंड शॉट से ब्रेक करते हुए सेट जीतकर मुकाबले को आधी रात के बाद तक खींच लिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में सिनर दर्द से झुक गए और कोर्ट पर लंगड़ाते हुए चलते दिखे। उनकी स्थिति अगले गेम में और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्होंने कुछ आसान शॉट्स नेट में मारे और ग्रीकस्पूर को आसान ब्रेक मिल गया। अंततः उन्हें सहायता लेकर कोर्ट छोड़ना पड़ा और उन्होंने मैच से रिटायर होने का फैसला किया। सिनर की यह चोट गंभीर बताई जा रही है, और अब यह देखना होगा कि वह आगे आने वाले टूर्नामेंट्स में कितनी जल्दी वापसी कर पाते हैं।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड, 12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये।

तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने दक्षिण-क्षेत्र राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक जीता

हैदराबाद, अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण-क्षेत्र लैक्रोस राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 बड़े उत्साह और प्रतिस्पर्धी भावना के साथ संपन्न हुई, जिसमें छह दक्षिण भारतीय राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी ने भाग लिया। कौशल और टीम वर्क के उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ, तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने स्वर्ण पदक जीता और दक्षिण क्षेत्र चैंपियन बनी। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रदर्शन और समर्पण का परिचय दिया, जिससे राज्य का गौरव बढ़ा और लैक्रोस में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित हुए। तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन, अध्यक्ष - मोहम्मद लतीफ उद्दीन, महासचिव - के. भानु चंदर और संयुक्त सचिव - जी.वी.एन. शेखर के नेतृत्व में, लगातार लैक्रोस को बढ़ावा दे रहा है और राज्य भर में युवा प्रतिभाओं को निखार रहा है। इस सफलता के बाद, एसोसिएशन ने आगामी दूसरे फेडरेशन कप 2025-26 की घोषणा की, जिसमें लड़के और लड़कियों दोनों टीमों के लिए चयन ट्रायल और गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य नई प्रतिभाओं की पहचान करना और आगामी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय लैक्रोस चैंपियनशिप के लिए एथलीटों को तैयार करना है। तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन ने दक्षिण भारत में लैक्रोस के विकास के लिए सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के समर्पण और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

इस चैंपियनशिप में तेलंगाना की सीनियर गर्ल्स टीम ने फाइनल मैच में कर्नाटक को कड़ी टक्कर दी, जहां उनके तेज हमलों और मजबूत रक्षा ने निर्णायक भूमिका निभाई। कप्तान ने बताया, हमारी जीत का राज है दैनिक अभ्यास और एक-दूसरे पर विश्वास। टूर्नामेंट के दौरान टीम ने सभी मैचों में कम से कम 70% गोल सफलता दर हासिल की, जो दक्षिण क्षेत्र में लैक्रोस के स्तर को ऊंचा उठाने का संकेत है। स्थानीय कोचों ने भी सराहना की कि ये युवतियां न केवल खेल में बल्कि अनुशासन में भी अव्वल हैं। इस सफलता से प्रेरित होकर, कई नई लड़कियां अब लैक्रोस एकेडमी में दाखिला लेने की तैयारी कर रही हैं, जो राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करने का संकेत देता है।

तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन के नेतृत्व ने पिछले वर्षों में राज्य के 20 जिलों में 50 से अधिक ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किए हैं, जिससे सैकड़ों लड़कियां इस खेल से जुड़ी हैं। अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ उद्दीन ने कहा, यह स्वर्ण पदक हमारी मेहनत का फल है, और अब हम फेडरेशन कप के लिए और मजबूत टीम तैयार करेंगे। आगामी ट्रायल्स अक्टूबर के अंत में शुरू होंगे, जहां चयनित खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग दी जाएगी। एसोसिएशन ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाने के लिए स्पॉन्सरशिप की तलाश भी शुरू कर दी है, ताकि ये चैंपियन राष्ट्रीय स्तर पर भी चमक सकें।

इस चैंपियनशिप ने दक्षिण भारत में लैक्रोस को एक नई पहचान दी है, जहां पहले यह खेल अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय था। अन्य राज्यों की टीमों ने भी तेलंगाना की जीत पर बधाई दी और संयुक्त ट्रेनिंग कैंप की मांग की। एसोसिएशन ने सभी योगदानकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयास का परिणाम है। भविष्य में, लैक्रोस को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की योजना पर काम चल रहा है, जो खेल को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगी। इस जीत ने न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे दक्षिण क्षेत्र के युवाओं को प्रेरित किया है।

वाडेकर की कप्तानी में भारत ने खेला था पहला वनडे शुभमन बने 28वे कप्तान

मुम्बई,06 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने जा रहे शुभमन 28 भारतीय कप्तान हैं। एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास पर नजर डाले तो भारतीय टीम ने अपना पहला मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। तक से अब तक के 51 साल के सफर में भारतीय टीम ने 27 कप्तान देखे हैं। वहीं सबसे पहली बार भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी अजीत वाडेकर ने संभाली थी। उस मैच में भारतीय टीम को 4 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

वाडेकर अधिक समय तक कप्तान नहीं रहे। दो मैच के बाद ही श्रीनिवास वेंकटराघवन को कप्तान बनाया गया। इस प्रकार वेंकटराघवन भारत के दूसरे एकदिवसीय कप्तान थे। वेंकटराघवन ने 7 मैच में टीम इंडिया की कप्तानी संभाली। इसके बाद स्पिनर बिशन सिंह बेदी को कप्तान बनाया गया। बेदी भी 4 एकदिवसीय मैचों में ही कप्तानी कर पाये। इस प्रकार शुरुआत में ही भारत ने तीन कप्तान बदल दिये। इसके बाद कप्तानी सुनील गावस्कर ने संभाली । उनका कार्यकाल लंबा रहा। गावस्कर ने 37 मैचों में कप्तानी की। गावस्कर के बाद एक मैच के लिए गुंडप्पा विश्वनाथ को कप्तान बनाया गया। वहीं विश्वकप 1983 को देखते हुए कपिल देव कप्तान बनाया गया। कपिल देव ने लंबे समय तक कमान संभाली। वह 74 मैचों में भारतीय टीम के कप्तान रहे और इस दौरान भारतीय टीम ने विश्वकप भी जीता। अगुवाई की और इस दौरान उन्होंने 1983 का वर्ल्ड कप भी जिताया। वहीं 1990 में मोहम्मद अजहरुद्दीन आये। अजहरुद्दीन ने 100 से ज्यादा एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की। उन्होंने कुल 175 मैचों में टीम का नेतृत्व किया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी 72 मैचों में कप्तान रहे पर अधिक सफल नहीं हुए। साल 1999 में सौरव गांगुली ने कप्तानी संभालते ही टीम में बदलाव करते हुए उसे आक्रामक बना दिया। इससे विदेशी जमीन पर भी भारतीय टीम का खेलने का अंदाज बदला और उसने जीत दर्ज करनी शुरु कर दी। गांगुली के बाद द्रविड़, सहवाग, कुंबले ने कप्तानी संभाली। सबसे बड़ा बदलाव महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद बाद हुआ। कैप्टन कूल के नाम से लोक्रपिय हुए धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी खिताब जीते।

सैफ की आक्रामक बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने तीसरे टी20 में अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया

शारजाह। सैफ हसन की आक्रामक पारी से बांग्लादेश ने शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को छह विकेट से जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली है। इस मैच में सैफ ने सात छक्के लगाकर 38 गेंदों में ही नाबाद 64 रन बनाकर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को बांग्लादेश ने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को 24 रन पर ही पहला झटका लग गया था पर उसके बाद तंजीद हसन और सैफ हसन ने मिलकर पारी को संभाल लिया। दोनों ने स्कोर 79 रनों तक पहुंचाया। तंजीद 33 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं सैफ एक छोर पर जमे रहे। सैफ ने सात छक्के और दो चौके लगाकर 38 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाये। नुरुल हसन ने 17 वें ओवर में छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

महिला विश्व कप 2025 : पाक पर मिली जीत के बाद बोलीं हरमनप्रीत- बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी पिच

कोलंबो,06 अक्टूबर (एजेंसियां) । कोलंबो में खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि यह टीम के लिए बहुत अहम मुकाबला था और जीत से वह बहुत खुश हैं, लेकिन यह आसान नहीं रहा।

भारत की बल्लेबाजी फिर एक बार लड़खड़ाई और टीम एक समय 203 रन पर 7 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। हालांकि, ऋचा घोष ने अंत में नाबाद 35 रन (20 गेंदों पर) की ताबड़तोड़ पारी खेलकर स्कोर को 247 तक पहुंचाया।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, सच कहूं तो इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। हमने बस यह सोचा कि जितना लंबा खेल सकें उतना अच्छा रहेगा। पिछली बार जब हम यहां त्रिकोणीय सीरीज़ में खेले थे, तब विकेट अलग थे। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश से पिच में पकड़ आ गई थी। हमारी योजना थी कि आख़िरी तक विकेट बचाए रखें ताकि अंतिम ओवरों में रन बना सकें।

गेंदबाजी में भारत की क्रांति गौड़ ने शानदार प्रदर्शन किया। तेज़ गेंदबाज गौड़ ने पाकिस्तान की शुरुआत बिगाड़ते हुए शुरुआती दस ओवरों में सदफ शमास और आलिया रियाज़ के विकेट झटके। उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

यह वही मैदान था जहां क्रांति ने इसी साल मई में अपना वनडे डेब्यू किया था। घरेलू वनडे फाइनल में उन्होंने चार गेंदों पर चार विकेट लेकर सभी को चौंका दिया था।

कप्तान हरमनप्रीत ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, क्रांति ने शानदार गेंदबाजी की। रेनुका भी दूसरे छोर से अच्छी लाइन-लेंथ रख रही थीं, जिससे हमें शुरुआती ब्रेकथ्रू मिले।

हालांकि, भारत ने फील्डिंग में कई मौके गंवाए। टीम ने चार कैच छोड़े, जिनमें तीन कैच सिदरा अमीन के थे, जो पाकिस्तान की सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। हरमनप्रीत ने माना कि फील्डिंग में सुधार की जरूरत है।

फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का मुख्यमंत्री उमर ने किया उद्घाटन

श्रीनगर,06 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। इस वर्ष के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 टीमें भाग ले रही हैं और छह अलग-अलग स्थानों पर मैच खेले जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वुशु, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल देश के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच एकता, मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एकता और मित्रता के सेतु का निर्माण करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सरकार और आयोजकों की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपमें से किसी को भी किसी भी तरह की असुविधा हो, चाहे गर्म कपड़ों की कमी हो या कोई अन्य आवश्यकता तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। हम आपके प्रवास और भागीदारी को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मौसम की स्थिति में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने युवा एथलीटों को प्रतियोगिता और सौहार्द के अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को यादगार पलों और टूर्नामेंट में सफलता की कामना करते हुए कहा कि जैसा कि कहा जाता है कि जीतना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि भाग लेना। 30 प्रतिभागी टीमों के मार्च पास्ट की मुख्यमंत्री ने सराहना की और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद स्कूली बच्चों और दर्शकों की एक बड़ी भीड़ ने तालियां बजाईं। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम अधिकारियों ने भी खेल भावना की शपथ ली और निष्पक्ष खेल, अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

उद्घाटन समारोह में युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, लाल चौक के विधायक शेख अहसान अहमद (परदेसी), युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक अनुराधा गुप्ता, जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुज़हत गुल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

छह महीने में बिके 11 लाख इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2025) में ही 11 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 23 प्रतिशत ज्यादा है। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग लगातार बढ़ रही है और यह नया इतिहास रच रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि यह रफ्तार बरकरार रही, तो इस साल 20 लाख से अधिक ईवी की बिक्री दर्ज हो सकती है, जो पिछले साल की 19.7 लाख यूनिट्स के रिकॉर्ड से भी आगे होगा। हालांकि, हाल ही में हुए जीएसटी संशोधनों ने ईवी बाजार की रफ्तार पर कुछ असर डाला है। इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जहां सिर्फ 5 प्रतिशत है, वहीं पेट्रोल और हाइब्रिड गाड़ियों पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इनके बीच 23 प्रतिशत का अंतर था, जो अब घटकर केवल 13 प्रतिशत रह गया है। यही कारण है कि इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री पर दबाव दिखा है। अगस्त 2025 में जहां 18,290 यूनिट कारें बिकी थीं, वहीं सितंबर में यह घटकर 15,100 यूनिट रह गईं। इसके विपरीत, दोपहिया और तीनपहिया ईवी की मांग स्थिर बनी हुई है।

सितंबर में 1.04 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया और 61,000 तीनपहिया गाड़ियां बिकीं। यह अगस्त की तुलना में मामूली अंतर है, जो बताता है कि इस श्रेणी के उपभोक्ता कीमतों के उतार-चढ़ाव से अधिक प्रभावित नहीं होते। विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट के खरीदार कीमत के प्रति संवेदनशील होते हैं, इसलिए टैक्स सुधारों का असर सबसे पहले यहीं दिखाई दिया। लेकिन टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर ईवी का बाजार मजबूती से आगे बढ़ रहा है और यह ट्रेंड आने वाले वर्षों में भी जारी रहने की संभावना है। त्योहारी सीजन भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में जबरदस्त रौनक लेकर आया है और इसका सबसे बड़ा फायदा मारुति सुजुकी को मिल रहा है। कंपनी ने बताया कि इस बार नवरात्रा उसके लिए पिछले 10 सालों का सबसे शानदार सीजन रहा। शुरुआती आठ दिनों में ही मारुति ने 1.65 लाख से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी की, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इतनी अधिक डिमांड को पूरा करने के लिए कंपनी ने बड़ा फैसला लिया है। अब फैक्ट्रियां संडे और छुट्टियों में भी चलेंगी ताकि ग्राहकों को समय पर डिलीवरी दी जा सके। कंपनी के मार्केटिंग और सेल्स हेड पार्थो बनर्जी ने कहा कि इस समय 2.5 लाख गाड़ियों की डिलीवरी पेंडिंग है और लक्ष्य अक्टूबर के अंत तक अधिकतर वाहनों को ग्राहकों तक पहुंचाने का है। मारुति की रिटेल सेल्स सितंबर में 27.5 प्रतिशत बढ़ीं। कंपनी का मानना है कि हालिया जीएसटी सुधारों ने बिक्री में तेजी लाई है। दरअसल, पेट्रोल, सीएनजी और हाइब्रिड कारों पर टैक्स 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे गाड़ियां उपभोक्ताओं के लिए और सस्ती हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया नया कॉन्ग्लोमरेट फंड

ICICI PRUDENTIAL MUTUAL FUND

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए एक नई पेशकश की है। कंपनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल कॉन्ग्लोमरेट फंड नाम से एक नया ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक फंड लॉन्च किया है। इस फंड का एनएफओ 17 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। यह फंड भारत के उन प्रमोटर-नेतृत्व वाले समूहों (कॉन्ग्लोमरेट्स) में निवेश करेगा, जिनके पास कम से कम दो सूचीबद्ध कंपनियां हैं और जो अलग-अलग क्षेत्रों या उद्योगों में सक्रिय हैं। ऐसे समूह आमतौर पर वित्तीय रूप से मजबूत, कम पूंजी लागत वाले और नई तकनीकों व क्षेत्रों में विस्तार करने में सक्षम होते हैं। फंड के तहत करीब 71 बड़े कारोबारी समूहों को कवर किया जाएगा, जिनकी लगभग 240 कंपनियां विभिन्न सेक्टरों में कार्यरत हैं। 240 कंपनियों में एक साथ निवेश का मौका! 17 अक्टूबर तक खुला रहेगा एनएफओ यह योजना लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सभी तरह की कंपनियों में निवेश का विकल्प देती है, जिससे पोर्टफोलियो में विविधता और संतुलन बना रहता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि भारत के बड़े कारोबारी समूहों ने समय के साथ खुद को ढालते हुए टेलीकॉम, रिटेल और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। यह फंड उन अवसरों में भागीदारी का एक मजबूत माध्यम बन सकता है।

पॉपुलर 3-डोर थार अब नए अवतार में पेश

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी पॉपुलर 3-डोर थार को नए अवतार में पेश कर दिया है। महिंद्रा ने इस अपडेटेड एसयूवी को 9.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है। बाहर से इसे नया टू-टोन ग्रिल, डुअल-टोन बंपर और अपडेटेड फ्रंट डिजाइन मिला है। इसके अलावा लाइटिंग सिस्टम और 18-इंच अलॉय व्हील्स पहले जैसे ही हैं। ग्राहकों के लिए छह कलर ऑप्शन उपलब्ध हैं, जिनमें टैंगो रेड और बैटलशिप ग्रे नए आकर्षक विकल्प हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई थार में ऑल-ब्लैक डैशबोर्ड, नया स्टीयरिंग व्हील और रियर एसी वेंट जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। ड्राइवर के लिए स्लाइडिंग आर्मरेस्ट और ऑटोमैटिक वर्जन में डेड पेडल शामिल किया गया है। पावर विंडो स्विच अब डोर पैड पर शिफ्ट कर दिए गए हैं। रियर कैमरा, रियर वॉश और वाइपर, इंटरनली ऑपरेटेड फ्यूल लिड जैसी सुविधाएं भी अब नई थार का हिस्सा हैं। सबसे बड़ा अपडेट 26.03 सेमी का एचडी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जिसमें एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट्स, टायर डायरेक्शन मॉनिटरिंग और एडवेंचर स्टाट जेन-2 जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंजन विकल्पों में 2.0एल एमस्टालियन टर्बो पेट्रोल (150एचपी), 2.2 एल एमहॉक डीजल (130एचपी) और डी117 सीआरडीई डीजल (117एचपी) शामिल हैं। गाड़ी 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध है और आरडब्ल्यूडी व 4गुणा4 दोनों ड्राइवट्रेन विकल्प दिए गए हैं। एलएक्सटी वैरिएंट में अलॉय व्हील्स, क्रूज़ कंट्रोल, एडवेंचर स्टैट्स, रियर कैमरा और 6 स्पीकर वाला बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल हैं।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 639.25 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,846.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,077.65 पर आ गया। निवेशकों की वल्यू लिवाली के चलते सोमवार को निफ्टी तीन सत्रों में 466 अंक या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया।

रुपया सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंचा

विदेशी बाजार में डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात उछाल के कारण सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में मजबूत होकर 3 पसे की गिरावट के साथ 88.82 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एक्सिस बंक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और टाइटन पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में बढ़त के चलते घरेलू शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ सत्र का अंत किया। बड़े बंकों द्वारा घोषित मजबूत तिमाही अपडेट और आकर्षक मूल्यांकन से बंकिंग सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक लगभग 5 प्रतिशत उछल गया, जबकि हांगकांग का हंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे।

अगले दशक में पर्यटन क्षेत्र से मिलेंगी 9 करोड़ नौकरियां: रिपोर्ट

नई दिल्ली। दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए रोजगार के क्षेत्र में एक अच्छी खबर सामने आई है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार अगले दस वर्षों में पर्यटन और यात्रा उद्योग से 9.1 करोड़ नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। यह वैश्विक स्तर पर सृजित होने वाली प्रत्येक तीन नई नौकरियों में से एक के बराबर होगी। फ्यूचर ऑफ द ट्रैवल एंड टूरिज्म वर्कफोर्स नामक इस रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि यदि जनसांख्यिकीय बदलावों और कौशल विकास पर ध्यान नहीं दिया गया, तो 2035 तक इस क्षेत्र में 4.3 करोड़ कर्मचारियों की कमी हो सकती है। साल 2024 में इस क्षेत्र की मांग पहले से कहीं अधिक रही। एक साल से बढ़ रही डिमांड, 4.3 करोड़ लोगों की अभी से जरूरत यात्रा और पर्यटन उद्योग का वैश्विक जीडीपी में योगदान 8.5 फीसदी बढ़कर 10,900 अरब डॉलर तक पहुंच गया। साथ ही इस साल 2.07 करोड़ नई नौकरियां भी उत्पन्न हुईं, जिससे इस क्षेत्र में वैश्विक रोजगार की संख्या 35.7 करोड़ हो गई है। भारत के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि देश में युवा आबादी बड़ी संख्या में मौजूद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स योजना में घरेलू कंपनियों का दिखा दम, 90 फीसदी आवेदन आए

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) देने वाली स्वदेशी कंपनियां केंद्र सरकार की लगभग 22,805 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना के तहत प्रमुख आवेदक के रूप में उभरी हैं। इन कंपनियों में डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया), दिल्ली की अंबर एंटरप्राइजेज, बेंगलूरु की एक्वस, वाहन कलपुर्जा फर्म संवर्धन मदरसन, मैसूरु की केन्स टेक्नोलॉजी इंडिया और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार लगभग 90 फीसदी आवेदन भारतीय कंपनियों से आए हैं जो उनकी आक्रामक निवेश योजनाओं को दर्शाते हैं। अंबर ने योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए योग्य दो परियोजनाओं में लगभग 4,200 करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव किया है। वह उत्तर प्रदेश के जेवर में हाई-डेंसिटी इंटरकनेक्ट सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट यूनिट लगाएगी जिसका उपयोग मोबाइल उपकरणों, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाता है। इसी तरह डिक्सन ने लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ पांच सेगमेंट में आवेदन किए हैं।

अंबर दो परियोजनाओं में लगभग 4,200 करोड़ का निवेश करेगी

वह चीन की फर्म एचकेसी ओवरसीज की साझेदारी में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली प्लांट लगा रही है। मैकेनिक्स (एनक्लोजर) में डिक्सन करीब 500 करोड़ रुपये निवेश करेगी और इसके लिए उसने चोंगकिंग युहाई प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग के साथ समझौता किया है जिसकी 26 फीसदी हिस्सेदारी होगी। लीथियम-आयन सेल विनिर्माण में भी कंपनी करीब 500 करोड़ रुपये लगाएगी। इसके लिए डिक्सन वैश्विक तकनीकी साझेदार तलाश रही है।

टेस्ला ने 497,099 वाहन की रिकॉर्ड ग्लोबल सेल दर्ज की

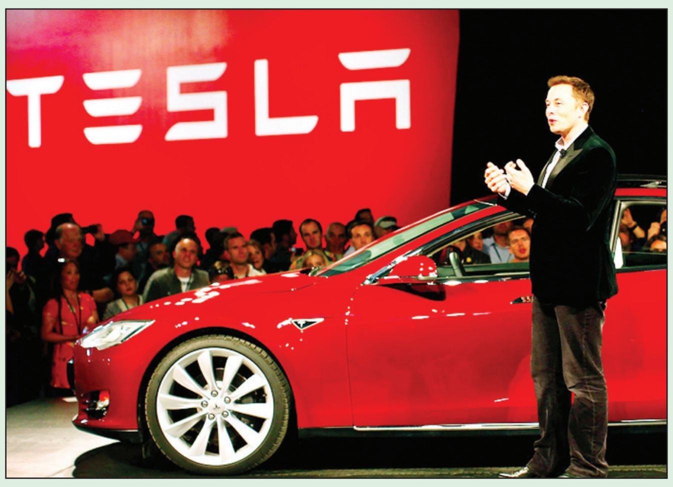

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिकी मशहूर उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने जुलाई से सितंबर 2025 तक 497,099 वाहन की रिकॉर्ड ग्लोबल सेल दर्ज की। यह बिक्री पिछले साल की तुलना में 7.4प्रतिशत अधिक है। यह संख्या वॉल स्ट्रीट के अनुमान 439,600 से कहीं अधिक थी। इस उछाल का मुख्य कारण सितंबर के अंत में समाप्त होने वाले फेडरल टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने वाले अमेरिकी ग्राहकों की भारी भीड़ है। इस ग्रोथ का अधिकांश हिस्सा मॉडल 3 और मॉडल वाय से आया, जिनकी कुल बिक्री 481,166 वाहन रही। वहीं, मॉडल एस, मॉडल एक्स और साइबरट्रक की बिक्री में 30प्रतिशत की गिरावट आई। इंडस्ट्री एनालिस्ट का कहना है कि यह बिक्री उछाल नई मांग का संकेत नहीं बल्कि समय का असर है। सीईओ एलन मस्क ने चौथी तिमाही में धीमी मांग को लेकर चेतावनी दी है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में कमी होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये से लेकर 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये से लेकर 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,19,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,19,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,09,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,19,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,19,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,09,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,19,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,09,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार में...

राज्य में अक्टूबर 2005 में हुए विधानसभा चुनाव चार चरण में आयोजित किए गए थे। इस चुनाव में 243 सीटों पर कुल 2135 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इसमें पुरुष उम्मीदवारों की भागीदारी 93 फीसदी (1999) और महिला उम्मीदवारों की भागीदारी सात फीसदी (136) थी।बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद आई अंतिम मतदाता सूची में कुल 7.4 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें पुरुष मतदाताओं का संख्या 3.9 करोड़ है। महिला मतदाताओं का आंकड़ा 3.4 करोड़ है। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब 41 लाख की कमी आई है। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार पांच लाख से ज्यादा नए मतदाता वोट डालेंगे।आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में निर्वाचन आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवाया गया था। इसमें नए सिरे से बिहार में मतदाताओं की गणना की गई। यह प्रक्रिया जून से शुरू हुई थी जिसकी अंतिम सूची 30 सितंबर को आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। 30 सितंबर 2025 को आई इस सूची के अनुसार बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत है। 2020 में यह आकड़ा 7,36,47,660 था। यानी, 2020 के मुकाबले इस बार चुनाव में 5,44,697 मतदाताओं का इजाफा हुआ है। हालांकि, एसआईआर के बाद राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 47,77,487 कमी आई है।2025 के विधानसभा चुनाव में 3,92,07,804 पुरुष मतदाता वोट डालने के लिए पात्र हैं। 2020 में यह आंकड़ा 3,87,89,388 था। पिछले चुनाव के मुकाबले पुरुष मतदाताओं की संख्या में 4,18,416 का इजाफा हुआ है। महिला मतदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में कुल 3,49,82,828 महिला मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 3,48,55,815 थी। पांच साल में महिला मतदाताओं की संख्या में 1,27,013 का इजाफा हुआ है। इसके अलावा इस चुनाव में 1,725 अन्य मतदाता भी वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 2,457 थी। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 18-19 आयु वर्ग के 14,01,150 युवा मतदाता हैं। 20-29 आयु वर्ग के 1.63 करोड़ मतदाता हैं। वहीं, दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 7,20,709 है।एसआईआर से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7,89,69,844 थी। एसआईआर के बाद 47,77,487 मतदाताओं को हटाया गया। आयोग ने बताया कि 22,34,136 मतदाताओं का मौत हो चुकी है। 6,85,000 मतदाता एक से ज्यादा बार दर्ज थे। 36,44,939 मतदाता स्थाई रूप से बिहार से बाहर चले गए। एसआईआर में दावे आपत्ति के बाद 3,66,742 मतदाता घटे हैं।

निष्पक्ष चुनाव की ...

विधानसभा चुनाव में कोई भी आपराधिक या असामाजिक तत्व, किसी तरह की बाधा न पहुंचा सकें, इसके सीएपीएफ की 500 कंपनियों को तैनात किया गया है। आने वाले दिनों में केंद्रीय बलों की संख्या बढ़ भी सकती है। अग्रिम तैनाती के दौरान केंद्रीय बल, बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन, विश्वास निर्माण के उपाय, फ्लैग मार्च और सर्विलांस का काम करेंगे। हालांकि प्रशासन द्वारा डिटेल डेप्लॉयमेंट प्लान को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार से आग्रह किया गया है कि वह केंद्रीय बलों के लोकल ट्रांसपोर्टेशन, लॉजिस्टिक, रहने की जगह और दूसरी आवश्यकताओं बाबत त्वरित निर्णय लें। चुनाव के दौरान सीएपीएफ की कंपनियों द्वारा किए गए सभी तरह के मूवमेंट की जानकारी प्रतिदिन, केंद्रीय गृह मंत्रालय को दी जाएगी।

पायलट संघ ने ...

उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि डीजीसीए बोइंग 787 के इलेक्ट्रिकल सिस्टम की पूरी जांच करे और दोषों को दूर करे। हालांकि अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग ने इस मामले में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

रैम एयर टर्बाइन यानी आरएटी एक सुरक्षा उपकरण है, जो तब सक्रिय होता है जब विमान की मुख्य बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम में किसी तरह की समस्या आ सकती है। इलेक्ट्रिकल फेलियर, हाइड्रॉलिक सिस्टम फेलियर और दोनों इंजन फेल होने पर ये प्लेन के निचले हिस्से से बाहर निकल आता है। जबकि ऐसी स्थिति में ये रेडियो समेत फ्लाइट के जरूरी कंट्रोल्स को चालू रखने का काम करता है। हालांकि इससे विमान ऊपर नहीं जा सकता है, इसे एक छोटे प्रोपेलर की तरह माना जाता है। हालांकि, इस घटना के दौरान सभी बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम सामान्य पाए गए, और विमान की बर्मिंघम हवाई अड्डे पर लैंडिंग कराई गई।

गिरनार पर्वत पर ...

तीर्थयात्रियों को यहां चढ़ने के लिए लगभग 10,000 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। जैन मंदिर पर्वत के करीब दो-तिहाई हिस्से पर हैं, जिनमें 12वीं सदी के नौवें तीर्थंकर नेमिनाथ का मंदिर प्रमुख है। ऊपर की ओर देवी अम्बा माता सहित कई हिंदू मंदिर हैं।

भारत और ब्रिटेन...

साथ ही वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जटिल ऑपरेशन करने का अभ्यास करते हैं। इस मिशन में 12 अन्य देशों के जहाज और सैनिक शामिल होते हैं। अभ्यास पूरा होने के बाद कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के जहाज मुंबई और गोवा के बंदरगाहों पर पहुंचेंगे, जहां भारत साथ बढ़ते सैन्य सहयोग का जश्न मनाया जाएगा और ब्रिटेन के व्यापार और उद्योग को भी वहां दिखाया जाएगा। यह भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत और जीवंत संबंधों का भी प्रतीक होगा। ब्रिटेन की भारत में उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने कहा कि भारत और ब्रिटेन एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसा करते हैं और आधुनिक रक्षा और सुरक्षा साझेदारी की महत्वाकांक्षा रखते हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा इस वर्ष सहमति से स्थापित ब्रिटेन-भारत विजन 2035 का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन – राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयदशमी उत्सव

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार दि. 05-10-2025 को मारेडपल्ली, महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी हनुमान मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयदशमी उत्सव आयोजित हुआ। संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी उत्सव के अंतर्गत समाज में संघ को ले जाने के इस महत्त्वपूर्ण कार्य का विवरण प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष गोयल (प्रख्यात उद्योगपति), वक्ता के रूप मेंराका सुधाकर (प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार) और नगर संघचालक मांकाली रामराव ने समारोह की शोभा बढ़ाई। रामायण और महाभारत में हुई घटनाओं को विजयदशमी प्रसंगों से जोड़ते हुए संघ के 100 वर्षों के समाजसेवा कार्यों की जानकारी दी गई।

प.पू. डॉ. केशवराव बलिराम पंत हेडगेवार जी के 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के बाद, शताब्दी वर्ष में वक्ताओं ने संगठित समाज ही शक्ति है संदेश देते हुए कहा कि समाज के माध्यम से ही देश पुनः विश्वगुरु की ओर अग्रसर हो सकता है।

भगवद्गीता के संवाद के आधार पर समझाया गया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत... कहते हुए अवतार की अवधारणा समझाई थी, और बताया कि कलियुग में वे किसी एक व्यक्ति के रूप में नहीं, अपितु संगठित समाज के रूप में अवतरित होंगे, वही समाज उनकी शक्ति बनेगा।अंत में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज में पंच परिवर्तन के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए आयोजन का समापन हुआ।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में प्रश्नमंच प्रतियोगिता सम्पन्न

हिंदी चेतना मास समारोह की श्रृंखला में उत्साहपूर्ण आयोजन

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की शृंखला में आज, 06 अक्तूबर, 2025 को हिंदी में प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता का उद्देश्य सहभागियों में हिंदी भाषा में समझना एवं उनका उत्तर देना है। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि) संवर्ग के लगभग 30 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। सहभागियों को 'बाजरा', 'ज्वार', 'रागी', 'कंगनी', 'कोदो', 'कुटकी' एवं 'चेना' नाम से छह समूहों में विभाजित करके प्रतियोगिता का संचालन किया गया।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, डॉ. हरिप्रसन्ना के, प्रधान वैज्ञानिक, तथा डॉ. वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी ने प्रतियोगिता के दौरान संचालकों/निर्णायकों की भूमिका निभाई।

डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने आकर्षक रूप में इस प्रश्नमंच के पीपीटी निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशर के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 153वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा जाट सेवा संघ मिर्जागुडा जनवाडा के सहयोग से 153वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप शंकरपल्ली मंडल के जनवाडा स्थित ब्रिलिएंट स्कूल मिर्जागुड़ा में आयोजित किया गया।

यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा सामान्य चिकित्सा, हृदय रोग, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की जांच की गई जिसमें डॉ. गायत्री और डॉ. पूजिता सहित नर्सिंग स्टाफ माधवी, स्वाति और आकाश, 2डी इको तकनीशियन अलकेन्दु, बीएमडी तकनीशियन मोहन एवं मार्केटिंग उदय कुमार ने सहयोग दिया। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद साधुराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा नेत्र जांच की गई जिसमें मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 4, पटैरिजियम के लिए 6, रेटिना के लिए 3, बाल चिकित्सा ऑपरेशन के लिए 4 और 57 को चश्मे का वितरण किया गया। इसमें नेत्र विशेषज्ञ श्रीमती विजयश्री, नेत्र विशेषज्ञ ताहा, सौमिक इंटर्न, नरसिंह राव एवं भास्कर ने सहयोग प्रदान किया। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक के सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल सुगंधी ने सेवा प्रदान की। अवसर पर कुल 182 रोगियों की जांच की गई।

अवसर पर शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, स्थानीय भागीदार, जाट सेवा संघ, तेलंगाना के एम. कमल सिंह, एम. किशन सिंह, डी. तुलजाराम सिंह, डी. श्याम सुंदर सिंह, स्कूल के चंद्र मूली, एन क्रांति सिंह. डी. विजय लक्ष्मी, टी. सरिता. जी.सरिता, बी विवेक सिंह, बी. वैष्णवी सिंह, राजपूत समाज की बी शांता देवी. स्वयंसेवक निर्मला केडिया, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य ने अपना सहयोग देकर इसे सफल बनाया।इस मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन अस्पताल की टीम ने हृदय रोग और हड्डी रोग जैसी गंभीर बीमारियों की जांच पर विशेष ध्यान दिया, जहां ईसीजी और 2डी इको जैसी उन्नत सुविधाओं का उपयोग किया गया। डॉ. गायत्री और डॉ. पूजिता ने बताया कि कई रोगियों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लक्षण पाए गए, जिन्हें तत्काल दवाओं के माध्यम से नियंत्रित करने की सलाह दी गई। नर्सिंग स्टाफ ने बीपी और आरबीएस जांच के दौरान सैकड़ों लोगों की स्क्रीनिंग की, जबकि तकनीशियनों अलकेन्दु और मोहन ने बीएमडी टेस्ट के जरिए ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को पहचाना। लायंस क्लब की नेत्र जांच नेत्र स्वास्थ्य को मजबूत करने का माध्यम बनी, जहां 57 चश्मों का वितरण न केवल दृष्टि सुधारने में सहायक हुआ बल्कि स्थानीय समुदाय में जागरूकता भी फैलाई। नेत्र विशेषज्ञों ने जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जांच की कमी से कई जटिलताएं बढ़ रही हैं, और ऐसे कैंप इनकी रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रुद्राभिषेक व भजन संध्या में भक्तिमय वातावरण, जयघोषों से गूंजा परिसर

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुनील-सुनीता पाण्डेय के निवास पर रुद्राभिषेक और भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान हर हर महादेव तथा जय श्री राम् के जयघोषों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।रुद्राभिषेक व भजन संध्या में मुख्य रूप से कमलेश त्रिपाठी स्वामी, रामपाल पाण्डेय, रावेन्द्र मिश्रा, काशीराम शर्मा, रामशिरोमणि तिवारी, नीरज तिवारी, अवधेश परोहा, सुशील महराज, बाबूलाल द्विवेदी, भोले महराज, विष्णु-दत्त पाण्डेय, नीलेश मूंदड़ा, गिरिराज मिश्रा, विजय कुमार तोतला, अनिल रंधावा, आनन्द चेतन गिरी, अनिल कुमार पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय, राकेश शुक्ला, परीक्षित द्विवेदी, विनीत शुक्ला, मनीष द्विवेदी, कुलदीप तिवारी, उमेश, संदीप शुक्ला, राजीव, रूबी पाण्डेय, धनेन्द्र गौतम, अमित, राजेश, भागवत गौतम, सुनील त्रिपाठी, विनय पाण्डेय, ब्रजेश शुक्ला, गोपाल महराज, रघुनंदन पयासी सहित विंध्याचल क्षेत्र के कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भजन गायकों में वायलिन वादक योगेन्द्र पाण्डेय, शशिनारायण द्विवेदी, राजेश द्विवेदी, संतोष पाठक, सतीश त्रिपाठी, कमलेश द्विवेदी, महेश गौतम, सोनू मिश्रा, जीवेश द्विवेदी, पुष्पेंद्र शुक्ला, प्रवीण द्विवेदी, प्रकाश गर्ग, पैसूनी तिवारी, नीरज शुक्ला, सौरभ पाण्डेय, शुभम गौतम, नितिन, सीताशरण, संजय आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर किया।

पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह और श्रद्धा स्पष्ट दिखाई दी। जैसे ही रुद्राभिषेक संपन्न हुआ, समस्त परिसर हर हर महादेव और जय श्री राम की गूंज से सराबोर हो गया। अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया, जिससे कार्यक्रम का समापन हुआ।

उर्मिला देवी पचेरीया की पुण्यतिथि पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर के पास स्थित गौशाला के सामने श्रीमती उर्मिला देवी अग्रवाल (पचेरीया) की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अन्नदान किया गया। सोमवार की सेवा गोविंदराम पचेरीया परिवार की और से की गई। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, पन्नालाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर योगा, गोविंद राम पचेरीया, अरुण विजयवर्गी, दीपक पचेरीया, शिवभगवान, अनिल भाई, लता गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल एवं आशीष उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा पर राधे राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास राधे राधे ग्रुप ने शरद पूर्णिमा के अवसर अन्नदान किया।इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, भगतराम गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, महेश गुप्ता, राजेश नथानी, अनिता नथानी, नंदकिशोर अग्रवाल एवं ई-जगन चम्पापेट आदि उपस्थित थे।

मां बनभौरी वाली का अमृत महोत्सव 1 फरवरी को

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां बनभौरी परिवार भाग्यनगर की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सुशील मित्तल, रमेश मित्तल, ओमप्रकाश बंसल, कपिल गर्ग, संजीव गर्ग, संदीप सोनी, संजीव कुमार गर्ग, विनोद सिंगल, पंडित राजीव शर्मा और विनोद गर्ग ने भाग लिया। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि मां बनभौरी वाली का आठवां अमृतमहोत्सव आगामी 1 फरवरी को हरियाणा भवन, पैराडाइज पर हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों के संबंध में सभी सदस्यों ने आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए।

कल्याण संस्था ने अनुराग चिल्ड्रन होम और अनाथालय में धूमधाम से मनाया दशहरा

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल्याण संस्था ने अनुराग चिल्ड्रन होम और अनाथालय के बच्चों के साथ दशहरा (विजयादशमी) का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। यह आयोजन मौलाली स्थित अनाथालय परिसर में सुबह 11 बजे आरंभ हुआ, जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में खुशियाँ लाना और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का संचार करना था।कार्यक्रम की शुरुआत में कल्याण संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर एक सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सभी उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों की इस मनमोहक प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी।समारोह का मुख्य आकर्षण संस्था के कार्यकर्ताओं और बच्चों के बीच हुई रस्सा खींच और चोर-पुलिस जैसी मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएँ रहीं। इसके अतिरिक्त बच्चों के लिए कई अन्य सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम के अंत में सभी को स्वादिष्ट विशेष भोजन परोसा गया।कल्याण संस्था की अध्यक्ष आरोही रावत ने इस अवसर पर कहा कि दशहरा का पर्व हमें यह सिखाता है कि सत्य और अच्छाई की हमेशा जीत होती है। हमारा प्रयास है कि अनुराग चिल्ड्रन होम के बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखना ही हमारी संस्था का सबसे बड़ा पुरस्कार है।अनुराग चिल्ड्रन होम और अनाथालय की प्रबंधक नीता ने कल्याण संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कल्याण संस्था का यह कदम अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजन बच्चों को एक सामान्य, आत्मविश्वासी और खुशहाल जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे जिनमें कोषाध्यक्ष आदित्य, प्रभा पेटवाल, सुनील पेटवाल, अमित थपलियाल, अभिलाष, बबीता, सावित्री रावत एवं सुभाष चंद्रा ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को उपहार वितरित किए और उन्हें आशीर्वाद दिया।कल्याण संस्था ने आश्वासन दिया कि वह भविष्य में भी समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर बच्चों के लिए, ऐसे कल्याणकारी और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

पित्ती ट्रस्ट-लोहिया समता न्यास द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन पत्र वितरण प्रारम्भ

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को अस्सी लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु आज आवेदन पत्र वितरण प्रक्रिया आरंभ की गयी। आवेदन पत्र वितरण केंद्रों पर विद्यार्थियों की लम्बी लाइनें देखी गई ख सभी वितरण केंद्रों पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र प्राप्त किये। आज 400 से अधिक आवेदन पत्रों का वितरण किया जा चुका है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्रमंगलवार, 13 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएँगे।

आज यहाँ अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष डिग्री तथा पोस्ट ग्रैजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 800 विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 8000 से 27.000 रुपये तक की छात्रवृत्ति (निर्धारित नियमानुसार) प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति सभी धर्म एवं जातियों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति केवल 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ही मिलेगी। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जा रहे हैं। आवेदन पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड तथा मार्क्स शीट की मूल प्रति जाँचने के बाद ही दिए जाएँगे। आवेदन पत्र वितरण आज ट्रस्ट के सोमाजीगुड़ा स्थित कार्यालय, कैलाश केडिया (श्याम कुंज, आदर्श नगर), उमिला अग्रवाल (बंजारा हिल्स), प्रदीप अग्रवाल (तम्बाकू बाजार), दीपक गुप्ता (नवीन इंटरप्राइजेज, तुरूप बाजार), सुधीर गुप्ता (मोजमजाही मार्किट), सुरेंद्र गोयल (नारायण गुडा) से प्राप्त किए जा सकते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्य आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु समाज के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं ख बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता समाज सेवी शरद बी. पित्ती ने योग्य विद्यार्थियों से शिक्षा छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

टीपीएफ हैदराबाद द्वारा 'फ्यूजन एडिशन 10' का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) हैदराबाद द्वारा 'फ्यूजन एडिशन 10' का सफल आयोजन साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणा श्री जी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हिम्मत जी मांडोत की अध्यक्षता में रविवार, 5 अक्टूबर को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत राकेश कठोतिया एवं टीपीएफ टीम द्वारा मंगलाचरण से हुई। टीपीएफ हैदराबाद अध्यक्ष वीरेन्द्र घोषल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, उनकी टीम तथा सभी पधारे हुए महानुभावों का स्वागत किया और साध्वी श्री जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि टीपीएफ ने वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए फ्यूजन 10 के अंतर्गत यह नवोन्मेष वेदिका कार्यक्रम आयोजित किया है। उन्होंने परिवार नियोजन, समय नियोजन और आर्थिक नियोजन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। साध्वी मेरु प्रभा जी, मयंक प्रभा जी और दक्ष प्रभा जी ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की, जबकि साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में परिवार में आनंदमय वातावरण बनाए रखने के सरल उपाय साझा किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत जी मांडोत ने टीपीएफ की स्थापना, उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा 16 वर्ष पूर्व टीपीएफ की स्थापना की गई थी और आज देशभर में इसके 11,000 से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि टीपीएफ अध्यात्म, स्वास्थ्य, शिक्षा, नेटवर्किंग एवं बौद्धिक विकास के क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य कर रही है। संस्था हर वर्ष जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा शुल्क में सहयोग करती है, हेल्थ कैम्प आयोजित करती है और समाजहित में अनेक गतिविधियाँ संचालित करती है। उन्होंने टीपीएफ हैदराबाद को पिछले 10 वर्षों से लगातार 'फ्यूजन' कार्यक्रम आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया।कार्यक्रम में टीम फेमिना की वर्षा जी, श्वेता जी और पूजा जी ने मनमोहक प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय महामंत्री मनीष जी कोठारी ने ऑनलाइन शुभकामनाएँ दीं, जबकि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश जी कठोतिया ने टीपीएफ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय संयुक्त सचिव मोहित जी बैद ने टीपीएफ शाइन के बारे में जानकारी दी। साउथ ज़ोन अध्यक्ष विक्रम जी कोठारी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि दक्षिण क्षेत्र ने इस वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किया है।एएमकेसी चेयरपर्सन वंदना जी डांगी ने आचार्य महाप्रज्ञ नॉलेज सेंटर परियोजना के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय टीम सदस्य अभय जी चंडालिया ने नेटवर्किंग पर प्रकाश डाला, जबकि सभा अध्यक्ष सुशील जी संचेती ने सभी संस्थाओं की ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

फ्यूजन एडिशन 10 के प्रथम मुख्य वक्ता श्री अजय जी जैन ने स्टार्टअप्स के विषय पर विशेष जानकारी दी, वहीं द्वितीय मुख्य वक्ता श्रीमती सूर्य प्रभा जी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम सदस्य दीपक जी संचेती, रिषभ जी दुगड़, नवीन जी सुराणा, पंकज जी संचेती (आईपीपी), सभा अध्यक्ष सुशील जी संचेती, महिला मंडल मंत्री निशा जी सेठिया, तेयुप अध्यक्ष राहुल जी गोलछा, जेटीएन प्रभारी मिनाक्षी सुराणा, टीपीएफ उपाध्यक्ष सुनील जी पगारिया, वर्षा जी बैद, निखिल जी कोटेचा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सहमंत्री मोहित जी बैद, निवर्तमान अध्यक्ष पंकज जी संचेती और जयंती जी गोलछा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस आयोजन के संयोजक उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा, वर्षा बैद, सुनील पगारिया, हितेश बोथरा, पीयूष भूतोरिया, वर्षा दुगड़, डॉ. श्वेता मेहता, पुनीत दुगड़ एवं गौरव भूतोरिया रहे, जिनकी मेहनत से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

कार्यक्रम का कुशल संचालन वर्षा बैद और डॉ. श्वेता मेहता ने किया, जबकि आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

जैन जागृति केंद्र हैदराबाद का गरबा रास कार्यक्रम नामपल्ली स्थित होटल क्वालिटी इन रेसिडेंसी में आयोजित हुआ। इस आयोजन ने जैन समुदाय के सदस्यों को एकजुट किया, जहां पारंपरिक गरबा और रास नृत्यों के माध्यम से मां दुर्गा की भक्ति व्यक्त की गई।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में स्व-रोजगार कोर्स डेमो कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद एवं यूथ एजुकेशन, एंप्लॉयमेंट एण्ड वेल्फेर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी प्रचार सभा के प्रांगण में फैशन डिज़ाइन, ब्यूटिशयन तथा मग्गम वर्क जैसे स्व-रोजगार कोर्सों का नि:शुल्क अवगत (फ्री डेमो) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को उपस्थित महिलाओं एवं युवाओं ने विशेष उत्साह के साथ अपनाया।

सभा के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली ने बताया कि हिंदी प्रचार सभा की स्थापना 1935 में हुई थी, तब से लाखों विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा सीखी और हजारों को सरकारी व सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में हिंदी अध्यापक के रूप में रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संगठन हिंदी के साथ-साथ फैशन डिज़ाइन, ब्यूटिशयन, मग्गम वर्क समेत नए स्व-रोजगार कोर्स भी आयोजित कर रहा है, जिसका लाभ इंटर, डिग्री, पी.जी. छात्र तथा गृहिणियाँ आसानी से ले सकती हैं। ये तीन माह का कोर्स अक्तूबर 23 से आरंभ होगा।फैशन डिज़ाइन ट्रेनर एलिजाबेत राणी एवं ब्यूटिशयन ट्रेनर प्रेमा ने कार्यक्रम के दौरान बताया कि इन कोर्सों के माध्यम से महिलाएँ स्वशक्त होकर आत्मनिर्भर जीवन जी सकती हैं और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकती हैं।इस मौके पर सभा के कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, कोषाध्यक्ष एस. गिरिधर राव, विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष के. रामचंदर, रजिस्ट्रार डॉ. शंकर सिंह ठाकुर, कार्यालय मंत्री वेंकटेश्वर, नामदेव वाघमोडे, शिवलिंगम, माया पांडे, प्रमुख साहित्यकार डॉ. सादिक, स्व-रोजगार ट्रेनर एलिजाबेत राणि एवं प्रेमा और प्रमुख कंपनी फाइनेंस एडवाइजर धीरज समेत कई गणमान्य महिलाएँ उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम से महिलाओं व बेरोजगार युवाओं को स्व-रोजगार की नई दिशा मिली और हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद लगातार समाज में सशक्तिकरण का संदेश दे रही है।

श्री श्याम मंदिर में गीत चाँदनी का शारदोत्सव कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 6 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में गीत चाँदनी की 44वीं वर्षगाँठ पर काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, वीरन्ना गुट्टा के सौजन्य से शारदोत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन मंगलवार, 07 अक्तूबर, 2025 को सायं 6 बजे से संपन्न होगा।

शारदोत्सव कवि सम्मेलन में कर्नाटक साहित्य परिषद् तेलंगाना घटक के अध्यक्ष डॉ. जी. विट्ठल जोशी, सुप्रसिद्ध डॉ. मोहन गुप्ता, समाज सेवी श्री परमानंद बंसल, समाज सेविका श्रीमती अरुणा शिंदे, श्री रामदेव अग्रवाल, परमानंद बंसल, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के पूर्व महामंत्री डॉ. भगवंत राव, श्रीमती शोभा दुबे आदि बतौर मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, सम्मानित अतिथि और सम्माननीय अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर हिंदी सवी श्री ठाकुर दिनेश सिंह शरद पूर्णिमा के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। अवसर पर दक्षिण से प्रकाशित कविता प्रधान मासिक पत्रिका 'गोलकोण्डा दर्पण' के नये अंक सितंबर, 2025 का लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और सुप्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती शोभा दुबे के करकमलों द्वारा संपन्न होगा।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे। गोलकोण्डा दर्पण मासिक पत्रिका के संपादक व कवि गोविंद अक्षय संचालन करेंगे और गीत चाँदनी की महत्वपूर्ण एवं बहुआयामी गतिविधायों से सभी को अवगत करायेंगे। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी और गीत चाँदनी के पदाधिकारियों में श्री चंपालाल बैद, श्री संतोष कुमार मिश्रा 'माधुर्य', श्री ठाकुर जितेंद्र सिंह, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्री ठाकुर दिनेश सिंह कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति और श्रीमती शोभा दुबे व डॉ. विट्ठल जोशी की ओर से सभी अतिथियों और कवियों का सम्मान किया जाएगा। मंदिर के पवित्र वस्त्र द्वारा सम्मान किया जाएगा और स्मृति- चिह्न प्रदान किये जाएंगे।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्री राज मित्र मण्डल द्वारा आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा । भजन गायक एवं श्री राज मित्र मण्डल के सुरेश अग्रवाल एवं प्रवीण अग्रवाल का सम्मान करते हुए श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहल अग्रवाल एवं पंकज सिंगला । अवसर पर उपस्थित भक्तगण । इस संकीर्तन कार्यक्रम ने भक्तों के बीच भक्ति का अनूठा संगम रचा, जहां पंकज ओझा के मधुर भजनों ने वातावरण को दिव्य बना दिया। श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर के परामर्शदाताओं द्वारा सुरेश अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल को सम्मानित करने का क्षण अत्यंत भावुक रहा, जिसमें सभी ने श्री श्याम बाबा की कृपा का आह्वान किया। उपस्थित भक्तगणों ने तालियों और जयकारों से इस आयोजन को सफल बनाया, जो मन्दिर की सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का माध्यम बना।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय में

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित

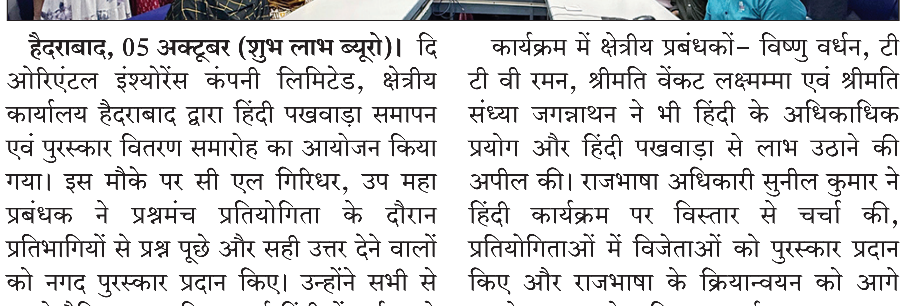

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद द्वारा हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर सी एल गिरिधर, उप महा प्रबंधक ने प्रश्नमंच प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे और सही उत्तर देने वालों को नगद पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी से अपने दैनिक प्रशासनिक कार्य हिंदी में पूर्ण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधकों- विष्णु वर्धन, टी टी वी रमन, श्रीमति वेंकट लक्ष्मम्मा एवं श्रीमति संध्या जगन्नाथन ने भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और हिंदी पखवाड़ा से लाभ उठाने की अपील की। राजभाषा अधिकारी सुनील कुमार ने हिंदी कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की, प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और राजभाषा के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का सफल संचालन और धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार ने किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर दी स्वास्थ्य की शुभकामनाएँ

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को बेंगलुरु में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खड़गे के शीघ्र स्वस्थ होने और सक्रिय सार्वजनिक जीवन में वापसी की कामना की।83 वर्षीय खड़गे ने हाल ही में एमएस रामैया अस्पताल, बेंगलुरु में पेसमेकर प्रत्यारोपण कराया था। डॉक्टरों ने उन्हें प्रक्रिया के बाद आराम करने की सलाह दी है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, VICTORIA, is legally wedded spouse of Service No. 13914660Y, Rank: EX-NK, Name:Late ALBERT, residing at House No. 29-1446/3, Kakatiya Nagar, Neredmet, Teh: Malkajgiri, Dist:Medchal-Malkajgiri, State:Telangana, Pin:500056, I have Changed My name & DOB from VICTORIA to VICTORY ALBERT and DOB at 17/05/2025 to 18/08/1949

CHANGE OF NAME
I, NALAWADE SINDHU PRADIP, is legally dependent Mother of Service No. 17008201M, Rank: NK, Name: NALAWADE SACHIN PRADIP, Unit. 2 TRG BN, 1 EME CENTRE, Secunderabad, residing at Vill: KALAMBHE, PO:Sarjapur, Teh: Wai, Dist:SATARA, State:MAHARASHTRA, Pin:415514, I have Changed my name from NALAWADE SINDHU PRADIP to SINDHU PRADIP NALAWADE, My Date of Birth is 02-06-1967, Affidavit Singed by Advocate And Notary P DAYAVATHI, LLM date 06/10/2025.

CHANGE OF NAME & DOB
I, T SARITHA is legally wedded Spouse of service No 14652666F, Rank-HAV,Name-R Murali Mohan, R/oVill-Somala, PO-Somala, PS-Somala,Teh-Punganur,District-Chittoor,PIN-517257,State-Andhra Pradesh, have changed my name from T SARITHA to R SARITHA and also Date of Birth changed from 11/09/1981 to 01/01/1984 add in my Husband service documents before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad date 06 Oct 2025.

CHANGE OF NAME
I, NALAWADE PRADIP DADU, is legally dependent Father of Service No. 17008201M, Rank: NK, Name: NALAWADE SACHIN PRADIP, Unit. 2TRG BN 1EME CENTRE, Secunderabad, residing at Vill: KALAMBHE, PO:Sarjapur, Teh: Wai, Dist:SATARA, State:MAHARASHTRA, Pin:415514, I have Changed my name from NALAWADE PRADIP DADU to PRADIP DADU NALAWADE, My Date of Birth is 15-06-1960, Affidavit Singed by Advocate And Notary P DAYAVATHI, LLM date 06/10/2025.

CHANGE OF NAME
I, RAVADA DHANUNGAYA RAO is legally Father of service No 17012739L, Rank-NK,Name-Ravada Ramana Kumar, R/oVill-Alamajipeta, PO-Ponduru, District-Srikakulam,PIN-532402,State-Andhra Pradesh, have changed my name from RAVADA DHANUNGAYA RAO to RAVADA DHANUNJAYA RAO add in my Son service documents vide affidavit date 03 Oct 2025 before Notary M B Santosh Kumar Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No 14652666F, Rank-HAV, Name-R Murali Mohan, R/oVill-Somala, PO-Somala, PS-Somala, Teh-Punganur,District-Chittoor, PIN-517257,State-Andhra Pradesh, have changed my son name from RAGGARI PRANAV to R MUNI PRANAV add in my service documents vide affidavit date 03 Oct 2025 before Notary M B Santosh Kumar Advocate Secunderabad.

वधू चाहिए
हैदराबाद, लंगर हाउस निवासी 37 वर्षीय उच्च शिक्षित, सुन्दर, सुशील व संपन्न परिवार के इकलौते युवक को हिन्दी भाषी, शुद्ध शाकाहारी, मध्यम वर्गीय परिवार की (तलाकशुदा भी चलेगी) वधू की आवश्यकता है। संपर्क करें- 9701813435 / 7799578717.

CHANGE OF NAME
I, RAVADA RUNITHA is legally wedded Spouse of service No 17012739L, Rank-NK,Name-Ravada Ramana Kumar, R/oVill-Alamajipeta, PO-Ponduru, District-Srikakulam,PIN-532402, State-Andhra Pradesh, have changed my name from RAVADA RUNITHA to RUNITHA GANDI add in my Husband service documents before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad date 06 Oct 2025.

तेलंगाना सरकार ने कॉर्पोरेट-मानक स्कूल शुरू किया, डिजिटल कक्षाओं का वादा किया

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को एर्रामंजिल में नवनिर्मित सरकारी स्कूल का उद्घाटन किया, जिसे 8 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है और कॉर्पोरेट स्तर की सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।स्थानीय विधायक दानम नागेन्द्र, सांसद अनिल कुमार यादव, पार्षद विजया रेड्डी, हैदराबाद कलेक्टर हरिचंदना और वरिष्ठ आरएंडबी अधिकारी उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए, कोमाटिरेड्डी ने कहा कि एर्रामनज़िल सरकारी स्कूल को तेलुगु राज्यों के सर्वश्रेष्ठ मॉडल स्कूलों में से एक के रूप में उभरने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने कहा, हमने इस स्कूल को कॉर्पोरेट स्तर के मानकों के साथ बनाया है और जल्द ही इसमें डिजिटल कक्षाएँ और वातानुकूलित कमरे भी शामिल किए जाएँगे। यह हमारी सरकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिक्षा क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने 20,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सभी निर्वाचन क्षेत्रों में युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू किया है।

नलगोंडा में एकीकृत स्कूल पहले ही स्लैब चरण में पहुँच चुका है। तेलंगाना आधुनिक शिक्षण बुनियादी ढाँचे के लिए एक नया मानक स्थापित कर रहा है, उन्होंने विधायक दानम नागेंदर, कलेक्टर हरिचंदन, आरएंडबी इंजीनियरों और निर्माण एजेंसी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा।

गांधी अस्पताल में नवीनीकृत आर्थोपेडिक और बर्न्स ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 170 वर्ष पुराने गांधी अस्पताल, जो भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित सार्वजनिक अस्पतालों में से एक है, ने आज अपने नवनिर्मित आर्थोपेडिक ऑपरेशन थिएटर और बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी ऑपरेशन थिएटर विद वार्ड का उद्घाटन किया। यह कदम अस्पताल की रोगी-केंद्रित उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की परंपरा को और मज़बूत करता है।

-अर्पण और रोगी सहायता ट्रस्ट की पहल
-खीवराज सुराणा परिवार, एसपीएम ग्रुप और एसवीएस रिफकंप प्राइवेट लिमिटेड ने किया सहयोग

यह पहल अर्पण द्वारा संचालित की गई, जो हैदराबाद स्थित एक गैर-सरकारी संगठन है। अर्पण की स्थापना कुछ मित्रों के समूह ने समाज में समावेशी वातावरण बनाने के उद्देश्य से की थी। अपनी प्रमुख 'प्रोजेक्ट अपलिफ्ट' पहल के तहत अर्पण ने तेलंगाना सोशल वेलफेयर स्कूल का नवीनीकरण किया, जिससे सीधे तौर पर 750 से अधिक वंचित बालिकाओं को लाभ मिला। इसके साथ ही, संस्था ने कवडिगुड़ा और बंसीलालपेट श्मशान घाटों का भी नवीनीकरण किया, जिससे समुदायों के लिए सम्मान, स्वच्छता और सुविधा सुनिश्चित हुई।

अर्पण वर्तमान में कौशल भारत, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण और स्वास्थ्य सेवा विस्तार जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यरत है।

गांधी अस्पताल में इस पहल के तहत अर्पण के सहयोगी रहे रोगी सहायता ट्रस्ट (Rogi Sahayata Trust), जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सामाजिक कल्याण और आपात राहत के क्षेत्र में एक प्रेरक संगठन है। यह ट्रस्ट अस्पतालों को सशक्त बनाकर हजारों मरीजों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराने में सहयोग देता है।

तेलंगाना के 80 टूरिज्म पुलिस के पहले बैच का एनआईटीएचएम में प्रेरण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना टूरिज्म पुलिस कर्मियों के 80 सदस्यों वाले पहले बैच के लिए एक सप्ताह का प्रेरण कार्यक्रम आज राष्ट्रीय पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईटीएचएम), गच्चीबावली, हैदराबाद में शुरू हुआ।तेलंगाना सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य भर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर टूरिस्ट पुलिस की तैनाती के लिए तैयार किया गया है। टूरिस्ट पुलिस का अभिविन्यास और संवेदीकरण शीर्षक वाला यह कोर्स तेलंगाना में क्षमता निर्माण, आगंतुक अनुभव में सुधार और पर्यटक सुरक्षा को मजबूत करने पर केंद्रित है।उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री महेश एम. भागवत, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), तेलंगाना पुलिस उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एनआईटीएचएम के निदेशक प्रोफेसर वी. वेंकट रमण; तेलंगाना सरकार के पुलिस अधीक्षक श्री एम. रमण कुमार; एफटीसीसीआई पर्यटन समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश अम्मनओलू; और एफटीसीसीआई पर्यटन समिति के सह-अध्यक्ष श्री डी. रामचंद्रम शामिल थे।

मंचेरियाल में आदिवासियों ने वन अधिकारियों के उत्पीड़न का विरोध किया

तल्लापेट वन रेंज कार्यालय के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वन अधिकारी अवैध मुकदमे दर्ज करके हमें परेशान कर रहे हैं, हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंचेरियाल जिले के दांडेपल्ली मंडल के कोठामिदीपेली ग्राम पंचायत सीमा के अंतर्गत दमन्नापेटा गुदेनी के नायकपोड़ आदिवासियों ने यह बात कहते हुए रविवार को तल्लापेट वन रेंज कार्यालय के सामने धरना दिया।

आदिवासी समुदाय ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे कुछ समय से लिंगापुर बीट की वन भूमि में पोडू की पारंपरिक खेती कर रहे हैं, लेकिन वन अधिकारी बिना किसी ठोस कारण के उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उनके पूर्वजों के खिलाफ पहले भी मुकदमे दर्ज किए गए थे और अब जबकि वे मर चुके हैं, तो उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे दूसरों के नाम पर स्थानांतरित किए जा रहे हैं, जिससे परिवारों में परेशानी और भय का माहौल बना हुआ है।

आदिवासी नेताओं ने आरोप लगाया कि जिन लोगों का वन भूमि से कोई सीधा लेना-देना नहीं है, उनके खिलाफ भी मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्हें इस बात पर विशेष रूप से गुस्सा आया कि नवविवाहित लड़कियों और गर्भवती महिलाओं के खिलाफ भी बिना सोचे-समझे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह मानवीय संवेदना के विरुद्ध है और सरकार की नीतियों के खिलाफ भी जाता है।आदिवासी समुदाय ने सवाल उठाया कि हर व्यक्ति पर 5-5 मामले दर्ज करना कितना उचित है। उन्होंने बताया कि आदिवासी नेता बापू पर 8 और अर्जुन पर 9 मामले दर्ज किए गए हैं, जो स्पष्ट रूप से उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बेदखल जमीनों की समस्या के समाधान के लिए सरकार और अधिकारियों के साथ सहयोग करने के बावजूद उनके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाना उचित नहीं है।जब आदिवासी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर अवैध तरीके से मामले दर्ज किए गए तो शांति बनाए रखना मुश्किल होगा, तो अधिकारियों और आदिवासी नेताओं के बीच कुछ देर तक गहन बहस हुई। प्रदर्शनकारियों ने उच्च अधिकारियों से जवाब देने और न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। उप-क्षेत्र अधिकारी सागरिका, एफएसओ, एफबीओ और अन्य बंदी अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर संगठन के नेताओं से बात की और उच्च अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी।धरने में तुडुंधेब जिला उपाध्यक्ष टाट्रा अर्जुन, नायकपोड़ सेवा संगम जिला मानद अध्यक्ष सदाम बापू, नेता शंकर, विष्णु, अरे दुब्बाराजम, कल्लेदा बालू, मोदिते महेश और जेनेनी राजेंद्र सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

पुलिस के रवैये का विरोध : हिंदू त्यौहारों पर लगे प्रतिबंधों के खिलाफ व्यापक बंद

कुमरमभीम-आसिफाबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को सभी दलों और कई संगठनों के आह्वान पर जिला मुख्यालय में व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने हिंदू त्योहारों पर पुलिस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के विरोध में बंद में भाग लिया। कई लोग इस बात से नाराज़ हैं कि पुलिस ने हाल ही में हुए विनायक विसर्जन समारोहों, बतुकम्मा समारोहों, दुर्गा और शारदा माता विसर्जन समारोहों के दौरान हर कदम पर बाधाएँ खड़ी कीं। आरोप हैं कि देवी नवरात्रि उत्सव के तहत आयोजित विसर्जन समारोहों के दौरान पुलिस ने अत्यधिक उत्साह दिखाया और महिलाओं के प्रति अभद्र और अनुचित टिप्पणियाँ कीं। इसके साथ ही, कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और त्योहारों में लगाए गए डीजे को पुलिस थाने ले जाकर मामला दर्ज किया गया है, जिससे राजनीतिक दलों के नेता और कई संगठनों के नेता नाराज़ हैं। वे पुलिस से त्योहारों पर प्रतिबंध हटाने की माँग कर रहे हैं। व्यापारियों ने स्वेच्छा से शहर के बंद में भाग लिया है और अपना समर्थन व्यक्त किया है। उसके बाद कुछ संगठनों ने जिला एसपी कांतिलाल पाटिल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि हिंदू उत्सव गणेश उत्सव, नवरात्रि त्योहार के अवसर पर पुलिस का रवैया ठीक नहीं रह रहा है इसलिए उन्होंने मांग की है कि एस आई पर कार्रवाई की जाए और आने वाले समय में हिंदू उत्सव पर किस प्रकार की कोई पाबंदियां न लगाने की मांग की। एसपी ने आश्वासन देते हुए कहा कि एस आई पर कार्रवाई की जाएगी और आगे से इस प्रकार की घटना ना घटे इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस बंद के दौरान जिला मुख्यालय के बाजारों में सन्नाटा पसर गया था, जहां आमतौर पर हलचल रहती है। विभिन्न हिंदू संगठनों जैसे विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और स्थानीय युवा मंडलों ने इस मुद्दे को उठाने के लिए एकजुट होकर प्रदर्शन किया। एक संगठन के नेता ने बताया, हिंदू त्योहारों को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा माना जाता है, लेकिन पुलिस का व्यवहार ऐसा लगता है जैसे ये परंपराएं अपराध हैं। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं असहनीय हैं। बंद में भाग लेने वाले व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें बंद रखीं और सड़कों पर नारेबाजी की, जिसमें हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध हटाओ जैसे नारे गूंजते रहे। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि आसपास के जिलों में भी चर्चा का विषय बन गई है, जहां समान शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं।

राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को विधानसभा स्तर तक ले जाने का ऐलान किया है। भाजपा के स्थानीय विधायक ने कहा, पुलिस का रवैया निष्पक्ष नहीं लग रहा। हम इस पर उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर विचार कर रहे हैं। इसी तरह, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भी बंद का समर्थन किया और कहा कि यह हिंदू समुदाय की भावनाओं का अपमान है। संगठनों ने फैसला लिया है कि यदि एसपी का आश्वासन पूरा न हुआ तो अगले हिंदू त्योहार दीपावली पर और बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस बीच, जिला प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश जारी किया है, लेकिन इससे लोगों का गुस्सा और भड़क सकता है।

स्थानीय महिलाओं ने विशेष रूप से इस मुद्दे पर आवाज उठाई है। एक नवरात्रि उत्सव में भाग लेने वाली महिला ने बताया, हम देवी की पूजा कर रही थीं, लेकिन पुलिस की टिप्पणियों ने उत्सव का मजा किरकिरा कर दिया। हिंदू परंपराओं का सम्मान हर नागरिक का अधिकार है। समुदाय के बुजुर्गों ने भी कहा कि ऐसी घटनाएं सांस्कृतिक एकता को कमजोर करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस प्रशिक्षण में सांस्कृतिक संवेदनशीलता को शामिल करने की जरूरत है। इस बंद ने न केवल जागरूकता फैलाई बल्कि आने वाले त्योहारों के लिए एक मिसाल कायम की है, जहां परंपराओं को बिना बाधा के मनाने की मांग तेज हो गई है।

जहरीली पेपर मिल से बढ़ा प्रदूषण, नगरवासी परेशान!

आसिफाबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कागजनगर कस्बे में स्थित सिरपुर पेपर मिल से निकलने वाले धुएं और रासायनिक प्रदूषण के कारण शहरवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हल्की सी बारिश भी एसपीएम प्रदूषण को पूरे शहर में फैला देती है, जिससे सड़क पर चलने वाले लोगों का सांस लेना और आगे देखना मुश्किल हो जाता है।लोगों की शिकायत है कि इस प्रदूषण के कारण नागरिक अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। मेन मार्केट, सुभाष कॉलोनी, संगम बस्ती, सरदार बस्ती और ओल्ड सर सिल्क गेट जैसी कॉलोनियों के निवासी इस समस्या का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।हालाँकि स्थानीय निवासियों ने एसपीएम प्रदूषण के संबंध में पहले भी एक याचिका दायर की थी, लेकिन प्रबंधन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बाद भी अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

निवासियों का कहना है कि पेपर मिल से निकलने वाली गैस और धुआँ दिनभर वातावरण को दूषित करता है, जिससे असहनीय दुर्गंध और आंखों में जलन जैसी स्थितियाँ बनी रहती हैं।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मिल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए उचित यंत्र लगाए जाएँ और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे।

अगर स्थिति यूँ ही बनी रही तो शहरवासियों को मजबूरन बड़े पैमाने पर आंदोलन करना पड़ेगा।

मिल प्रबंधन की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। नागरिकों का कहना है कि जब तक नियमित निगरानी और प्रदूषण नियंत्रण के ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक कागजनगर की आबोहवा सुधार पाना मुश्किल होगा।

कांग्रेस में आंतरिक कलह : गुटबाजी और असहमति बनी चुनावी चुनौती

मंचेरियाल, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त जिले में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे चार विधायकों में एकता का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। स्थिति ऐसी है कि एक को छोड़कर बाकी किसी को भी हराया नहीं जा सकता। शेष निर्वाचन क्षेत्रों में पिछले विधानसभा चुनावों में हारने वाले उम्मीदवारों और स्थानीय नेताओं के बीच आंतरिक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। कुछ अन्य नेता यह दावा कर रहे हैं कि वे पराजित उम्मीदवारों के विकल्प हैं और आगामी चुनावों में टिकट उनके नाम होगा।

कागजनगर, आदिलाबाद, निर्मल और मुथोल जैसे क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी में गुटीय लड़ाई चरम पर है। आदिलाबाद में कंडी श्रीनिवास रेड्डी के विरोधी गुट को पार्टी में शामिल कर लिया गया है, जिससे कांग्रेस दो हिस्सों में बंटी नजर आ रही है। निर्मल में श्रीहरि राव के चुनाव लड़ने के दौरान अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी के पार्टी में आने से दो गुट बन गए। कागजनगर में रवि श्रीनिवास के चुनाव लड़ने के बाद एमएलसी दांडे विट्ठल पार्टी में शामिल हुए। मुथोल में नारायण राव पटेल की हार के बाद पूर्व विधायक विट्ठल रेड्डी की वापसी से वहां भी गुटबाजी शुरू हो गई।

मंचेरियाल जिले में तीन विधायक-पीएसआर, गद्दाम विवेक और विनोद-एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं हैं। मंत्री पदों को लेकर मतभेद दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। यह भी चर्चा में है कि दाढ़ी वाले भाइयों की आपस में बनती नहीं है। दशहरा समारोह में बेल्लमपल्ली के तिलक स्टेडियम में आए मंत्री विवेक को विधायक विनोद ने कोई तवज्जो नहीं दी। विवेक के कार्यक्रम से चले जाने के बाद विनोद उसी कार्यक्रम में पहुंचे, जिससे यह प्रचार तेज हो गया कि दोनों भाइयों की स्थानीय स्तर पर मौजूदगी के बावजूद मुलाकात नहीं हुई-जो दोनों के लिए नकारात्मक संकेत है।

इस आंतरिक कलह और गुटबाजी का असर आगामी स्थानीय चुनावों में कांग्रेस की रणनीति और प्रदर्शन पर पड़ सकता है। पार्टी के भीतर असहमति और प्रबल विरोध की स्थिति में एकजुटता की कमी चुनावी सफलता में बाधा बन सकती है।

रेशम की खेती में बाधा: अधिकारी प्रतिबंधों के नाम पर आदिवासी किसानों को कर रहे परेशान!

मंचेरियाल, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वन विभाग रेशम के कीड़ों की खेती में बाधा डाल रहा है, जिसने चेन्नूर को राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक बना दिया है। राज्य के श्रम एवं खनन मंत्री विवेक के प्रतिनिधित्व वाले इस निर्वाचन क्षेत्र के आदिवासियों को जंगल से दूर रखने की साज़िश चल रही है। जहाँ एक ओर अपने दादा-परदादाओं के ज़माने से रेशम की खेती कर रहे वनवासियों को खदेड़ने की कोशिश की जा रही है, वहीं सत्तारूढ़ दल की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि मानो उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।मंचेरियाल जिले के कोटापल्ली मंडल के राजाराम, कवराकोथापल्ली, एदुल्लाबंधम, लिंगन्नापेट, नागमपेट और बोप्पाराम गाँवों में लगभग 750 परिवारों की आजीविका रेशमकीट पालन से जुड़ी है। चूँकि इस क्षेत्र में काले कोहोश के पेड़ प्रचुर मात्रा में हैं, इसलिए आदिवासी किसान रेशमकीट पालन को अपना रहे हैं। वे रेशम के कीड़ों की देखभाल उनके अंडे से निकलने से लेकर कोकून बनने तक करते हैं।

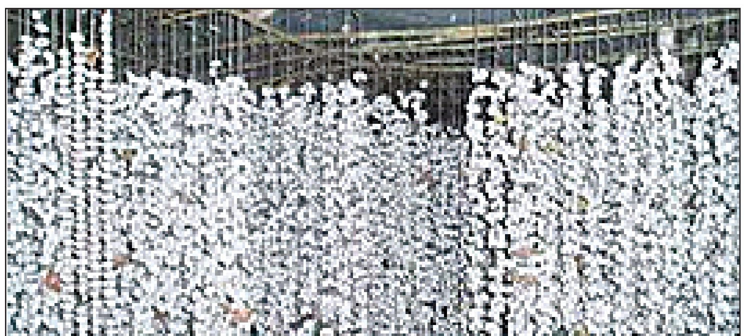

आदिवासी परिवार लगभग 60 वर्षों से इस फसल की खेती कर रहे हैं, लेकिन वन से आदिवासियों के जंगल से पलायन का खतरा बढ़ गया है। यह सर्वविदित है कि

राज्य के श्रम एवं खनन मंत्री ने की अनदेखी

अधिकारी अब उन्हें रोक रहे हैं, जिससे विवाद पैदा हो रहा है।

वे जगह-जगह फ्लेक्सी बोर्ड लगा रहे हैं जिन पर लिखा है कि प्राणहिता वन्यजीव अभयारण्य में रेशमकीट पालन निषिद्ध है, जो आदिवासियों के लिए एक बड़ी बाधा बन गया है। वन विभाग द्वारा रेशम कीट पालन पर लगाए गए प्रतिबंध यहाँ के आदिवासियों ने रेशम कीट पालन के माध्यम से चेन्नूर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

राज्य में भद्राचलम, भूपालपल्ली, आदिलाबाद, आसिफाबाद और मंचेरियाल जिलों में रेशम कीट पालन का कार्य किया जाता है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर पर मंचेरियाल जिले के रेशम कीट पालन की माँग अधिक है। चेन्नूर में आयोजित रेशम कीट नीलामी में पड़ोसी जिलों के व्यापारी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं।

मंत्री विवेक के चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में आदिवासियों को घोर अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। वन अधिकारियों की कड़ी आलोचना हो रही है क्योंकि वे उन आदिवासियों को, जो साल में तीन फसलें उगाकर अपने परिवारों का पेट पालते हैं, प्रतिबंधों के नाम पर परेशान कर रहे हैं। वन अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल नाके तक लगा दिए हैं और वाहन चालकों की जेबें ढीली कर रहे हैं, लेकिन इसकी परवाह करने वाला कोई नहीं है।

आदिवासियों के साथ हो रहे हालिया अन्याय पर मंत्री विवेक की चुप्पी की व्यापक आलोचना हो रही है। आदिवासी समाज दुख व्यक्त कर रहा है कि यह परेशानियाँ कांग्रेस शासनकाल में शुरू हुईं और अब भी जारी हैं। वे मंत्री की चुप्पी के पीछे छिपे राजनीतिक मकसद पर सवाल उठा रहे हैं। इस अन्याय के खिलाफ आदिवासी अब आंदोलन की राह पर उतरने की तैयारी में हैं।

बीसी कोटा : सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तेलंगाना सरकार को मिली बड़ी राहत

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार को सोमवार को एक बड़ी राहत मिली जब सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदायों के लिए 42 प्रतिशत कोटे को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस मुद्दे की समीक्षा के लिए मंत्रियों और कानून विभाग के अधिकारियों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस की।

उन्होंने दिल्ली में मौजूद और सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और वकिटी श्रीहरि से फोन पर बात की और कार्यवाही का विवरण मांगा।

-उच्च न्यायालय में मजबूत दलीलें पेश करने के निर्देश
-सरकार ने वैज्ञानिक प्रक्रिया का दिया हवाला
-चुनाव प्रक्रिया पर रोक नहीं लगने की उम्मीद

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 8 अक्टूबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय में बढ़ाए गए बीसी कोटे के खिलाफ आने वाली दो याचिकाओं पर मजबूत दलीलें पेश करें। जीओ 9 के खिलाफ दायर की गई इन याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि 42 प्रतिशत बीसी कोटा सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है, क्योंकि तेलंगाना में कुल आरक्षण अब 67 प्रतिशत हो गया है, जिसमें अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 10 प्रतिशत शामिल है। खबर है कि रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से राज्य सरकार के पक्ष का बचाव करने के लिए प्रख्यात वकीलों को नियुक्त करने और शीर्ष अदालत के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए उठाए गए कदमों को उच्च न्यायालय के समक्ष रखने को कहा है। उन्होंने उन्हें इस बात पर प्रकाश डालने का निर्देश दिया कि राज्य सरकार ने जाति जनगणना कराई थी और एक समर्पित बीसी आयोग का गठन किया था, जिसने शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक पिछड़ेपन का अध्ययन किया और 42 प्रतिशत कोटे की सिफारिश की, जिसे सरकार ने बाद में अपना लिया। इस बीच, राज्य सरकार के बीसी कोटा कदम का समर्थन करने वाली तीन हस्तक्षेप याचिकाएं सोमवार को उच्च न्यायालय में दायर की गईं।

कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव, मेत्तु साईकुमार और लक्ष्मण यादव ने दो अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं, जबकि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी टी. चिरंजीवुलु ने तीसरी याचिका दायर की।

राज्य चुनाव आयोग ने स्थानीय निकाय चुनावों का कार्यक्रम जारी कर दिया है, जिसके तहत 9 अक्टूबर से नामांकन दाखिल करना शुरू हो जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सरकार बढ़े हुए कोटे के लिए उच्च न्यायालय की मंजूरी हासिल करने को लेकर आश्वस्त है, और उसका तर्क है कि अपनाई गई प्रक्रिया वैज्ञानिक और वैधानिक सिफारिशों पर आधारित थी। उसे यह भी उम्मीद है कि उच्च न्यायालय चुनाव प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाएगा क्योंकि कार्यक्रम जारी हो चुका है और तैयारियां चल रही हैं।

जुबली हिल्स उपचुनाव : आदर्श आचार संहिता लागू

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्वाचन आयोग द्वारा जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए 11 नवंबर की तारीख की घोषणा के बाद, सोमवार शाम 4 बजे से पूरे हैदराबाद जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई, जिसके अंतर्गत 15 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। नकद लेनदेन सहित उल्लंघनों को रोकने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 50,000 रुपये से अधिक नकद ले जाने वाले किसी भी व्यक्ति को उसके स्रोत का वैध प्रमाण देना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सोमवार को शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि मतदाताओं को मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करनी चाहिए और यदि आवश्यक हो तो दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करनी चाहिए। वे ईआरओ कार्यालय में या निम्नलिखित प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने नाम की पुष्टि कर सकते हैं: voters.eci.gov.in, ceotelangana.nic.in, वोटर हेल्पलाइन ऐप या बीएलओ से संपर्क करके। नामांकन की अंतिम तिथि, जो 21 अक्टूबर है, से 10 दिन पहले तक दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। टोल-फ्री हेल्पलाइन 1950 का उपयोग किया जा सकता है।

कर्णन ने कहा कि 139 स्थानों पर 407 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को यूसुफगुडा के कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम में होगी। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम-स्तरीय जांच पूरी हो चुकी थी। डीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव संहिता का सख्ती से पालन करना चाहिए, चेतावनी देते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने जनता से यह भी अपील की कि वे फर्जी या असत्यापित जानकारी, विशेष रूप से धर्म या ईवीएम से संबंधित, साझा न करें।

आयुक्त सज्जनार ने कहा कि शहर पुलिस उपचुनाव के शांतिपूर्ण संचालन के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि लाइसेंसी बंदूक धारकों को अपने हथियार जमा करने होंगे और उपद्रवियों को पाबंद किया जाएगा, साथ ही उन्होंने नागरिकों से 100 या 112 पर कॉल करके किसी भी चुनाव संहिता उल्लंघन या संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने का आग्रह किया।

इस बीच, आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ, सरकारी कार्यालयों से मंत्रियों के चित्र हटा दिए गए हैं, और राजनीतिक विज्ञापनों को हटाया जा रहा है। उपचुनाव के लिए आधिकारिक खर्च की सीमा 6 करोड़ रुपये रखी गई है। आपराधिक मामलों वाले चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपने लंबित मामलों का विवरण तीन समाचार पत्रों और तीन टेलीविजन चैनलों में प्रकाशित करना होगा। चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की कि स्थानीय तहसीलदारों, स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) और बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मदद से पिछली घटनाओं के आधार पर मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता का मानचित्रण किया जाएगा।

चुनाव कार्यक्रम

गजट अधिसूचना की तारीख: 13 अक्टूबर
नामांकन की अंतिम तिथि: 21 अक्टूबर
नामांकन पत्रों की जांच: 22 अक्टूबर
नाम वापसी की अंतिम तिथि: 24 अक्टूबर
मतदान की तारीख: 11 नवंबर
मतगणना: 14 नवंबर

एली लिली का तेलंगाना में एक अरब डॉलर निवेश

-हैदराबाद बनेगा वैश्विक फार्मा हब

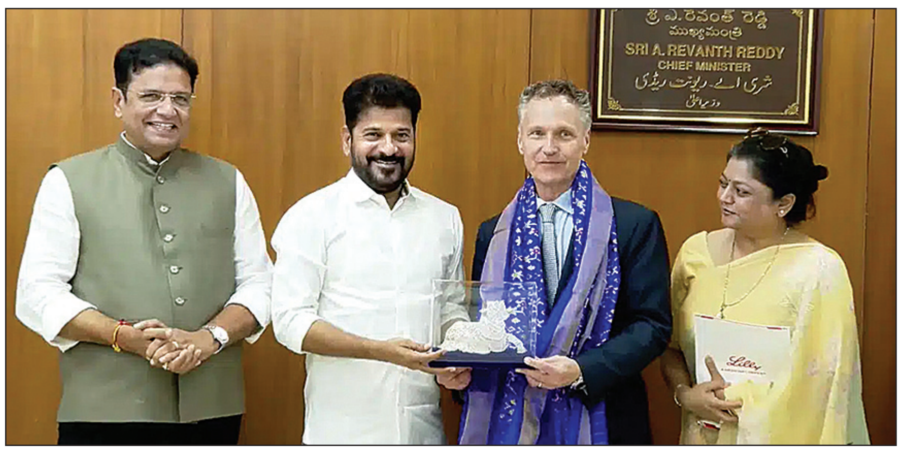

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिकी फार्मा कंपनी एली लिली ने तेलंगाना में 1 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है, जिससे राज्य की फार्मा और हेल्थकेयर विनिर्माण क्षमता को वैश्विक स्तर पर विस्तार मिलेगा। यह निवेश हैदराबाद में अनुबंध निर्माण के माध्यम से किया जाएगा, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

कंपनी के वैश्विक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू से एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में मुलाकात की। इसके बाद यह निवेश निर्णय सार्वजनिक किया गया।

हालांकि कई राज्यों ने रुचि दिखाई थी, लेकिन एली लिली ने तेलंगाना की कुशल जनशक्ति, मजबूत बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन को देखते हुए इसे चुना। अगस्त में हैदराबाद में कंपनी के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर)के उद्घाटन के बाद यह दूसरा बड़ा कदम है।

कंपनी मधुमेह, मोटापा, अल्जाइमर, कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज के लिए नई दवाओं पर काम करेगी। इसके लिए इंजीनियर, रसायनज्ञ, गुणवत्ता नियंत्रण विशेषज्ञ, प्रबंधन पेशेवरों की भर्ती तुरंत शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एली लिली को धन्यवाद देते हुए कहा, तेलंगाना का मतलब है व्यापार। हैदराबाद एक वैश्विक शहर है। उन्होंने 1965 में आईडीपीएल की स्थापना को फार्मा हब बनने की नींव बताया और जीनोम वैली में एटीसी केंद्र की योजना साझा की। साथ ही, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के बोर्ड में फार्मा उद्योगपतियों को शामिल करने की बात कही, जिसके अध्यक्ष आनंद महिंद्रा हैं। मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि यह विस्तार तेलंगाना के गतिशील औद्योगिक माहौल और स्वास्थ्य सेवा विनिर्माण में बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है। एली लिली इंटरनेशनल के एतझ पैट्रिक जोन्सन ने भारत को कंपनी के वैश्विक नेटवर्क में क्षमता निर्माण का केंद्र बताया।

तेलंगाना सरकार ने मिलावटी 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' को लेकर जारी किया अलर्ट

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के सभी जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' से जुड़ी चेतावनी के संबंध में जनता को जागरूक करने के निर्देश जारी किए हैं। यह कदम सिरप के एक बैच में विषैले रासायनिक पदार्थ डायथिलीन ग्लाइकॉल (ऊएत्र्) की मिलावट पाए जाने के बाद उठाया गया है।लोक स्वास्थ्य निदेशक द्वारा जारी पत्र में सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन द्वारा 4 सितंबर को जारी चेतावनी के बारे में लोगों में व्यापक रूप से जागरूकता फैलाएँ। यह चेतावनी बैच संख्या डठ-13 के कोल्ड्रिफ सिरप से संबंधित है, जिसमें डायथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीले तत्व की मिलावट पाई गई थी।पत्र (दिनांक 5 अक्टूबर) में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति के पास यह सिरप मौजूद है, तो वे तुरंत स्थानीय औषधि नियंत्रण प्राधिकरण को सूचित करें और संबंधित टोल-फ्री नंबर पर इसकी जानकारी दें।लोक स्वास्थ्य निदेशक ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे बच्चों के लिए कफ सिरप के विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (ऊ्रलक्ष्), केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराएँ।डीजीएचएस के परामर्श के अनुसार - बच्चों में अधिकांश तीव्र खांसी संबंधी बीमारियाँ स्वतः ही ठीक हो जाती हैं और आम तौर पर किसी दवा की आवश्यकता नहीं होती।दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की कोई दवा नहीं दी जानी चाहिए।पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इन दवाओं की सिफारिश नहीं की जाती है।बड़ी उम्र के बच्चों को दवा देने से पहले सावधानीपूर्वक चिकित्सकीय मूल्यांकन, निगरानी और उचित खुराक सुनिश्चित करना आवश्यक है।परामर्श में यह भी कहा गया है कि सभी स्वास्थ्य संस्थान और क्लिनिकल प्रतिष्ठान केवल उन्हीं उत्पादों की खरीद और वितरण करें जो अच्छी विनिर्माण प्रथाओं के तहत तैयार किए गए हों तथा फार्मास्युटिकल-ग्रेड एक्सीपिएंट्स से निर्मित हों।गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से संदिग्ध किडनी संक्रमण के कारण नौ बच्चों की मौत के बाद, राज्य सरकार ने 4 अक्टूबर को कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था।

तेलंगाना के निजी कॉलेज 13 अक्टूबर से रहेंगे बंद

शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया पर उठाया बड़ा कदम

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में निजी कॉलेज प्रबंधन ने राज्य सरकार द्वारा लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया राशि जारी न किए जाने के विरोध में 13 अक्टूबर से कॉलेज बंद करने की घोषणा की है। यह निर्णय तेलंगाना निजी डिग्री एवं पीजी कॉलेज प्रबंधन एसोसिएशन ने लिया है।एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बी. सत्यनारायण रेड्डी ने बताया कि सरकार ने पिछले महीने 900 करोड़ रुपये जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन 1 अक्टूबर तक केवल 300 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा,सरकार ने दशहरा से पहले 600 करोड़ रुपये और दीपावली से पहले अतिरिक्त 600 करोड़ रुपये जारी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है।रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि 12 अक्टूबर तक बकाया राशि जारी नहीं की गई, तो 13 अक्टूबर से राज्य के सभी निजी डिग्री और पीजी कॉलेज अनिश्चितकालीन बंद रहेंगे।

इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने भी एसोसिएशन का समर्थन किया है। उन्होंने राज्य सरकार से दशहरा से पहले 1,200 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की और कहा, बीआरएस और कांग्रेस-दोनों सरकारें लगभग 10,000 करोड़ रुपये का बकाया चुकाने में विफल रही हैं।गौरतलब है कि एक महीने के भीतर यह दूसरी बार है जब एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर हड़ताल की चेतावनी दी है।सूत्रों के अनुसार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से वार्ता करने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि उप-मुख्यमंत्री इसी सप्ताह कॉलेज प्रबंधन से मुलाकात कर समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

विजय देवरकोंडा सड़क दुर्घटना में बाल बाल बचे

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकप्रिय अभिनेता विजय देवरकोंडा सोमवार को तेलंगाना के जोगुलम्बा गडवाल जिले में एक मामूली सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ और देवरकोंडा पूरी तरह सुरक्षित हैं।यह घटना उस समय हुई जब देवरकोंडा आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी से हैदराबाद लौट रहे थे। पुट्टपर्थी दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा का जन्मस्थान है। रास्ते में उनकी कार एक अन्य चार पहिया वाहन से टकरा गई, जिससे वाहन को मामूली क्षति पहुँची।दुर्घटना के बाद देवरकोंडा ने अपने वाहन से बाहर निकलकर एक मित्र की कार में सवार होकर हैदराबाद की यात्रा जारी रखी। उनके साथ कुछ दोस्त भी मौजूद थे।कार के चालक ने सोमवार शाम को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर दूसरे वाहन के चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया।

जेएनटीयू फ्लाईओवर पर भीषण सड़क हादसा

-तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराई, छह घायल

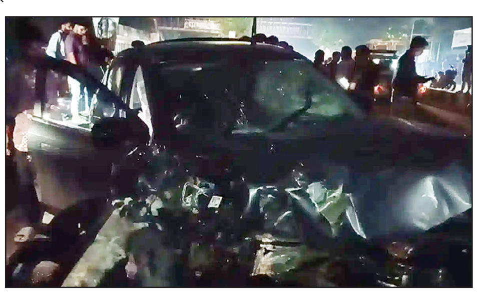

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुकटपल्ली स्थित जेएनटीयू फ्लाईओवर पर सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें छह लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, जेएनटीयू से हाईटेक सिटी की ओर तेज़ गति से जा रही एक टाटा कर्व कार (पंजीकरण संख्या 25बीएच3698ए) ने नियंत्रण खो दिया और बिजली के खंभे से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पलटकर हाईटेक सिटी की दिशा से आ रही दूसरी कार (टीजी07ए 5601) पर जा गिरी।

इस हादसे में दूसरी कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि पहली कार का चालक लगभग आधे घंटे तक गाड़ी में फंसा रहा, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

कुल मिलाकर दोनों कारों में सवार छह लोग घायल हुए, जिन्हें तुरंत मेडिकवर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह जांच कर रही है कि दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार या लापरवाही तो नहीं थी।

टीएसएलपीआरबी ने नौकरी के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर तक बढ़ाई

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (टीएसएलपीआरबी) ने 118 रिक्तियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर तक बढ़ा दी है।तेलंगाना राज्य अभियोजन सेवा में सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) (श्रेणी - 6) की नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवार टीएसएलपीआरबी की वेबसाइट पर इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं । 118 रिक्तियों में से 50 मल्टी ज़ोन - 1 और 68 मल्टी ज़ोन - 2 के लिए हैं।अभ्यर्थी की आयु 1 जुलाई, 2025 तक 34 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट दी गई है।उम्मीदवार आधिकारिक अधिसूचना यहां और पंजीकरण यहां देख सकते हैं इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को किसी भी विषय में स्नातक और भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से एलएलबी में स्नातक की डिग्री प्राप्त होनी चाहिए। इंटरमीडिएट के बाद विधि में पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले आवेदक भी पात्र हैं।तेलंगाना के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) उम्मीदवारों को 1,000 रुपये का शुल्क देना होगा। अन्य सभी उम्मीदवारों को 2,000 रुपये का भुगतान करना होगा। इच्छुक उम्मीदवारों को टीएसएलपीआरबी की वेबसाइट पर लॉग इन करना होगा , होम पेज खोलना होगा और अभी आवेदन करें टैब पर क्लिक करना होगा। उम्मीदवारों को एपीपी पदों के लिए भी फॉर्म भरना होगा, शुल्क का भुगतान करना होगा और फॉर्म जमा करना होगा।

अफजलसागर में दो चेन स्नैचर गिरफ्तार, सोना और नकदी बरामद

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हबीबनगर पुलिस ने शनिवार शाम अफजलसागर में एक महिला से सोने की चेन छीनने वाले दो चेन स्नैचरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 2.6 तोला सोना और 34,100 रुपये नकद बरामद किए।

आरोपी मोहम्मद सद्दाम (32) और उपादे शिवा (31) हैं, दोनों मल्लेपल्ली के निवासी हैं।पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 5:40 बजे सद्दाम और शिवा सीतारामबाग गए और पीड़िता से लहसुन का भाव पूछा। अचानक उन्होंने उसका गला पकड़ लिया, सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए।

सद्दाम एक संपत्ति अपराधी भी है और उसके खिलाफ 30 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि वह अगस्त में जेल से रिहा हुआ था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.